@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 16 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 240 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बजट को लेकर प्रधानमंत्री से कुछ भी उम्मीद न करें: गौरव गोगोई

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 15 जुलाई। ेसंसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा, वहीं 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारण की तरफ से केंद्र की भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश किया जाएगा। इससे पहले भाजपा की तरफ से अपने दूसरे कार्यकाल के आखिरी में एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वहीं बजट सत्र की शुरुआत से पहले ही कांग्रेस केंद्र और पीएम मोदी पर हमलावर हो चुकी है। जोरहाट से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उप नेता गौरव गोगोई ने उम्मीद जताई है कि इस बार सदन की कार्रवाई निष्पक्ष तरीके से जारी रहेगा। वहीं उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से बजट को लेकर कोई उम्मीद नहीं रखते हैं। इस दौरान गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि इससे पहले आयोजित हुए सत्र में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के सदन में दिए गए बयानों के कुछ हिस्सों को रिकॉर्ड से हटा दिया गया था। गौरव गोगोई ने कहा कि हम चाहते हैं कि सदन निष्पक्ष रहे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी पार्टी के नेता राहुल गांधी की कुछ बयानों को पिछले सत्र के दौरान रिकॉर्ड से हटा दिया गया था। दरअसल जब राहुल गांधी ने कहा था कि पीएम मोदी, भाजपा और आरएसएस हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सभी ने इसे देखा और सुना, जो

कि रिकॉर्ड से हटा दिया गया और आज तक हम ये जान नहीं पाए कि ऐसा क्यों किया गया। हमारे नेता राहुल गांधी ने इसे लेकर पत्र भी लिखा है, लेकिन भाजपा के लोग जनता के बीच गलत धारणाएं फैला रहे हैं। हालांकि जनता ने भाजपा को बद्रीनाथ विधानसभा उपचुनाव में करारा झटका दिया है। नेता विपक्ष सदन में एक संवैधानिक पद है और राहुल गांधी नेता विपक्ष के रूप में जो कुछ भी कहते हैं, जिम्मेदारी के साथ कहते हैं। गोगोई ने आगे कहा कि नेता विपक्ष के बयान संसदीय रिकॉर्ड में दिखना चाहिए। अपने बयान में कांग्रेस नेता ने कहा कि हिंदू हिंसक नहीं हैं; वे शक्तिशाली हैं, लेकिन वे अपनी शक्ति का उपयोग गलत तरीके से नहीं करते हैं। एक हिंदू सत्य के मार्ग पर चलता है और झूठ का सहारा नहीं करता है। यही हिंदू धर्म की शिक्षा अयोध्या के लोगों ने भाजपा के लोगों को दी और बद्रीनाथ के लोगों ने उन्हें फिर से सबक सिखाया। वहीं बजट सत्र शुरू होने के कारण सरकार से विपक्ष की मांग क्या है, यह पूछे जाने पर, गोगोई ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला किया और कहा कि उनके पास अंबानी की शादी में शामिल होने का समय है, लेकिन उनके पास गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए समय नहीं है। मुझे पीएम मोदी और सरकार से कुछ भी उम्मीद नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी कुछ फैंसी शब्द का इस्तेमाल जरूर करेंगे, लेकिन मैं उम्मीद नहीं करता कि मुद्रास्फीति और बेरोजगारी से लड़ने के लिए सरकार कोई ठोस कदम उठाएगी।

नीट-यूजी 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 15 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से नीट-यूजी 2024 परीक्षा से संबंधित दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी किया। याचिका में राजस्थान हाईकोर्ट के सामने लंबित मामलों को शीर्ष कोर्ट में स्थानांतरित करने की मांग की गई है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें नीट-यूजी 2024 के नतीजों को रद्द करने और परीक्षा को फिर आयोजित के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिकाओं में पेपर लीक होने और कई अन्य गड़बड़ियों के आरोप लगाए गए हैं। याचिकाओं के जरिए अभ्यर्थियों ने शीर्ष अदालत में प्रतिपूरक अंक और परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों में विसंगति का मुद्दा भी उठाया था। इससे पहले एक अवकाश पीठ ने 14 जून को एनटीए की इसी तरह की याचिकाओं पर पक्षों को नोटिस जारी किए थे। एनटीए की ओर से पेश हुए अधिवक्ता वर्धमान कौशिक ने सोमवार को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ से आग्रह किया कि याचिकाओं के नए बैच को भी शीर्ष अदालत में स्थानांतरित किया जाए, क्योंकि वे एक ही मुद्दे से संबंधित हैं। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें और टैग करें। इन याचिकाओं पर भी 18 जुलाई को ह्शश्वञ्ज-त्र विवाद पर लंबित याचिकाओं के साथ विचार किया जाएगा। एनटीए ने पीठ से विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित कार्यवाही पर रोक लगाने का भी आग्रह किया। इससे पहले पीठ ने 11 जुलाई को ह्शश्वञ्ज-त्र 2024 को रद्द करने, फिर से परीक्षा कराने और जांच करने की मांग करने वाली अन्य याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी थी।

हम उन्हें वापस नहीं ला सकते मिस्टर सिब्बल: उमर अंसारी

नई दिल्ली, 15 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने आज गैंगस्टर से नेता बने मुख्तारी अंसारी के बेटे उमर अंसारी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में उन्होंने दलील दी थी कि उनके पिता की जान को खतरा है। साथ ही उमर ने यह मांग भी की थी कि ऐसे में मुख्तार को यूपी के बाहर किसी भी जेल में शिफ्ट किया जाए। गौरतलब है कि ये याचिका साल 2023 में दाखिल की गई थी। उस वक्त मुख्तार जीवित थे। इसी साल 28 मार्च को दिल का दौरा पड़ने से मुख्तार की मौत हो गई थी। शीर्ष अदालत की जस्टिस हृषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की बेंच के समक्ष सुनवाई के दौरान उमर अंसारी ने आरोप लगाया कि उनके पिता को जेल में जो खाना दिया जा रहा था उसमें जहर था। इतना ही नहीं उन्हें जरूरी चिकित्सा उपचार भी नहीं दिया गया, जिसके कारण हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई। उमर अंसारी का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि हम बस इतना कह सकते हैं कि हमें जिसका डर था, वही हुआ। इस पर पीठ ने कहा कि हम उन्हें वापस नहीं ला सकते। आप यह अच्छी तरह से जानते हैं। साथ ही कहा कि याचिकाकर्ता ने मुठभेड़ जैसी स्थिति की आशंका जताई थी। इस पर सिब्बल ने कहा कि इस मामले में जांच की जानी चाहिए। सिब्बल ने कहा कि इस देश में इंसानों के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया जा सकता है। इस दौरान सिब्बल ने पीठ को यह भी बताया कि उन्होंने याचिका में की गई प्रार्थना में संशोधन की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया है। पीठ ने आवेदन पर नोटिस जारी करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से कहा कि वह इस पर अपना जवाब दाखिल करे।

शरद पवार से मिलने पहुंचे अजित गुट के छगन भुजबल

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 15 जुलाई। महाराष्ट्र की राजनीति में सोमवार को एक अलग ही समीकरण देखने को मिला। एक दिन पहले जिस नेता को शरद पवार पर मराठा आरक्षण की बैठक में शामिल नहीं होने के लिए जमकर निशाना साधते देखा गया था, वहीं आज उन्हें उनसे मुलाकात करते देखा गया। जी हां, हम राज्य मंत्री छगन भुजबल की बात कर रहे हैं। दरअसल, पहले से ही ऐसी खबरें आ रही थीं कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार गुट के कुछ नेता नाराज हैं और वो शरद पवार के साथ जा सकते हैं। इसी बीच, सोमवार को अचानक ही अजित गुट के दिग्गज नेता भुजबल शरद पवार से मुलाकात करने के लिए पहुंच गए। ये मुलाकात ऐसे वक्त पर हुई है, जब एक दिन पहले ही छगन भुजबल ने शरद पवार पर जोरदार हमला किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र में जिस तरह मराठा आरक्षण पर लोगों को भड़काया जा रहा है, उसके पीछे शरद पवार ही हैं और अब आज वह उनसे मिलने उनके घर सिल्वर ओक पहुंच गए। उन्होंने अभी तक मुलाकात की कोई वजह नहीं बताई है। खबरों की मानें तो शरद पवार और छगन भुजबल

के बीच यह मुलाकात मराठा बनाम ओबीसी के बीच हो रही लड़ाई के चलते हुई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नौ जुलाई को ओबीसी के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी, लेकिन इसमें विपक्ष का कोई नेता शामिल नहीं हुआ था। इससे पहले रविवार को छगन भुजबल ने बारामती में शरद पवार का नाम लिए बिना उन पर दो समाज के बीच दरार डालने का आरोप लगाया था। भुजबल ने दावा किया था कि आरक्षण को लेकर होने वाली बैठक में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नेता इसलिए नहीं आए थे, क्योंकि उन्हें बारामती से फोन आ गया था। बता दें कि बारामती लोकसभा सीट शरद पवार का गढ़ मानी जाती है। एनसीपी के सूत्रों का कहना है कि भुजबल को लग रहा था कि पार्टी में उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। वह अजित पवार के संगठन के साथ हैं, लेकिन पार्टी के भीतर राजनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ गए हैं। भुजबल की शरद पवार के साथ मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर राज्य के मंत्री और भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि महाराष्ट्र में यह परंपरा रही है कि राजनीतिक नेता वैचारिक मतभेदों से परे रहते हुए आपस में चर्चा करते हैं। दो नेताओं के बीच हर बातचीत की जांच करना और समय से पहले कुछ भी बोलना गलत है। एनसीपीएसपी के नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा, यह शरद पवार की उदारता को दर्शाता है कि वह सार्वजनिक क्षेत्र में भी विपरीत विचार रखने वाले व्यक्तियों को समय देते हैं।

जज साहेब हमारी शादी टूट चुकी है, अब रिश्ते सुधर नहीं सकते: उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली, 15 जुलाई। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने तलाक के मामले में सुप्रीम अदालत का दरवाजा खटखटाया है। अब्दुल्ला की अर्जी पर अदालत ने उनकी पत्नी पायल अब्दुल्ला को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अब्दुल्ला ने अदालत से कहा कि हमारी शादी टूट चुकी है और अब रिश्ते सुधर नहीं सकते। इसलिए तलाक चाहिए। इस पर न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने पायल अब्दुल्ला को नोटिस जारी किया और छह सप्ताह के भीतर उनसे जवाब मांगा। इसके साथ ही कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 30 अगस्त की तारीख तय की है। उमर अब्दुल्ला का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा, दोनों की शादी खत्म हो चुकी है। दोनों बीते 15 सालों से अलग रह रहे हैं। उनके बीच अब पति और पत्नी जैसा कोई रिश्ता नहीं है। उन्होंने पीठ से मांग की कि वह संविधान के आर्टिकल 142 में वर्णित अधिकार के तहत इस मामले में फैसला सुनाएं। दरअसल, उमर अब्दुल्ला ने इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें क्रूरता के आधार पर तलाक दिया जाए। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा था कि उमर अब्दुल्ला के आरोप अस्पष्ट हैं और साबित नहीं होता है कि पायल ने उनके साथ क्रूरता की है। हाईकोर्ट से झटका लगने के बाद उमर अब्दुल्ला ने शीर्ष अदालत का रुख किया और फैसले को चुनौती दी। उमर और पायल की शादी सितंबर 1994 में हुई थी, लेकिन वे काफी समय से अलग रह रहे हैं। उमर की तलाक याचिका को 30 अगस्त, 2016 को एक पारिवारिक अदालत ने खारिज कर दिया था।

जिरिबाम में सीआरपीएफ जवान का बलिदान दुखद, कब जागेगी मोदी सरकार: प्रियंका

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 15 जुलाई। मणिपुर में सीआरपीएफ जवान की हत्या के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार पर वार किया। उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य पूरी तरह से बिखर चुका है, केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कब अपनी नींद से जागेंगे? मणिपुर में पिछले कई महीनों से हिंसा का माहौल बना हुआ है। इसी बीच सीआरपीएफ के काफिले पर हमला हुआ, जिसमें एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई। बता दें कि मणिपुर की हिंसा और इस घटना को लेकर प्रियंका गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा, मणिपुर में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए हमले में एक जवान की शहादत की खबर बेहद दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी

संवेदना। उन्होंने कहा, पिछले साल 3 मई को शुरू हुई हिंसा आज भी जारी है। एक राज्य पूरी तरह से बिखर चुका है। आखिर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री कब अपनी नींद से जागेंगे? पुलिस ने बताया कि मणिपुर के जिरीबाम जिले के मोंगबंग गांव में रविवार सुबह संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान शहीद हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान बिहार निवासी 43 वर्षीय अजय कुमार झा के रूप में हुई है। उसे सिर में गोली लगी थी और अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी का इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर है। मणिपुर पुलिस ने इंफाल ईस्ट और वेस्ट जिलों से भारी संख्या में हथियार जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि इंफाल ईस्ट जिले से एक एके-56 राइफल, एक एसएलआर, एक स्थानीय निर्मित एसएलआर, एक .38 पिस्टल, चार 9एमएम की पिस्टल, एक .32 बोर की पिस्टल, दो हैंड ग्रेनेड और 25 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने इंफाल ईस्ट के हेनगेंग चिंग इलाके में तलाशी अभियान चलाया था, जिसमें ये हथियार बरामद हुए। वहीं एक अन्य ऑपरेशन में पुलिस ने इंफाल वेस्ट के खुयातोंग और नागामपल इलाके में भी तलाशी अभियान चलाया जिसमें पुलिस ने एक एक्सकैलिबर राइफल, 7.62 एमएम एआर घातक, एक एमए-3, एमके-2 राइफल और कारतूस जब्त किए गए। इंफाल वेस्ट जिले में ही पुलिस ने वाहन चुराने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और एक वाहन जब्त किया है। पुलिस ने इनके पास से भी एक .45 पिस्टल और एक 9 एमएम पिस्टल के साथ ही कारतूस भी बरामद किए हैं।

जीटीबी अस्पताल में शूटआउट: हाशिम बाबा ने जेल से किया इशारा

नई दिल्ली, 15 जुलाई। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के भीतर घुसकर रियाजुद्दीन (32) नामक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान लक्ष्मी गार्डन, लोनी, गाजियाबाद निवासी फैज (20) और चौहान बांगर, दिल्ली निवासी फरहान (21) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया है कि दरअसल यह रियाजुद्दीन की नहीं उसके सामने वाले बैड पर भर्ती वसीम की हत्या करने आए थे। गिरफ्तार किए गए दोनों बदमाश गैंगस्टर हाशिम बाबा से जुड़े हुए हैं। हाशिम बाबा के कहने पर उसके राइट हैंड समीर बाबा ने हत्याकांड का ताना-बाना बुना था। समीर ने अपने सहयोगी फहीम उर्फ बादशाह खान को वसीम को निपटाने का टास्क दिया। इसके बाद उसके चार शूटर जीटीबी अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल पहुंचे लड़कों में अमान, फैजान मोइन व एक 18 वर्षीय लड़का शामिल है। 18 वर्ष वाले लड़के ने रियाजुद्दीन को वसीम समझकर उस पर गोलियां चलाईं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि 18 वर्षीय लड़का नाबालिग हो सकता है, इसलिए उसके नाम का खुलासा नहीं किया गया है। वारदात में शामिल बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। शाहदरा और उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस सभी हमलावरों की तलाश में छापेमारी कर रही है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि हत्याकांड के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इमरजेंसी के गेट पर लगे कैमरे की फुटेज में चार बदमाश अस्पताल के भीतर जाते हुए दिखे।

किसानों को 202 करोड़ रुपये देगी योगी सरकार

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 15 जुलाई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के रूप में केंद्र सरकार किसानों को प्रति वर्ष आर्थिक सहायता करती है। आने वाले बजट में किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाये जाने की भी चर्चा चल रही है। इसी बीच उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अपने किसानों को सीधी आर्थिक मदद देने के लिए एक और योजना तैयार की है। इसके अंतर्गत किसानों को 202 करोड़ रुपये की सीधी आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना का लाभ उठाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की एक योजना से जुड़ते हुए प्रदेश के किसानों को विशेष वृक्ष लगाने होंगे। इसे कार्बन फाइनेंस का नाम दिया गया है, क्योंकि वृक्षों के लगाने से कार्बन उत्सर्जन में कमी होती है। लिहाजा कार्बन के उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से इस योजना की शुरुआत की गई है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन में सक्षम बनाने की घोषणा की है। यानी इस समय तक देश अपनी ऊर्जा का लगभग शत प्रतिशत हिस्सा हरित ऊर्जा के माध्यम से प्राप्त करेगा और जैवीय ईंधन के उपयोग के कारण पैदा हो रहे कार्बन उत्सर्जन को समाप्त कर दिया जाएगा। इसके लिए भारी मात्रा में वृक्षारोपण का भी लक्ष्य तय किया गया है। इसी योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए किसानों को इसके

साथ जोड़ा जा रहा है, जिसमें उनके द्वारा पौधरोपण करने से हुए कार्बन क्रेडिट के लिए उन्हें सीधी आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अंतर्गत किसानों को अधिक से अधिक तेज गति से बढ़ने वाले पौधों (पापुलर, मीलिया डूबिया, सेमल आदि) का रोपण करना होगा। जानकारी के अनुसार, इसके लिए किसानों से प्रत्येक पांचवें वर्ष में छह अमेरिकी डॉलर के हिसाब से प्रति कार्बन क्रेडिट की खरीद होगी। इस तरह नए लगाए गए पेड़ों से किसानों को अतिरिक्त आय होगी। इसके लिए यूपी सरकार की ओर से किसानों को इंसेंटिव के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। योगी सरकार एक तरफ जहां 20 जुलाई को 36.50 करोड़ पौधरोपण कर रिकॉर्ड बनाने की तरफ अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ कार्बन फाइनेंस के जरिए पौधरोपण करने वाले कृषकों की आय में भी वृद्धि का भी मार्ग तैयार किया जा रहा है। कार्बन क्रेडिट योजना के पहले चरण में उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के किसान लाभान्वित होंगे। उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को तत्काल इसका लाभ मुहैया कराने का आदेश दिया था। पहले चरण में गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर के किसानों को इसका लाभ मिलेगा। इसके अंतर्गत वर्ष 2024-2026 के बीच कृषकों को 202 करोड़ का विशेष प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रत्येक पांचवें वर्ष छह डॉलर प्रति कार्बन क्रेडिट होगा। अनुमानित कार्बन क्रेडिट 42,19,369 होगा।

राज्य स्कूल शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित होंगे उत्कृष्ट शिक्षक: सीएम सुक्खू

शिमला, 15 जुलाई। राज्य स्कूल शिक्षा पुरस्कार के लिए 16 जुलाई से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। 30 जुलाई तक जिला उपनिदेशकों के माध्यम से आवेदन किए जा सकेंगे। सामान्य श्रेणी और जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों के 24 अध्यापकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार छह विशेष पुरस्कार भी प्रदान करेगी। बेहतर परीक्षा देने वाले शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी। शिक्षा सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी साक्षात्कार के माध्यम से शिक्षकों का चयन करेगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि शिक्षकों की ओर से प्रदान की गई बहुमूल्य सेवाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार अध्यापकों एवं हेड ऑफ स्कूल के लिए नवीन योजना हिमाचल प्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा पुरस्कार शुरू कर रही है। इस योजना का उद्देश्य चयन प्रक्रिया में विषय आधार के बजाय शिक्षा के क्षेत्र में सीखने के परिणामों, रचनात्मकता और नवोन्मेषी योगदान को बढ़ावा देने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करना है। इस योजना का उद्देश्य अध्यापन क्षेत्र में युवाओं की रूचि को बढ़ाना, गुणात्मक शिक्षा को प्रेरित करना और समाज में शिक्षकों को सर्वोच्च स्थान दिलाना है। इससे विद्यालयों में शिक्षा की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 24 राज्य पुरस्कारों के अतिरिक्त प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के सफल क्रियान्वयन और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए छह विशेष पुरस्कार भी प्रदान करेगी। विशेष पुरस्कारों के में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीइआरटी), सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) में कार्यरत अध्यापक भी पात्र होंगे। स्कूल शिक्षा पुरस्कार योजना के अन्तर्गत गठित राज्य स्तरीय समिति के अनुमोदन पर विशेष पुरस्कारों के अध्यापकों को चुना जाएगा। योजना के अंतर्गत पुरस्कृत अध्यापकों को स्मृति चिह्न, मेडल, हिमाचली टोपी, शॉल, प्रशस्ति पत्र और प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। वर्तमान वर्ष के 31 मार्च तक कार्यरत अध्यापक इस योजना के अन्तर्गत पात्र होंगे।

एमबीबीएस में दाखिले के समय पूजा ने किया था फिट होने का दावा

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 15 जुलाई। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर इन दिनों चर्चा में हैं। 2023 बैच की आईएएस अधिकारी अपनी निजी ऑडी कार पर लाल-नीली बत्ती लगाने को लेकर विवाद में फंस गईं हैं। उन्हें लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच नई जानकारी सामने आई है। इसमें बताया गया है कि पूजा ने 2007 में एमबीबीएस में नॉन-क्रीमी लेयर ओबीसी प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर आरक्षित खानाबदोश जनजाति-3 श्रेणी के तहत कॉलेज में सीट हासिल की थी। पुणे में काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ. अरविंद भोरे ने यह बताया है। इस बीच, पहली बार पूजा खेडकर ने पूरे मामले में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोमवार को कहा कि जो भी आरोप उनपर लगाए गए हैं उनके बारे वे केंद्रीय समिति के समक्ष अपना पक्ष रखेंगी। जिससे सच्चाई सामने आ जाएगी। पूजा ने कहा, मैं समिति के सामने गवाही दूंगा। मुझे लगता है कि समिति जो भी निर्णय लेगी वह सभी को स्वीकार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक प्रशिक्षु अधिकारी के रूप में मेरा ध्यान काम करके सीखने पर है और मैं यही कर रही हूं। मैं उस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकती। सरकार की बनाई गई समिति के विशेषज्ञ इस पर निर्णय लेंगे। न तो मैं, न ही आप (मीडिया) या जनता इस पर फैसला कर सकती है। समिति का निर्णय सार्वजनिक होगा और जांच के लिए खुला होगा। अभी मुझे आपको चल रही जांच के बारे में बताने का कोई अधिकार नहीं है। आगे खुद को निशाना बनाए जाने के सवाल पर पूजा ने जवाब दिया कि साफ दिख रहा है कि मेरे साथ क्या हो रहा है। मीडिया ट्रॉयल पर उन्होंने कहा कि ऐसा करना पूरी तरह से गलत है। निदेशक अरविंद भोरे ने बताया कि 2007 में जब पूजा खेडकर हमारे कॉलेज में शामिल हुईं, तब उन्होंने जो मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट जमा किया था, उसमें किसी भी शारीरिक या मानसिक विकलांगता का जिक्र नहीं था। अरविंद भोरे ने यह भी बताया कि पूजा खेड़कर ने एसोसिएशन ऑफ मैनेजमेंट ऑफ अनएडेड प्राइवेट मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज ऑफ महाराष्ट्र (एएमयूपीडीएमसी) प्रवेश परीक्षा में 200 में 146 अंक प्राप्त किए थे। वह 2007 में कॉलेज के पहले

बैच में नामांकित थी। भोरे ने कहा कि उन्होंने सीईटी परीक्षा भी दी थी, लेकिन एएमयूपीडीएमसी परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने के आधार पर सीट दी गई थी। भोरे ने कहा कि पूजा ने प्रवेश के समय खानाबदोश समुदाय की एनटी-3 श्रेणी का गैर-क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। सभी दस्तावेजों की जांच की हुई और पाया गया कि ये प्रामाणिक सरकारी रिकॉर्ड हैं जो अहमदनगर जिले के प्राधिकारी ने जारी किया था। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पर सिविल सेवा परीक्षा पास करने के लिए फर्जी तरीकों का इस्तेमाल करने का आरोप है। इसमें कथित तौर पर खुद को शारीरिक विकलांगता और ओबीसी श्रेणियों के तहत गलत तरीके से पेश करना भी शामिल है। अस बीच, एक अधिकारी ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा में अपनी उम्मीदवारी सुरक्षित करने और फिर सेवा में चयन के लिए उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी दस्तावेजों की केंद्र द्वारा गठित एकल सदस्यीय समिति द्वारा फिर से जांच की जाएगी। पुणे आरटीआई कार्यकर्ता विजय कुंभार ने खेडकर की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि पूजा ओबीसी गैर-क्रीमी लेयर में नहीं आती हैं क्योंकि उनके पिता के पास 40 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

चीन में कोयला खदान दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

एजेंसी

ताइयुआन। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत की राजधानी ताइयुआन में एक कोयला खदान दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना गत सात जुलाई की मध्यरात्रि को हुई जब किंगक्सू काउंटी में एक कोयला खदान में पानी भर गया। उस समय तीन खनिकों के वहां फंसे होने की सूचना मिली थी। काउंटी के प्रचार विभाग ने कहा कि रविवार शाम 6:10 बजे तक तीनों खनिकों के अवशेष बरामद कर लिए गए।

जर्मनी में गोलीबारी में तीन लोगों की मौत

बर्लिन। दक्षिणी जर्मन शहर लॉटलिंगन, बाडेन-वुर्टेमबर्ग में गोलीबारी की एक घटना में संदिग्ध सहित तीन लोगों की मौत हो गई है। बिल्ड अखबार ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं जिन्हें अस्पताल भेज दिया गया है। अखबार ने बताया कि संदिग्ध ने अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया। जांचकर्ताओं ने बताया कि गोलीबारी घरेलू विवाद के कारण हुई हो सकती है। स्थानीय पुलिस ने पुष्टि की है कि स्थिति नियंत्रण में है।

'परमाणु हथियार इस्तेमाल किया तो तुम्हें विश्व के नक्शे से मिटा देंगे', दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया को दी खुली चेतावनी

सियोल। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच पिछले कुछ समय से परमाणु हथियार के इस्तेमाल को लेकर तनाव चल रहा है। अब दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया को चेतावनी दी कि परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया गया तो उत्तर कोरिया को मिटा देंगे। उत्तर कोरिया के पहले जारी बयान के जवाब में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है जिसमें परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के बाद उत्तर कोरिया शासन बच पाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि, वाशिंगटन में गुरुवार को दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने 'कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु प्रतिरोध और परमाणु संचालन के लिए दिशानिर्देश' अपनाया था।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया को दी धमकी

इसके बाद उत्तर कोरिया ने इसे लापरवाह और भड़काऊ कार्रवाई कहते हुए इसकी निंदा की और धमकी दी कि सियोल और वाशिंगटन को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उधर, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरियाई पर्चे के उत्तर में सीमा पार से कचरा भरे गुब्बारे भेजने का सिलसिला बहाल करने का संकेत दिया। मई से उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की तरफ कई कचरा भरे गुब्बारे भेजे। इसी को लेकर अब मामला तूल पकड़ रहा है। उत्तर कोरिया ने आखिरी बार जुलाई के आखिरी में दक्षिण कोरिया की ओर कचरा ले जाने वाले गुब्बारे भेजे थे। हालांकि यह तुरंत पता नहीं चल पाया था कि हाल ही में दक्षिण कोरिया में गुब्बारे भेजे गए थे या नहीं।

ट्रंप पर गोली चलाने वाले थॉमस क्रुक के परिवार की पहली प्रतिक्रिया आई, रिश्तेदारों ने बोला- बचपन से ही...

वाशिंगटन।अमेरिका में इस साल के अंत में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट खेमे के नेता प्रचार में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस बीच, शनिवार को एक चुनावी रैली में रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की गई। इस हमले में पूर्व राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए। इस पूरी घटना के पीछे जिस शख्स की पहचान हुई वो महज 20 साल का थॉमस मैथ्यू क्रुक्स था। उसे गोलीबारी के तुरंत बाद ही एक स्नाइपर ने मार गिराया। क्रुक्स द्वारा ट्रंप को निशाना बनाए जाने से उसका परिवार गहरे सदमे में है। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिर उनके बेटे ने ऐसा क्यों किया। वहीं, उसके साथियों ने उसे शांत स्वभाव का बताया। डोनाल्ड ट्रंप की रैली में गोलीबारी होने से राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। वहीं, आरोपी शख्स का परिवार अभी भी इस असमंजस में कि आखिर यह सब हुआ क्या। थॉमस के पिता मैथ्यू क्रुक्स ने एक मीडिया चैनल से फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल इस बात का पता लगा रहे हैं कि आखिर चल क्या रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने बेटे और उसके द्वारा किए कामों पर तभी कुछ बोलेंगे।

पश्चिमी जापान में भूस्खलन के कारण लापता हुए तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई

एजेंसी

टोक्यो। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, पश्चिमी जापानी प्रांत एहिमे में तड़के भूस्खलन में फंसने से तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। अग्निशामक दल और पुलिस ने एहिमे प्रान्त के मात्सुयामा में आपदा प्रभावित क्षेत्र की तलाशी ली और दोपहर को दो पुरुषों और एक महिला को पाया। बाद में पुष्टि की गई कि वे एक ऐसे परिवार के सदस्य थे जो भूस्खलन के बाद से लापता थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वे सुबह भूस्खलन में फंस गए थे। पीड़ितों में 90 वर्ष का एक पुरुष, 80 वर्ष की एक महिला तथा उनका 40 वर्ष का एक बेटा शामिल थे, जो एक लकड़ी के मकान में रह रहे थे, जो भूस्खलन के कारण ढह गया। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 4 बजे, एक पहाड़ से 50 मीटर चौड़ी और 100 मीटर ऊंची ढलान ढह गई, जिससे मिट्टी बहकर आस-पास के घरों और अपार्टमेंट में जा घुसी। स्थानीय अधिकारी इस आपदा के बाद से लापता तीन लोगों की तलाश कर रहे थे। किसी के लापता होने की कोई सूचना नहीं है तथा भूस्खलन स्थल पर खोज कार्य बंद कर दिया गया है। भूस्खलन ऐसे समय हुआ है जब देश की मौसम एजेंसी ने मुख्य रूप से पश्चिमी जापान में भारी बारिश की चेतावनी दी थी तथा लोगों से निचले इलाकों में भूस्खलन और बाढ़ के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया था।

इमरान खान की पार्टी PTI की बढ़ी मुश्किलें, चुनाव आयोग फिर करेगा इस मामले की जांच

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अंतर-पार्टी चुनाव की जांच फिर से शुरू होने जा रही है। पाकिस्तान चुनाव आयोग 23 जुलाई को इसकी जांच करेगा। मई से दो बार स्थगित किए जाने के बाद यह मामला सामने आया है। मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय ईसीपी पैनल इस मामले का फैसला करेगा।

9 जून, 2022 के बाद शुरू हुआ ये विवाद

आगामी सत्र पीटीआई के मुख्य चुनाव आयुक्त रऊफ हसन ने 3 मार्च को ईसीपी द्वारा पार्टी की आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के संबंध में सवाल उठाए थे। इस मामले में पहली सुनवाई होगी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, यह विवाद 9 जून, 2022 को शुरू हुआ, जब पीटीआई ने अपने अंतर-पार्टी चुनाव आयोजित किए थे। हालांकि, बाद में नवंबर 2023 में ईसीपी द्वारा इस चुनाव को अमान्य कर दिया गया था।

ईसीपी ने पीटीआई को निर्देश दिया कि अगर वह आगामी आम चुनावों के लिए अपने बैट चुनाव चिह्न को बरकरार रखना चाहती है, तो उसे 20 दिनों के भीतर नए चुनाव कराने होंगे। इसके बाद से देश भर में राजनीतिक अभियान तेज हो गए।

20 दिनों के बाद चुनाव क्यों किए रद्द

पीटीआई ने तुरंत 2 दिसंबर, 2023 को नए अंतर-पार्टी चुनाव आयोजित किए। हालांकि, राजनीतिक पार्टी के आंतरिक तंत्र की अभूतपूर्व विस्तृत जांच के बाद, ईसीपी ने सिर्फ 20 दिन बाद ही इस चुनाव को रद्द कर दिया।श्वष्टक्क ने पीटीआई को आसन्न आम चुनावों में अपने चुनाव चिन्ह का उपयोग करने से रोक दिया है, जिससे राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो गई।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमले में 23 लोगों की मौत

एजेंसी

खार्तूम। पश्चिमी सूडान के उत्तरी कोर्डोफन राज्य में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम 23 नागरिक मारे गए है। गैर-सरकारी समूहों ने यह घोषणा की।

एक अनौपचारिक कानूनी निकाय मशाद ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने एक बयान में कहा कि आरएसएफ मिलिशिया ने 'उत्तरी कोर्डोफन राज्य के अल-राहद इलाके के कई गांवों में नरसंहार किया जिसमें कम से कम 23 नागरिक मारे गए और अन्य घायल हो गए।'

बयान में बताया गया कि यह घटना उस समय हुई जब आरएसएफ बल ने अल-रहाद शहर से आ रहे तथा उम रवाबा शहर के उत्तर में उम सिमाइमा गांव के साप्ताहिक बाजार की ओर जा रहे कई वाहनों को रोका और लोगों पर गोलियां चला दीं।

एक गैर-सरकारी समूह सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में कहा कि 'आरएसएफ ने उत्तरी कोर्डोफन राज्य के फंगौगा गांव के नागरिकों के एक समूह के खिलाफ एक नया नरसंहार किया जब वे खरीदारी करने जा रहे थे तो निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाईं जिसमें 23 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य घायल हो गए।' नेटवर्क ने इसे 'रक्षाहीन नागरिकों के खिलाफ एक जघन्य अपराध' बताते हुए इसकी निंदा की। आरएसएफ ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने पिछले महीने एक अपडेट में कहा था कि सूडान अप्रैल 2023 के मध्य से सूडानी सशस्त्र बलों और आरएसएफ के बीच एक संघर्ष में उलझा हुआ है जिसमें अब तक कम से कम 16,650 लोगों की जान जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन द्वारा 25 जून को जारी आंकड़ों के अनुसार संघर्ष शुरू होने के बाद से 77 लाख से अधिक लोग सूडान में आंतरिक रूप से विस्थापित हो चुके हैं तथा लगभग 22 लाख लोग पड़ोसी देशों की सीमा पार कर चले गए हैं।

म्यांमार में जल अवरोध टूटने से सात श्रमिक लापता

एजेंसी

यांगून। मध्य म्यांमार के मांडले क्षेत्र में अयेयारवाडी नदी के तट के पास एक निर्माण स्थल पर जल अवरोध टूटने से सात श्रमिक लापता हो गए है। म्यांमार बचाव संगठन के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 8.30 बजे मांडले के अमरपुरा कस्बे में हुई। उन्होंने बताया

कि जब जल अवरोध टूट गया और नदी का पानी निर्माण स्थल पर भर गया तो सात श्रमिक लापता हो गए। उन्होंने कहा कि नदी का पानी केवल निर्माण स्थल से बह निकला और गांवों तक नहीं पहुंचा। अधिकारी ने कहा कि म्यांमार बचाव संगठन और म्यांमार अग्निशमन सेवा विभाग मिलकर खोज और बचाव कार्य कर रहे हैं।

इज़रायल ने गाजा में हमास के एक कमांडर को मार गिराया

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल ने शनिवार को गाजा पट्टी में हवाई हमलों में हमास के खान यूनिस ब्रिगेड के कमांडर राफा सलामेह को मार गिराया। इज़रायली सुरक्षा बलों ने रविवार को इसकी पुष्टि की।

एक बयान में इज़रायली सेना और शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि सलामेह खान यूनिस के क्षेत्र में मारा गया। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार इज़रायली युद्धक विमानों ने शनिवार को खान यूनिस के मावासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के तंबू पर बमबारी की जिसमें कम से कम 90 फ़िलिस्तीनी मारे गए और 300 अन्य घायल हो गए। इनमें ज़्यादातर महिलाएँ और बच्चे थे।

इज़रायली मीडिया ने बताया कि हमास के सैन्य विंग के कमांडर मोहम्मद डेफ़ और सलामेह इज़रायली हवाई हमले के निशाने पर थे।

इजराइल ने डेफ की स्थिति की पुष्टि नहीं की है लेकिन हमास के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि डेफ हाल ही में हुए हमले में बच गया है। सेना ने कहा, 'सलामेह मोहम्मद डेफ के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक था,' उन्होंने कहा कि वह सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से हमास के हमलों के मास्टरमाइंडों में से एक भी था।

वियतनाम के उत्तरी पहाड़ी इलाके में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत

एजेंसी

हनोई। वियतनाम के उत्तरी प्रांत हा गियांग में भूस्खलन से दबकर एक मिनीबस में सवार कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी वियतनाम समाचार एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि सुबह बाक मी जिले में एक सड़क पर भूस्खलन के कारण वाहन फंस गया तो उसमें सवार सभी लोग मदद के लिए बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि मिनीबस में लगभग 16 लोग सवार थे।

ऊपर से हजारों घन मीटर मिट्टी सड़क पर आ गई, जिससे सभी लोग दब गए। नेशनल सेंटर फॉर हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल फोरकास्टिंग के अनुसार, जिस क्षेत्र में दुर्घटना हुई, वहां शुक्रवार शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे तक 280-290 मिमी बारिश दर्ज की गई। सामान्य सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि वियतनाम में प्राकृतिक आपदाओं में इस वर्ष के पहले छह महीनों में 68 लोग मारे गए या लापता हो गए और 56 अन्य घायल हुए, इसने कहा कि कुल संपत्ति का नुकसान 1.7 ट्रिलियन वियतनामी डोंग (6.69 करोड़ अमेरिकी डॉलर) से ज्यादा हुआ, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.5 गुना अधिक है।

पहले कुत्तों के साथ किया दुष्कर्म, फिर 40 को उतारा मौत के घाट, 249 साल की मिली सजा

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के मगरमच्छ विशेषज्ञ एडम ब्रिटन की कुत्तों के साथ दुष्कर्म मामले को लेकर सुनवाई हुई। मिरर की रिपोर्ट के अनुसार,ब्रिटन पर बलात्कार और दर्जनों कुत्तों की मौत का आरोप है। उन्होंने 40 से अधिक कुत्तों के साथ दुष्कर्म किया था, फिर उन्हें मार डाला। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में 249 साल की जेल की सजा सुनाई गई। ब्रिटन पर पशु क्रूरता के 60 से अधिक आरोप थे। वह ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में कुत्तों पर अत्याचार करता था और उन्हें पीट-पीटकर मार डालता था। ब्रिटन इसके बाद क्रूरता की हरकत को वीडियो में रिकॉर्ड भी करता था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटन के पास एक एक शिपिंग कंटेनर था, जहां वह कुत्तों का यौन उत्पीड़न करता था।

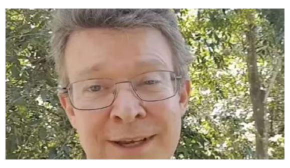

कोर्ट का कमरा छोड़ने का अनुरोध: रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटन मामले में सुनवाई शुरू होने से एनटी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश माइकल ग्रांट ने अपने कर्मचारियों और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं से सुनवाई शुरू होने से पहले कमरा छोड़ने का अनुरोध किया। बता दें कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि अपराधों का भयानक उल्लेख करना, किसी कमजोर दिल वाले को नुकसान पहुंचा सकता था।

30 घंटे तक चला इलाज

जब लोग अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे थे, तभी एडम के वकील ने एक नई रिपोर्ट पेश करके माहौल में हलचल पैदा कर दी वकील ने न्यायाधीश से इस रिपोर्ट पर विचार करने का अनुरोध किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेल में मनोवैज्ञानिक की तरफ से करीब 30 घंटे तक उनका इलाज किया गया। इस रिपोर्ट में उनकी मौजूदा मानसिक स्थिति के बारे में बात की गई है।

बचपन से थी ये बीमारी

वकील ने आगे ब्रिटन का बचाव करते हुए कहा,'यह इंसान बचपन से ही इस बीमारी से पीड़ित है। इसमें उसकी गलती नहीं है। वकील ने आगे कहा, यह ऐसी बीमारी है, जिससे समाज में कई बार अजीब सी स्थिती पैदा हो जाती है। समाज के लोग ऐसे लोगों की बीमारी को समझ नहीं पाते हैं। वकील ने आगे ये भी कहा, मुझे उम्मीद है कि अदालत यह स्वीकार कर सकती है कि एडल्ट होने तक इस बीमारी के साथ जीना और इसे संभालना बहुत मुश्किल रहा होगा।' अदालत ने सुनवाई के दौरान ये बात बोली हैं, अब ये सुनवाई अगस्त तक टाल दी गई है।

दोसांझ ने जीता कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का दिल, खुद देने पहुंच गए सरप्राइज़; सिंगर ने बना दिया इतिहास

एजेंसी

टोरंटो। एक्टर और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ अपने गानों से सभी को अपना दीवाना बना लेते हैं। दिलजीत के फैंन्स भारत ही नहीं विदेशों में भी हैं, यही वजह है कि उनके विदेशों में हो रहे म्यूजिक टूर का जलवा फैंन्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। दिलजीत दोसांझ ने इस समय कनाडा के टोरंटो शहर में एक म्यूजिक कंसर्ट के लिए गए हुए हैं। कनाडा के रोजर्स सेंटर में परफॉर्म कर रहे दिलजीत से मिलने के लिए खुद वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पहुंच गए। दरअसल, प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो दिलजीत के कंसर्ट में सरप्राइज विजिट पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सिंगर के साथ लाइट मूवमेंट शेयर किए और फोटो क्लिक करवाई।

विविधता हमारी शक्ति ही नहीं है, हमारा सुपर पावर- ट्रूडो

प्रधानमंत्री ट्रूडो और दिलजीत दोसांझ दोनों ने इस मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर शेयर की हैं। ट्रूडो ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, दिलजीत दोसांझ के शो से पहले उन्हें गुड लक कहने के लिए रॉजर्स सेंटर पहुंच गया। कनाडा एक महान देश है, जहां पंजाब से आया एक लड़का इतिहास बना सकता है और स्टेडियम सोल्ड आउट कर सकता है। विविधता सिर्फ हमारी शक्ति ही नहीं है, ये हमारा सुपर पावर है।

दिलजीत ने कनाडा में इतिहास रचा

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'शुक्र है ट्रंप को गोली....', हमले के 24 घंटे बाद बाइडन का फिर आया बयान; देश के नाम दिया खास संदेश

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीते दिन हत्या की असफल कोशिश हुई। ट्रंप इस हमले में बाल-बाल बचे। ट्रंप पर हुए हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का बयान भी आया है। बाइडन ने देशवासियों से एक खास अपील भी की है।

नागरिकों से एकजुट होने का आग्रह

ट्रंप पर हमले के 24 घंटे बाद ओवल ऑफिस से देश के नाम संबोधन में जो बाइडन ने कहा कि मैं नागरिकों से संकट की इस घड़ी में एकजुट होने का आग्रह करता हूं। बाइडन ने कहा कि देश में राजनीतिक बयानबाजी को 'शांत' करने का समय आ गया है।

शुक्र है ट्रंप को गोली नहीं लगी और ज्यादा घायल नहीं हुए

बाइडन ने आगे कहा कि मैं आज आपसे अपनी राजनीति में तापमान कम करने और यह याद रखने की आवश्यकता के बारे में बात करना चाहता हूं कि भले ही हम असहमत हों, हम दुश्मन नहीं हैं, हम पड़ोसी हैं, दोस्त हैं, सहकर्मी हैं, नागरिक हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम साथी अमेरिकी हैं। बाइडन ने इसी के साथ कहा कि शुक्र है कि ट्रंप को गोली छूकर निकली और वो ज्यादा घायल नहीं हैं।

हमें एक साथ खड़े होने की जरूरत

बाइडन ने इसी के साथ देशवासियों से राष्ट्रीय एकता का आह्वान करते हुए कहा,

हमें अब एक साथ खड़े होना चाहिए। कल पेंसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की रैली में हुई गोलीबारी हम सभी से एक कदम पीछे हटने, यह जायजा लेने का आह्वान करती है कि हम कहां हैं और यहां से आगे कैसे बढ़ें।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहाक कि एक ट्रंप को गोली मार दी गई और एक अमेरिकी नागरिक पर केवल अपने चुने हुए उम्मीदवार का समर्थन करने की स्वतंत्रता का प्रयोग करने के चलते गोली से हमला किया गया। बाइडन ने कहा कि हमें अमेरिका में इस रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। हम अपने पूरे इतिहास में पहले भी ऐसी कई घटनाओं को झेल चुके हैं, लेकिन अब ये सब बंद होना चाहिए। अमेरिका में इस तरह की हिंसा, किसी भी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

बाइडन ने आगे कहा कि शूटर का मकसद अभी तक पता नहीं चला है। हम उसकी राय या संबद्धता नहीं जानते। हमें नहीं पता कि उसे मदद या समर्थन मिला था या नहीं, लेकिन जांच चल रही है और सब सामने आ जाएगा।

भूस्खलन के कारण नदी में बह गईं दो बसें, सात शव बरामद

एजेंसी

काठमांडू नेपाल में यात्रियों से भरी दो बसें भूस्खलन के कारण पानी में बह जाने के बाद नदी से बचावकर्मियों ने कुल सात शव बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बचाव कर्मियों को नदी के किनारे अलग-अलग स्थानों पर शव मिले हैं। लापता बसों और उसमें सवार लोगों की तलाश जारी है।सरकारी प्रशासक खीमा नंदा भुसाल ने बताया कि बरामद शवों की पहचान करउनके रिश्तेदारों से संपर्क किया गया है। मृतकों में तीन भारतीय हैं और बाकी चार नेपाली नागरिक हैं।

ये बसें सुबह काठमांडू से लगभग 120 किलोमीटर पश्चिम में सिमलताल के पास बह गईं थीं। यह दुर्घटना नेपाल की राजधानी को देश के दक्षिणी भागों से जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्ग पर हुई।

अस्पताल में गोली मारकर मरीज की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के जीटीबी एनक्लेव अस्पताल में एक युवक ने गोली मारकर एक मरीज की हत्या कर दी। आरोपी युवक की उम्र 18 वर्ष बताई जा रही। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि जीटीबी एनक्लेव के वार्ड 24 में गोलीबारी के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली थी। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो पता चला कि मरीज रियाजुद्दीन को 23 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पुलिस ने बताया कि मरीज पेट की संक्रमण के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती था। रविवार शाम करीब चार बजे करीब 18 साल का एक युवक वार्ड में आया और गोली मारकर रियाजुद्दीन की हत्या कर दी। पूरे मामले को लेकर एडिशनल डीसीपी विष्णु कुमार ने बताया कि हत्या की सूचना के तुरंत बाद पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। वहां पता चला कि मरीज की मौत हो चुकी है। मृतक खजूरी खास का रहने वाला है। हमलावर के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। मौके पर तीन राउंड गोली मिली है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दिल्ली में पेड़ कटाई को लेकर आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में पेड़ों की कटाई को लेकर आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा पर निशाना साधा है। पेड़ों कटाई को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता एलजी की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। इस विषय पर आप नेता प्रियंका कक्कड़ ने आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि भाजपा का काम लोगों को गुमराह करना है। भाजपा ने भ्रम फैलाया है। सतवारी रिज एरिया में एक भी पेड़ काटने के लिए सुप्रीम कोर्ट के अनुमति की जरूरत होती है। एलजी ने सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश की। एलजी ने सुप्रीम कोर्ट में पेड़ काटे जाने से इनकार किया। आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए काम कर रही है। केजरीवाल सरकार ने राजधानी में 24 घंटे बिजली की सप्लाई शुरू की। इससे जिससे जनरेटर और इन्वर्टर का इस्तेमाल बंद हुआ। उन्होंने कहा, प्रदूषण रोकने के लिए केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में पीएनजी फ्यूल इंडस्ट्री को बढ़ावा दिया है। साथ ही दिल्ली के अंदर सीएनजी बसों को भी बढ़ाया है। ईवी पॉलिसी के तहत दिल्ली में बसों को इलेक्ट्रिक किया। आज दिल्ली के भीतर करीब 1800 चार्जिंग स्टेशन हैं। दस सालों में केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में 24 फीसद एरिया को ग्रीन एरिया बनाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ दिल्ली सरकार काम कर रही है और दूसरी तरफ भाजपा के लोग हमारे प्रयासों को खराब करने की कोशिश में लगे हुए हैं। एलजी पूंजीपतियों के हित में पेड़ कटवाते हैं। बिजली के बिलों में बढ़ोतरी को लेकर उन्होंने बताया कि देश भर में सबसे सस्ती बिजली दिल्ली में मिलती है। भाजपा को अपनी नौटंकी बंद कर देनी चाहिए। दिल्ली में दो सौ यूनिट बिजली फ्री है, पंजाब में बिजली फ्री मिलती है। 24 घंटे बिजली सिर्फ दिल्ली में मिलती है। लोगों सब पता है, और समझ आ गया है।

एनएसयूआई के पक्ष में बयान देने के लिए गार्ड पर दबाव डाल रही पुलिस : तुषार डेढ़ा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष तुषार डेढ़ा के कार्यालय में हुई तोड़फोड़ के बाद सियासत गर्म हो चुकी है। एबीवीपी ने इस हमले का आरोप एनएसयूआई पर लगाया है। वहीं, एनएसयूआई ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। इसी बीच दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष तुषार डेढ़ा ने मौरिस नगर पुलिस स्टेशन के एसएचओ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि गार्ड से कई बार बयान लिया जा चुका है। इसके बाद भी उन पर दबाव बनाया जा रहा है कि वो यह बयान दें कि घटना के वक्त छात्रसंघ उपाध्यक्ष अभि दहिया वहां नहीं थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में एसएचओ गुंडा राज चला रहे हैं।इस दौरान तुषार डेढ़ा की एसीपी और एसएचओ से बहस भी हुई। छात्रसंघ अध्यक्ष तुषार डेढ़ा ने आईएएनएस से कहा कि एनएसयूआई के लोगों ने शराब पीकर छात्रसंघ सचिव अपराजिता और संयुक्त सचिव सचिन बैसला के कमरे में घुसकर तोड़फोड़ की और फिर मेरे (अध्यक्ष) कमरे में तोड़फोड़ की। युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की तस्वीर को भी तोड़ा गया है।

बिजली बिल बढ़ाकर जनता को लूट रही है केजरीवाल सरकार : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली की दरों को लेकर भाजपा, आम आदमी पार्टी (आप) पर हमलावर है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल सरकार बिजली बिल में लगातार वृद्धि कर रही है। पीपीएसी का प्रावधान 1.5 प्रतिशत से शुरू हुआ था, जो बढ़कर 37.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अब इसे 8.75 प्रतिशत बढ़ाने की अनुमति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि राजधानी में जब राष्ट्रपति शासन था तब बिजली बिल पर पीपीएसी लागू नहीं था। इसके बाद अरविंद केजरीवाल की सरकार बनते ही पीपीएसी लगा दिया गया। पीपीएसी के जरिए दिल्लीवासियों को एक तरह से 'करंट का झटका' दिया जा रहा है। पीपीएसी को सिर्फ गर्मी के कुछ महीने में लगाकर बाद में हटा लेना चाहिए था। लेकिन, इसका पूरा चक्र बिजली के बिल सर्किल में 12 महीने घूम रहा है। केजरीवाल की सरकार इसकी दरों को और बढ़ाने की तैयारी कर चुकी है। अब पीपीएसी में 8 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी की सिफारिश कर दी गई है।उन्होंने आगे कहा बिजली कंपनी और केजरीवाल मिलकर दिल्ली की जनता को लूट रहे हैं। मान लीजिए अगर बिजली का बिल 100 रुपये है तो 45 रुपये सीधे कंपनी और केजरीवाल के खाते में जाते हैं।

केजरीवाल के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही भाजपा : आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को पूरी तरह क्षति पहुँचाने का षड्यंत्र कर रही है।

आप की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की गिरफ़्तारी के ज़रिए भाजपा जेल में श्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को पूरी तरह क्षति पहुँचाने का षड्यंत्र कर रही है। भाजपा को पता था कि निचली अदालत के बाद सुप्रीम कोर्ट से भी श्री केजरीवाल को ज़मानत मिल जाएगी इसलिए उन्हें सीबीआई के फर्जी मामले में गिरफ़्तार करवा दिया गया।सुश्री आतिशी ने कहा कि जेल में सही सही देखरेख न मिलने से कई बार रात में सोते हुए श्री अरविंद केजरीवाल का शुगर ख़तरनाक स्तर तक 50 के नीचे पहुँच गया। डॉक्टरों के अनुसार शुगर लेवल का इस कदर

नीचे गिरने से ब्रेन स्ट्रोक और कोमा में जाने का ख़तरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि तानाशाह अपने विरोधियों को जेल में रखकर उनके स्वास्थ्य को ख़राब कर जान लेने का प्रयास करते है। तिहाड़ में श्री अरविंद केजरीवाल के साथ भी यही हो रहा है। उन्होंने कहा कि जेल में अरविंद केजरीवाल की जान को ख़तरा है। उन्हें कुछ भी होता है तो उसके लिए भाजपा ज़िम्मेदार होगी। आप नेता ने कहा कि भाजपा की साजिश सिर्फ श्री अरविंद केजरीवाल को जेल में डालने तक की नहीं है। भाजपा की साज़िश श्री अरविंद केजरीवाल को मारने की है।

संस्कार भारती, दिल्ली प्रांत की नई कार्यकारिणी का गठन एवं किया गया 'गुरु-सम्मान'

एजेंसी

नई दिल्ली। संस्कार भारती, दिल्ली प्रांत की 'वार्षिक साधारण सभा' का आयोजन दिल्ली कला संकुल में किया गया। प्रारंभ में 'नटराज पूजन' एवं 'गुरु-सम्मान' किया गया। संस्कार भारती के वरिष्ठ पदाधिकारी अशोक तिवारी, विजय कुमार, नवीन शर्मा, सुबोध अग्रवाल एवं अनुपम भटनागर के मार्गदर्शन में दिल्ली प्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष प्रभात कुमार को अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने भूपेंदर कौशिक को महामंत्री और प्रदीप गुप्ता जालीवाला को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। यह कार्यकारिणी दिल्ली में कला-संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय-भाव तथा भारतीय दृष्टि विकसित करने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु समर्पित रहेगी।

संस्कार भारती गुरु पूर्णिमा के अवसर कला क्षेत्र में गुरुओं को सम्मानित करता है। इस वर्ष यह सम्मान दो विशेष गुरुओं को दिया गया। इनमें जे. पी. सिंह एवं डॉ. देवेंद्र प्रसाद शामिल हैं। जे.पी. सिंह, जिन्हें जयवर्धन के नाम से भी जाना जाता

है, प्रख्यात नाटककार, निर्देशक और अभिनेता हैं। उन्हें भारतेंदु नाट्य अकादमी से मानद उपाधि और उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी से नाटक लेखन के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने अनेक लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध नाटक लिखे हैं, जो हास्य और गांभीर्य का मिश्रण होते हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी पंडित देवेंद्र वर्मा देश के जाने-माने कलाकार हैं। एक कुशल लेखक होने के साथ तबला-हारमोनियम एवं गायन में समानाधिकार रखते हैं। उनकी अनेक पुस्तकें लिखी हैं, जिन्हें पाठकों का अच्छा प्रतिसाद मिला।

मोदी के एक्स पर रिकॉर्ड 10 करोड़ फॉलोअर्स हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोशल मीडिया पर देश और दुनिया में लोकप्रियता निरंतर बढ रही है और सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनके फॉलोअर्स की संख्या 100 मिलियन यानी दस करोड़ हो गयी है जिससे वह दुनिया में ऐसी हस्ती के रूप में उभरे हैं जिसके सबसे अधिक फॉलोअर्स हैं।

एक्स पर श्री मोदी के फॉलोअर्स की संख्या विपक्षी इंडिया गठबंधन के 11 प्रमुख नेताओं के फॉलोअर्स की कुल संख्या से भी अधिक है। विपक्षी गठबंधन के नेताओं के कुल फॉलोअर्स की संख्या 9 करोड़ 50 लाख है जबकि श्री मोदी के फॉलोअर्स की संख्या 10 करोड़ है।

इसी तरह श्री मोदी के फॉलोअर्स की संख्या कई यूरोपीय देशों की जनसंख्या से भी कई गुणा अधिक है। श्री मोदी के फॉलोअर्स की संख्या न्यूजीलैंड की आबादी का 18 गुणा, कनाड़ा की आबादी का ढाई गुणा, ब्रिटेन की आबादी का 1.4 गुणा, जर्मनी की आबादी का 1.2 गुणा,

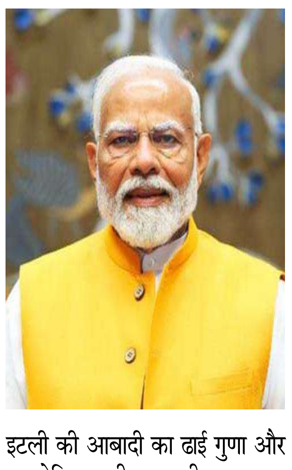

इटली की आबादी का ढाई गुणा और आस्ट्रेलिया की आबादी का 3.7 गुणा है। इसी तरह श्री मोदी के फॉलोअर्स की संख्या दुनिया के कई बड़े नेताओं अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन, कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी तथा कई अन्य बड़े नेताओं से कहीं अधिक है।

मुस्लिम बोर्ड गुजारा भत्ते पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का करेगा विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने अपने अध्यक्ष को तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के अनिवार्य भरण-पोषण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को वापस लेने के उपाय शुरू करने के लिए अधिकृत किया।

बोर्ड ने नयी दिल्ली में राष्ट्रपति हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में अपनी बैठक में निर्णय लिया कि मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण पर शीर्ष अदालत का हालिया फैसला इस्लामी कानून (शरीयत) के खिलाफ था। एआईएमपीएलबी ने पवित्र कुरान के अनुसार निकाह की निरंतरता के महत्व पर जोर दिया और कहा कि तलाक के बाद पुरुषों को पूर्व पत्नियों को बनाए रखने के लिए मजबूर करना अव्यावहारिक है।

बैठक की कार्रवाई का संचालन महासचिव मौलाना मुहम्मद फजलुर्रहीम मुजादीदी ने किया और

इसमें देश भर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बोर्ड ने भारत में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन का विरोध करते हुए तर्क दिया कि यह अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ है। बोर्ड ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को चुनौती देने का संकल्प लिया और अपनी कानूनी समिति को एक याचिका दायर करने का निर्देश दिया। बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे बहु-धार्मिक देश में, धार्मिक संस्थाओं को अपने स्वयं के कानूनों का पालन करने का अधिकार है, जैसे मुसलमानों के लिए शरिया एप्लिकेशन अधिनियम-1937।

बोर्ड ने राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा अतिक्रमण को उजागर करते हुए वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा तथा उचित प्रबंधन की मांग की। बोर्ड ने इसे हाल के चुनाव परिणामों से जोड़ते हुए मुसलमानों और निचली जाति के नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में सरकार की विफलता पर चिंता व्यक्त की। इसने चेतावनी दी कि कानून के शासन की निरंतर उपेक्षा से अराजकता फैल सकती है और भारत की प्रतिष्ठा खराब हो सकती है।

बोर्ड ने ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह से संबंधित नए विवादों पर विचार करने के लिए निचली अदालतों की आलोचना की। इसने सुप्रीम कोर्ट से 'पूजा स्थल अधिनियम, 1991' को बरकरार रखने और विरासत मस्जिदों की रक्षा करने का आग्रह किया, साथ ही उन्हें ध्वस्त करने या बदलने के किसी भी प्रयास के प्रति आगाह भी किया।

वसंत कुंज में पार्क को बचाने की मुहिम, शॉपिंग मॉल बनाने का विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में विवेकानंद पार्क को मार्केट कॉम्प्लेक्स बनाये जाने का सोसायटी के लोग विरोध कर रहे हैं। पार्षद कुसुम खत्री के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने पार्क में एकत्रित होकर डीडीए के इस कार्य का विरोध किया। कुसुम खत्री ने कहा कि पार्क को बचाने के लिए मैं कुछ भी करूंगी। इसकी सुरक्षा के लिए मैं यहां के माली से लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक का दरवाजा खटखटाऊंगी। मैं यहां के लोगों को लेकर पीएम मोदी के पास जाऊंगी। मैं इस पार्क की शुद्ध हवा, ऑक्सीजन, पेड़-पौधे, झूले, यहां की वादियों को बरकरार रखूंगी। वसंत कुंज इलाके में पहले से ही तीन से चार शॉपिंग मॉल मौजूद हैं, इसलिए

यहां शॉपिंग मॉल बनाने की कोई जरूरत नहीं है। वसंत कुंज के पास में ही मसूदपुर है। वहां लगभग चार सौ दुकानें हैं, जहां पर हर सामान सस्ते दामों पर मिलता है। लोग वहां जाकर शॉपिंग करते हैं। यहां पर बहुत सारे शॉपिंग मॉल बंद पड़े हुए हैं, तो फिर एक और मॉल खोलने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं यहां पर मॉल बिल्कुल नहीं बनने दूंगी। इस पार्क में जरूरत है, बच्चों के खेलने की, शाम को बुजुर्गों को आकर बैठने की, हरे-भरे पेड़-पौधों की, बारिश में बच्चों को झूमने-नाचने की और होली-दिवाली का त्योहार साथ मनाने की। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एन एस मोर ने कहा कि इस पार्क को हमने अपने पैसों से सजाया है। यहां पर साफ-सफाई करवाई और पेड़-पौधे लगवाए। बच्चों के लिए झूले और बड़ों के लिए वॉकिंग ट्रैक भी बनवाए गए। अब पड़ोसी सोसायटी के कुछ लोग हाईकोर्ट जाकर कह रहे हैं कि इस जगह पर शॉपिंग मॉल बनाया जाए, जिसका हम विरोध कर रहे हैं।

हमें यहां पर कोई शॉपिंग मॉल नहीं चाहिए। जब हम इस लैंड पर पार्क बना रहे थे, तब किसी ने कुछ नहीं कहा, तो अब शॉपिंग मॉल की क्या जरूरत है ? इस पार्क को बचाने के लिए हम हाईकोर्ट में भी गुहार लगाएंगे।

हम किसी मुसलमान को मुहर्रम के लिए पेड़ काटने की इजाजत नहीं देंगे : कमाल फारूकी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य कमाल फारुकी ने कहा कि हम किसी भी मुसलमान को मुहर्रम के लिए पेड़ काटने की इजाजत नहीं देंगे। फारुकी का ये बयान लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा मुहर्रम पर दिए गए बयान के बाद आया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य कमाल फारुकी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, पेड़ काटना कानूनी अपराध है। हम किसी भी मुसलमान को इसकी इजाजत नहीं दे सकते कि मुहर्रम के लिए हरे-भरे पेड़ काट दे। योगी झूठ बोलते हैं कि मुहर्रम पर पेड़ काटे जाते थे। पेड़ काटना पूरी तरह से गैरकानूनी है और नियम सबके लिए एक समान होना चाहिए।इसके अलावा फारुकी ने यूसीसी को लेकर कहा, ये हमें स्वीकार्य नहीं है। मुस्लिमों के जो पर्सनल लॉ है, उसके अंदर हम किसी का इंटरफेयर नहीं चाहते, मैं कानून के तहत मिले हक का इस्तेमाल करूंगा। इससे पहले लखनऊ में भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में सीएम योगी ने कहा था, पहले की सरकारों में मुहर्रम के समय राज्य की सड़कें सूनी हो जाती थी, लेकिन आज मुहर्रम बीत जाता है और किसी को पता भी नहीं चलता। सीएम योगी ने कहा था कि पहले ताजिया के नाम पर घर तोड़े जाते थे, पीपल के पेड़ काटे जाते थे। लेकिन आज किसी गरीब की झोपड़ी नहीं हटेगी। आज के समय में कहा जाता है कि अगर त्योहार मनाना है, तो नियमों के अंदर मनाओ, नहीं तो अपने घर में बैठे रहो।

आयुष्मान भारत योजना में 34.7 करोड़ कार्ड बने

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत योजना में 34.7 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं और 7.35 करोड़ से अधिक अस्पताल में भर्ती हुए हैं, जिनके लिए एक लाख करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं और 7.35 करोड़ लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं। इनके लिए एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया गया है।

करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना ने 34.7

एनएचए की मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीप्ति गौर मुखर्जी ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष योजनाओं की मुख्य विशेषताओं, वर्तमान स्थिति और उनके संचालन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

इसके अलावा एनएचए ने पैनल में शामिल अस्पतालों के नेटवर्क को मजबूत करने और उनके साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने की योजना प्रस्तुत की। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इन दूरदर्शी योजनाओं का लाभ समाज के सबसे जरूरतमंद और कमजोर वर्गों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि पीएम-जेएवाई के प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा डालने वाली चुनौतियों और मुद्दों को राज्यों के साथ समन्वय करके जल्दी हल किया जाए। उन्होंने एनएचए को राज्यों के साथ नियमित आधार पर जुड़ने और समन्वय करने का निर्देश दिया है ताकि मौजूदा मुद्दों को गहराई से समझा जा सके और उन्हें एक साथ हल किया जा सके। श्री नड्डा ने कहा कि पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया को मजबूत करने और विस्तारित करने के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

श्री नड्डा ने कहा कि लाभार्थियों के अनुभवों से सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों से सीधे जुड़ने और उनके अस्पताल में भर्ती होने तथा उपचार के अनुभवों को एकत्र करने के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है।

Name Change
I Parul W/O Visheksh Mohan D/O bijender singh R/O flat no-1101 tower-5 Emaar palm Garden, near vatika City, sector 83, gurgaon haryana 122004 have changed my name to Parul Singh for all future purposes.

Name Change
I, KHURSEED S/O REHMAT, R/O VILL, SALAHERI TEH. NUH DISTT. NUH, HARYANA 122107 HAVE CHANGED MY NAME FROM KHURSHED AHMED TO KHURSEED FOR ALL PURPOPSE.

Name Change
I, Himanshi D/o Ajay Sharma r/o 112 BAL mukhand KHAND GIRI NAGAR, VTC: KALKAJI, South Delhi, Delhi 110019 have changed my name to HIMANSHI SHARMA for future purposes.

Name Change
I Ankur Singhal S/O Shri. Arun kumar Singhal r/o Flat No-F1001, Pioneer Park, Sector-61, Gurugram-122001, have changed name of Minor daughter Vaani age 17 years and she shall hereafter known as Vaani Singhal.

Name Change
I, Jitendra Singh Tomar date of birth (01 Jul 1963)S/o Nathu Singh Tomar R/o Gram-Kirrayanch, Morena, Madhya Pradesh-476115, Have Changed My Name and date of birth To Jeetendra Singh Tomar date of Birth(01 Jan 1964) For All Future Purpose.

Name Change
I Satish Kutmar S/O Nathi ram, R/O Z-399 gali number 11 Prem Nagar 2 kirari Suleman Nagar Delhi 110086 have changed my name to Satish Kumar for all future purposes.

Name Change
I WASEEM SHABBIR S/O SHABBIR AHMAD R/O H.NO.171, KHASRA NO.132, GALI NO.9, ISHA CHOWK, WAZIRABAD, DELHI-110084. I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD WASEEM FOR ALL FUTURE PURPOSE.

Name Change
I, Preeti Singh W/o Yadvendra Singh Tomar R/o Gram-Kirrayanch, Morena, Madhya Pradesh-476115, Have Changed My Name To Preeti Tomar For All Future Purpose.

Name Change
I, No-15418150Y Rank-NK Name-PATOLE SANTOSH SARJERAO S/o PATOLE SARJERAO R/o H NO-220/7, SAI COLONY, SAINIK NAGAR, AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-414002 have changed my minor daughter's name from PATOLE YOUKTI S to PATOLE YOUKTI SANTOSH for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, ARCHANA SINGH Wife of No-15720498L Rank-NK Name-ANURAG KUMAR SINGH R/o VILL-HUSENA BANGRA, PO-ANSAR, PS-M. H. NAGAR, TEH-SISWAN, DIST-SIWAN, BIHAR-841203, have changed my name from ARCHANA SINGH to KUMARI ARCHANA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, FAYZA W/O DANISH KHAN residing at 313/93 GALI NO-10 TULSI NAGAR INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to FAYZA ANSARI for all future purpose.

Name Change
I Joginder Singh Chhatwal S/o Gurcharan Singh R/o D 426 Tagore Garden Delhi 110027 have changed my name to Joginder Singh for all future purposes.

Name Change
I, GUL E SAMREEN W/O MOHD MUSHARRAF ANSARI residing at HOUSE NO 313/54 PLOT NO OLD 41 AND 41-B, 4TH FLOOR ANAND NAGAR INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to GULE SAMREEN for all future purpose.

Name Change
I, Mohammed Nasir, S/o Late Mardan, R/o 137, Tufail bagh, Ward No.32, , Kashipur, Udham Singh Nagar, Uttarakhand - 244713, do hereby declare that my correct and actual name is Nasir Hussain recorded in my Adhar Card No. 287866110732. That two names i.e. Mohammed Nasir and Nasir Hussain identically refer to me is one and same identical person.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAVENDRA PRASAD TRIPATHI S/O RAM BHUWAN, Tripathi R/O Parmanent adress village GARHERA,RAIDUARIYA KALAN,SIDHI MADHYA PRADESH- 486776 Present adress Hno 76 LAJPAT NAGAR NATIONAL PARK delhi- 110024 declare that name of mine has been wrongly written as RAVINDER PRASAD TIRPATHI IN my service record, The actual name of mine is RAVENDRA PRASAD TRIPATHI, respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I, Yadvendra Singh Tomar S/o Jeetendra Singh Tomar R/o Gram-Kirrayanch, Morena, Madhya Pradesh-476115, Have Changed My Minor Daughter Name Deepka Tomar To Deepika Tomar For All Future Purpose.

Name and DOB Change
I, Maya Devi Date of Birth (01 July 1965) W/o Jitendra Singh Tomar R/o Gram-Kirrayanch, Morena, Madhya Pradesh-476115, Have Changed My Name and date of Birth To Maya Tomar date of birth(21 September 1973) W/o Jeetenra Singh Tomar For All Future Purpose.

Name Change
I, MAJHAVI mother of NO-15811827K Rank- HAV Name-VADDE NARESH KUMAR R/o VPO-VISWANATHAPALLI, TEH-SINGARENI, DIST-KHAMMAM, TELANGANA-507122 have changed my name from MAJHAVI to VADDE MADHAVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/09/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 vide affidavit dated 15/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, VENKATESWAR RAO father of NO- 15811827K Rank- HAV Name-VADDE NARESH KUMAR R/o VPO-VISWANATHAPALLI, TEH-SINGARENI, DIST-KHAMMAM, TELANGANA-507122 have changed my name from VENKATESWAR RAO to VADDE VENKATESWARARAO for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 14/07/1961 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 vide affidavit dated 15/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, Amarjeet Singh S/o Gurmel Singh R/o Vill - Boothgarh, PO- Kahanpur Khuhi, Tehsil- Anandpur Sahib, Rupnagar Sahib, Dist- Panjab-140117, have changed my Name to Amarjit Singh S/o Gurmel Chand for all future purchases.

Name Change
I, SURENDER KUMAR CHAUHAN S/O GOPI SINGH Residing at MAHAVATPUR KALAN URF PURAINI, POST-PURAINI KHAS, BIJNOR, UTTAR PRADESH- 246762 have changed my name to SURENDRA KUMAR for all future purposes

Name Change
It is for general information that I, PRASHANT ROKA MAGAR S/O HIKKA BAHADUR ROKA MAGAR R/O HOUSE NO. 8, 2ND FLOOR, AMBERHAI VILLAGE, DWARKA, SECTOR-19, DWARKA, SECTOR-6, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075, declare that name of mine and my father has been wrongly written as PRASHANT ROKAYA and HIM ROKAYA in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are PRASHANT ROKA MAGAR and HIKKA BAHADUR ROKA MAGAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I MANISH P BAHEKAR S/O P G Bahekar,R/O Parmanent adress 178, Sector-C,., Indrapuri BHEL, Barkheda H.E, PO: Piplani, DIST: Bhopal,Madhya Pradesh - 462021 Present adress -T-4 OLD NANGAL, NEAR GURUDWARA ,DELHI CANTT, DELHI-110010, DECLARE THAT NAME OF MINE HAS BEEN WRONGLY WRITTEN MP BAHEKAR in my service record, The actual name of mine is MANISH P BAHEKAR respectively which may be amended accordingly.

कुंडलिनी ध्यान ऊर्जा की शक्ति : आचार्या मां ऊषा

एजेंसी

हिसार। ओशो सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में ओशोधारा मैत्री संघ ने अपने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। ओशो धारा साधना केंद्र पर आचार्या मां ऊषा ने कुंडलिनी ध्यान करवाया। आचार्या ऊषा ने बताया कि कुंडलिनी ध्यान एक प्राचीन भारतीय ध्यान प्रणाली है जिसे विशेष रूप से योग और तांत्रिक शास्त्रों में प्रमुखता प्राप्त है। यह ध्यान प्रणाली कुंडलिनी शक्ति को जागृत करने और उसे सुषुम्ना नामक नाड़ी के माध्यम से ऊपरी चक्रों तक ले जाने का उद्देश्य रखती है। इसे शरीर, मन और आत्मा के त्रिकोण के एकीकरण का एक पथ माना जाता है। कुंडलिनी शब्द संस्कृत शब्द कुंडल से उत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ होता है लकड़ी का खाम। कुंडलिनी ध्यान के द्वारा, योगी की प्राणिक शक्तियां (प्राणवायु) जगत और उनके शरीर में धारण किए गए ऊपरी चक्रों के माध्यम से शक्ति के संचार को ऊर्जा के संचार में परिणत करती हैं।

ग्वार की खड़ी फसल में खरपतवारनाशक दवा के स्प्रे से दोहरा नुकसान : डॉ. बीडी यादव

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव ने कहा है कि ग्वार बारानी क्षेत्रों की महत्त्वपूर्ण फसल है। खरीफ मौसम की यह फसल न केवल कम लागत में अधिक मुनाफा देती है, बल्कि इससे जमीन की उर्वरक शक्ति भी बढ़ती है। डॉ. बीडी यादव आदमपुर क्षेत्र के गांव लाडवी में आयोजित कृषक शिविर में किसानों व ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। शिविर में कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को ग्वार की खड़ी फसल में अनावश्यक खरपतवारनाशक दवाई प्रयोग न करने तथा इसके नुकसान के बारे में पूरी जानकारी दी। इस अवसर पर सेवानिवृत उपमण्डल कृषि अधिकारी डॉ. वृजलाल बैनीवाल शिविर में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अगर किसी कारण ग्वार की बिजाई बची हुई है उसके लिए ग्वार किस्म एचजी 365 व एचजी 563 की बिजाई बीज उपचार करके ही करें। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में जिस किसान के पास नरमा की बिजाई करने के बाद नहर का फालतू पानी उपलब्ध हो जाता है ग्वार की बिजाई जून के पहले सप्ताह के बाद करना शुरू कर देते हैं। पीछे काफी अच्छी बारिश होने के कारण ज्यादातर किसान ग्वार की बिजाई कर चुके हैं, पिछेती बिजाई में किसान उन्नत किस्में जो कम अवधि में पकने वाली एचजी 365 और एचजी 565 की ही बिजाई करें। बिजाई से पहले बीज उपचार करना बहुत जरूरी है।

अखिल भारतीय सेवा संघ के सदस्यों ने बनाई सेवा कार्यों की रुपरेखा

हिसार। अखिल भारतीय सेवा संघ के सदस्यों ने आगामी समय में अनेक सेवा कार्य शुरू करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही पदाधिकारियों ने पूर्व में किए गए कार्यों की समीक्षा भी की है। इस संबंध संस्था ने बैठक की। संस्था के प्रधान सुमित मित्तल ने बताया कि बैठक में अब तक किए जा चुके सेवा कार्यों के बारे में बताया गया और फिर भविष्य में किए जाने वाले सेवा कार्यों जैसे पौधारोपण, ब्लड कैंप, मेडिकल कैंप, बॉडी चैकअप कैंप आदि पर विचार विमर्श किया गया। प्रांतीय महासचिव विनोद धवन और प्रांतीय संरक्षक डॉ. योगेश बिदानी ने बताया कि अनेक प्रकार के सेवा कार्य करना ही संस्था का उद्देश्य है। बैठक की शुरुआत वंदे मातरम गीत और समाप्ति राष्ट्रीय गान से की गई। बैठक में शाखा अध्यक्ष सुमित मित्तल, सचिव संजीव राजपाल, कोषाध्यक्ष सुशील गोयल, डॉ. योगेश बिदानी, विनोद धवन, संदीप भाटिया, रामचंद्र गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, जतिन वधवा, विनोद वर्मा, विनोद सोनी, दीपक गर्ग, नरेंद्र ढुल, रंजीव राजपाल, गुलशन कथूरिया, गौरव भाटिया, राजेश गर्ग, रवि, गौरव कथूरिया, विकास लाहौरिया, अशोक सरदाना, यशपाल अरोड़ा, ऋषिराज बुड़ाकिया, रमेश खुराना, रजनीश चांदना आदि उपस्थित रहे।

त्रिवेणी साधारण वृक्ष नहीं, इसका है अध्यात्मिक महत्व : विनय बिश्नोई

हिसार। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट विनय बिश्नोई ने कहा है कि हर वो इंसान जो श्रद्धाभाव एवं अध्यात्मिक भाव से त्रिवेणी को लगाता एवं लगवाता है तथा इसका पालन-पोषण करता है, उसका कोई भी सात्विक कर्म विफल नहीं होता। त्रिवेणी में सभी देवी-देवताओं और पितरों का वास माना जाता है। त्रिवेणी हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में त्रिवेणी अवश्य लगानी चाहिए। एडवोकेट विनय बिश्नोई साथी अधिवक्ताओ के साथ कचहरी परिसर में त्रिवेणी लगा रहे थे। इस अवसर पर अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट चन्द्र सिंह बिश्नोई, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट मनदीप बिश्नोई, पर्यावरण प्रेमी एडवोकेट अशोक बिश्नोई, सुशील ज्याणी, दिनेश कुमार, महताब पूनिया, सुनील तिवारी, कुलदीप कोचर, दिलबाग सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। एडवोकेट विनय बिश्नोई ने त्रिवेणी के लाभ बताते हुए कहा कि ये जो पर्यावरण की लड़ाई है वो भी न्याय की लड़ाई है। हम ये मानते हैं कि वन, जलवायु और पर्यावरण सभी के सांझे सरोकार हैं और इन सांझे सरोकारों का निबाह करना भी हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि ये त्रिवेणी एक साधारण वृक्ष ना होकर इसका अध्यात्मिक महत्व है। त्रिवेणी को शास्त्रों में स्थाई यज्ञ की संज्ञा दी गई है। हिसार बार द्वारा पौधारोपण के अभियान को आगे बढ़ाते हुए आज त्रिवेणी का रोपण किया गया।

आपातकाल लगा कांग्रेस ने घोंटा था लोकतंत्र का गला : मनोहर लाल

कांग्रेस ने रैलियों में लहराकर किया संविधान का अपमान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र में काला अध्याय करार देते हुए केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के फैसले को सराहनीय बताया। कांग्रेस द्वारा थोपी गई इमरजेंसी के दौरान अत्याचार सहने वाले हर व्यक्ति को संविधान हत्या दिवस सच्ची श्रद्धांजलि है।

चंडीगढ़ में जारी एक बयान में मनोहर लाल ने कहा कि 'संविधान हत्या दिवस' याद दिलाएगा कि जब संविधान को रौंदा गया था, तब क्या हुआ था। यह भारतीय इतिहास का काला दौर था। आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को अकारण न केवल जेल में डाला गया, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला भी घोंटने का काम कांग्रेस ने किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में

केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान करना है, जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीडन का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा की भावना जागृत करेगा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल का ऐलान किया था और 21 महीने, यानी 21 मार्च 1977 तक देश को आपातकाल का दंश झेलना पड़ा। विपक्षी नेता जयप्रकाश नारायण, लाल कृष्ण अडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी सहित देश की जनता ने आपातकाल के खिलाफ आवाज उठी और उन्हें जेलों में बंद कर दिया गया। मनोहर लाल ने कहा कि 50 साल पहले कांग्रेस के आपातकाल के दौरान जो परिस्थितियां पैदा हुई और जिस तरह का दमनकारी चक्र चलाया गया था, वह देशवासियों की स्मृति को ताजा रखेगा। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जो कुछ किया, वह लोकतंत्र की हत्या थी, हमें हमेशा इस बात से अवगत रहना चाहिए कि कांग्रेस ने संविधान के साथ क्या किया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने संविधान बदलने का भ्रम फैलाया। संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखित संविधान केवल एक पुस्तक नहीं है, बल्कि वह देश को संचालित करने के साथ मौलिक अधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा का सुरक्षा कवच है। मगर जिस तरह से कांग्रेस ने सार्वजनिक रैलियों में संविधान को लहराया, वह संविधान का अपमान है। संविधान पूजनीय है, जिसमें देश की तरक्की, अर्थव्यवस्था, नीति-नियम, दलितों और वंचितों के अधिकारों के साथ प्रजातंत्र की रक्षा निहित है।

सीएनजी ऑटो में लगी आग, बाल-बाल बची सवारियां

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद में नेशनल हाइवे स्थित वाईएमसीए फ्लाई ओवर पर बल्लभगढ़ से फरीदाबाद की तरफ जा रहे एक सीएनजी ऑटो में अचानक से आग लग गयी और ऑटो जलकर ख़ाक हो गया। गनीमत रही ऑटो में सवार एक भी यात्री आग की चपेट में नही आया। ऑटो ड्राइवर व तीन महिला सवारी आग लगते ही तुरंत ऑटो से उतर गए । मौके पर जब तक दमकल की गाड़ी पहुँचीं टैब तक ऑटो जलकर खाक हो चुका था। पीसीआर 112 में आये पुलिस कर्मी ने बताया प्रथम दृष्टि में लग रहा है कि ऑटो में शॉट सर्किट के कारण आग लगी होगी। दरअसल फ़रीदाबाद के नेशनल हाइवे स्थित वाईएमसीए फ्लाईओवर के ऊपर का है जहां आज दोपहर करीब तीन बजे एक सीएनजी ऑटो चालक तीन महिला सवारियों को बल्लभगढ़ से फ़रीदाबाद लेकर जा रहा था कि अचानक से फ्लाईओवर चढ़ते ही उसमे धुवा उठने लगा और अचानक से आग भड़कने लगी ऑटो चालक ने तुरंत ऑटो रोका और उसमें बैठी तीनो सवारियां बाहर निकल गयी और ऑटो से दूर हट गए । आनन फानन में दमकल व पुलिस को सूचना दी गयी लेकिन आग इतनी तेजी से बढ़ी के देखते ही देखते ऑटो जलकर पूरी तरह से ख़ाक हो गया। गनीमत यह रही कोई भी इसमें हताहत नही हुआ। मौके पर पहुँचे। पुलिस कर्मी राजेश कुमार ने बताया कि जैसे उन्हें सूचना मिली वह तुरंत पहुच गए लेकिन ऑटो में आग इतनी तेज थी कि ऑटो जलकर खाक हो गया । उन्होंने बताया कि शायद ऑटो में शॉट सर्किट हुआ होगा इसी कारण से इसमें आग लग गयी होगी।

मोदी सरकार में तेजी से हुआ पिछड़े वर्ग का सामाजिक व आर्थिक विकास : सुमन सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में पिछड़े समाज के कल्याण के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। मोदी के नेतृत्व में हमारा समाज आर्थिक और सामाजिक रूप से बहुत आगे बढ़ा है। सुमन सैनी सेक्टर 14 स्थित पंजाबी भवन में समस्त ओबीसी समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इसमें केंद्र की तर्ज पर ओबीसी समाज की कृमिलेयर की वार्षिक सीमा बढ़ाकर आठ लाख रुपये किए जाने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व राज्य सरकार का आभार जताया गया। सुमन सैनी ने कहा कि हम सभी देश की जनता के आभारी हैं, जिन्होंने तीसरी बार एक पिछड़े वर्ग का व्यक्ति प्रधानमंत्री बनाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के घर के दरवाजे 24 घंटे खुले हैं। कोई भी व्यक्ति कभी भी अपनी कोई समस्या लेकर आ सकता है। उन्होंने कहा कि आपका मुख्यमंत्री अकेला नहीं है बल्कि आपकी बहुत

बड़ी शक्ति उनके साथ एकजुट होकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि लकड़ी अकेली हो तो कोई भी तोड़ सकता है उनको इकट्ठा बांधकर रखा जाए तो कोई भी नही तोड़ सकता। समाज को एकजुटता बनाए रखनी है। आने वाले विधानसभा चुनाव के बाद डबल इंजन की सरकार तीसरी बार बनेगी यह निश्चित है। भाजपा जिला प्रभारी जवाहर सैनी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आए दिन जनकल्याणकारी फैसले ले रहे हैं। इससे समाज के सभी वर्गों का हित सध रहा है। समाज के सभी वर्गों ने एक मत से नायब सैनी को अपना नेता मान लिया है।

चुनौतियों का सामना करने के लिए युवा पेशेवरों का विजन महत्वपूर्ण : मनोहर लाल

युवा पेशेवरों के ज्ञान का उपयोग कर शासन को आधुनिक जरूरतों के अनुसार चलाया जाना अति आवश्यक

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान समय में शासन-प्रशासन के सामने आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए नए युवा पेशेवरों का विजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए युवा पेशेवरों के ज्ञान का उपयोग कर शासन को आधुनिक जरूरतों के अनुसार चलाया जाना अति आवश्यक है। यह बात उन्होंने नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में देर शाम हरियाणा में सुशासन सहयोगी कार्यक्रम (सीएमजीजीए) के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में कही। उन्होंने कहा कि साल 2035 तक देश में बिजली की वर्तमान मांग दोगुनी हो जाएगी और हाउसिंग में 130 करोड जनता को मकान उपलब्ध करवाने होंगें। इन बडे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नए युवा पेशेवरों के विशेष सहयोग की आवश्यकता रहेगी, ताकि हम देशभर में नए आयामों को छू सकें। मनोहर लाल ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि-जब मैंने हरियाणा में मुख्यमंत्री के तौर पर राज्य की बागडौर संभाली तो मुझे

कोई अनुभव नहीं था। मैं पहली बार विधायक भी बना था। इस संबंध में जब मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की कि मुझे इस संबंध में कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आप विधायक तो हैं, लेकिन जब मैं मुख्यमंत्री बना था तो मैं विधायक भी नहीं था। जब आप कार्य करेंगें तो सीखते जाएंगें अर्थात सीखने व सिखाने का क्रम चलता रहता है। मनोहर लाल ने रोहतक में साल 1996 में आई बाढ के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि मैं हरियाणा में किसी भी ब्यूरोक्रेट को जानता नहीं था। केवल वर्तमान में चीफ सेक्रेटरी टीवीएसएन प्रसाद को जानता था। वे उस समय रोहतक में उपायुक्त थे। लेकिन मेरे मन में था कि बाढ़ में लोगों की सेवा करनी है तो उस सेवा भाव के साथ मैंने रोहतक में बाढ़ के दौरान प्रशासन के साथ मिलकर कार्य किया और सीखा। ऐसे ही उन्होंने बताया कि जब विधानसभा का सत्र लगता है तो भी काफी कुछ सीखने और समझने को मिलता है और कुछ वर्तमान स्थितियां सीखा देती हैं, बस आपमें कुछ करने की ललक होनी चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जब उन्होंने हरियाणा में मुख्यमंत्री के तौर पर बागडौर संभाली तो हरियाणा को पोलिसी पैरालीसस का नाम दिया जाता था।

सरकारी सिस्टम में नियम-कायदे नहीं चलते थे। हमने इस सिस्टम को ठीक करने के लिए नियम-कायदे से संचालित करने के लिए व्यवस्था बनाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा कि सीएमजीजीए कार्यक्रम के एक्स-सीएमजीजीए वह स्वयं हैं और हमें सीएमजीजीए कार्यक्रम पर गर्व है। उन्होंने कहा कि अच्छा आदमी होने के नाते अच्छा नेता भी कहलाने में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं भी लीक से हटकर काम करने का आदी हूं। कठोर निर्णय लेकर हमने कार्य किए हैं, उनमें चाहे नई व्यवस्थाएं खड़ी करने की बात हो, देश व समाज की सेवा करने की बात हो।

एचएयू के विभिन्न कोर्सों के लिए 3886 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक व स्नातकोतर कोर्सिज की दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छः वर्षीय कोर्स, एमएससी एग्रीकल्चर, एमटैक एग्रीकल्चरल इंजिनियरिंग, एमएफएससी कोर्स, एमएससी कोम्युनिटी साइंस कोर्सिज में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने हुई परीक्षा के दौरान केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगडा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. एसके पाहुजा, अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डॉ. बीना यादव व एसवीसी कपिल अरोड़ा उपस्थित रहें। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 12 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होनें सभी केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4294 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3886 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 90.50 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर अवश्य चेक करते रहें।

लघु सचिवालय के निकट शव रख परिजनों ने जताया रोष

एजेंसी

जींद। पुरानी रंजिश के चलते गांव आसन में हुई हत्या के आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर परिजनों ने शव रख कर रोष जताया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। परिजनों ने कहा कि जब तक आरोपितों को गिरफ्तार नही किया जाता तब तक दाह संस्कार नही किया जाएगा। हालांकि पुलिस ने हत्या के आरोप में 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया हुआ है। गांव आसन निवासी लीलाराम की शिकायत पर पुलिस ने विक्की, सूरजभान, मनोज कुमार, रामचंद्र, वीरभान, भीरा, बंसी, रामदास, बबली, पूजा, बबली, जोगिंद्र, मीरा व रामकुश के खिलाफ मामला दर्ज किया हुआ है। लीलारम ने बताया कि गांव के रामकुश व उसके परिवार के सदस्यों ने उन पर हमला क दिया।

मुख्यमंत्री ने 112 करोड़ रुपये की 14 विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जन तक पहुंचाने की पहल की है, जिससे समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। इन योजनाओं का ही असर है कि आज गरीब से गरीब व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कराहट देखने को मिल रही है।

मुख्यमंत्री सोनीपत जिले के राई हलके के गांव भैरा बांकीपुर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 112 करोड़ रुपये की 14 विकास परियोजना का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले सरकारें केवल घोषणाएं करती थीं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता था। सरकार लोगों को केवल सब्जबाग दिखाती थी, परंतु हकीकत में घोषणाएं धरातल पर नहीं उतर पाती थीं। पहले प्रदेश में बिजली के लिए हाहाकार मचा रहता था और लोग बिजली की मांग को

लेकर रैली निकालते थे। आज हमारी सरकार ने व्यवस्था को सुधार कर लोगों को 24 घंटे बिजली देने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ लाख लोगों को बिना पर्ची व खर्ची के सरकारी नौकरी दी है। 2014 से पहले बुजुर्गों को मात्र 500 रुपये पेंशन मिलती थी और हमने सत्ता में आने के बाद 1000 रुपये पेंशन को लागू किया। आज हम प्रदेश के 20 लाख लोगों को 3000 रुपये वृद्धावस्था सम्मान भत्ता दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश संविधान के अनुसार कार्य कर रहा है और देश व प्रदेश उन्नति के पथ पर अग्रसर हैं। हर जरूरतमंद व्यक्ति को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। ये बातें विपक्ष को हजम नहीं हो रही हैं और वे लोगों को झूठ बोलकर गुमराह करने का काम कर रहे हैं, परंतु विपक्ष को सोचना चाहिए कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती।

इस अवसर पर राई से विधायक व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव भैरा बांकीपुर में आयोजित कार्यक्रम से पहले राजकीय प्राथमिक स्कूल के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राई के विधायक मोहनलाल बडौली ने भी पौधारोपण किया। भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, पूर्व मंत्री कविता जैन, पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत, करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू, मुख्यमंत्री के ओएसडी विरेन्द्र बढखालसा, नगर निगम मेयर निखिल मदान, भाजपा नेता देवेन्द्र कादियान, जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया, गांव की सरपंच कमलेश व कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कांग्रेस पार्टी की सरकार में व्यापारियों को हरकदम पर न्याय मिलेगा : दीपक बावरिया

एजेंसी

जींद। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी दीपक बावरिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सरकार में व्यापारियों को हरकदम पर न्याय मिलेगा। व्यापारियों की हत्या व अपहरण की घटनाएं चिंताजनक है। व्यापारी प्रदेश से प्लायन कर रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री व्यापारियों को कोई सुरक्षा प्रदान नहीं कर रहे हैं। वे व्यापारी न्याय चौपाल को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र की चेयरमैन पूर्व कैबिनेट मंत्री गीता भुक्कल तथा कसोनीपत लोकसभा के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, सफीदों से विधायक सुभाष गांगोली भी मौजूद रहे। बावरिया ने कहा कि आज अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वह निरंतर खुले आम घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। हरियाणा में आने वाली सरकार कांगेस पार्टी की बनेगी और हम व्यापारियों को ज्यादा से ज्यादा राहत देगें और सुरक्षा का पूरा बंदोबस्त करेगें। हरियाणा सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री गीता भुक्कल ने व्यापारी न्याय चौपाल में बोलते हुए कहा कि व्यापारियों के जो भी सुझाव होगें उनको ज्यादा से ज्यादा चुनाव घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। जींद में व्यापारियों की न्याय चैपाल ऐतिहासिक है और व्यापारियों ने ज्यादा से ज्यादा

संख्या में पहुंच कर जो एकजुटता दिखाई है। वो उनको विश्वास दिलाते हैं कि कांग्रेस पार्टी में व्यापारियों का मान-सम्मान होगा। सोनीपत के लोकसभा क्षेत्र के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था दुरूस्त होगी तो अच्छे उद्योग स्थापित हो सकते हैं और प्रदेश की तरक्की होगी। व्यापारी चौपाहल आयोजक हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के जिला प्रधान महाबीर कंप्यूटर ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापारी अपराधिक घटनाओं से बड़ा चितिंत है और ऊपर से इंसपैक्टरी राज से भी दुखी हैं। व्यापारियों पर चैतरफा मार पड़ी है।

भ्रष्ट अधिकारी जीएसटी की चैकिंग के बहाने व्यापारियों को परेशान कर रही है तथा व्यापारी जीएसटी की रिटर्न भरता है। थोड़ी सी कमी में भ्रष्ट अधिकारी उन्हें बहुत परेशान करते हैं तथा उनसे मोटी रकम वसूली जा रही है। महाबीर कंप्यूटर ने कहा कि व्यापारी हमेशा सरकार का खजाना भर कर सरकार को चलाने में अहम योगदान देता है और आने वाली कांग्रेस पार्टी की सरकार में व्यापारियों को ज्यादा से ज्यादा राहत मिले तथा व्यापारियों की गारंटी की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

नौकरी का झांसा देकर युवती का किया यौन शोषण, मामला दर्ज

जींद। शहर थाना पुलिस ने युवती को नौकरी लगवाने का झांसा दे नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने तथा ब्लैकमेल कर यौन शोषण करने व तीन लाख रुपये की राशि ठगने पर आरोपित के खिलाफ नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सदर थाना क्षेत्र के गांव की एक युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रोजगार की तलाश में अजय से मिली थी। अजय ने उसे नौकारी लगवाने की बात की और तीन लाख रुपये भी ले लिए। गत फरवरी माह में आरोपित उसे झांज गेट पर होटल मे ले गया है। जहां पर आरोपित ने उसे पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद आरोपित ने उसे ब्लैकमेल करते हुए उसका यौन शोषण शुरू कर दिया। आरोपित ने उसके सोने व चांदी के जेवरात भी अपने पास रख लिए। जब भी वह विरोध करती तो आरोपित उसे जान से मारने की धमकी दी जाती। लगातार अजय उसका यौन शोषण करता रहा। जब उसने आरोपित पर नौकरी दिलाने तथा रुपये व गहने वापस करने मना कर दिया और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी।

भाजपा राज में नशे में डूबा हरियाणा, युवाओं का भविष्य अंधकार में :डॉ. सुशील गुप्ता

एजेंसी

सिरसा। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेंस करके नशे के मुद्दे पर हरियाणा सरकार को घेरा है। इससे पूर्व उन्होंने आम आदमी पार्टी सिरसा जिला के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की। जिसमें पदाधिकारियों से जनसंवाद कार्यक्रम, विधानसभा चुनाव व आगामी रणनीतियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर कई लोगों ने पार्टी की जनहितकारी नीतियों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी ज्वाइन की। उन्होंने बीजेपी सरकार को घेरते हुए कहा आंकडे बताते हैं कि बीजेपी ने हरियाणा की तस्वीर बहुत डरावनी बना दी है। प्रदेश के कुल 22 जिलों में से 16 जिले बुरी तरह नशे की चपेट में हैं, जिसमें सिरसा पहले नंबर पर है। नशे के कारण हो रही मौत के मामले

थम नहीं रहे हैं। नशे की ओवर डोज के कारण एक के बाद एक युवक मौत को गले लगाता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा शहर नशे की गिरफ्त में है और गांव तक नशा पहुंच चुका है। कहीं सिंथेटिक नशा तो कहीं चिट्टे का नशा पहुंच चुका है। हरियाणा सरकार नशा रोकने में पूरी तरह से फेल हुई है। बीजेपी सरकार न तो नशे की चेन को तोड पा रही है, न ही सरकार ने युवाओं का नशा छुडवाने के लिए और न ही नौकरी के लिए कोई ठोस इंतजाम किया है। हरियाणा में एनसीबी और नशा मुक्ति केंद्र में सभी पद खाली पडे हैं। जहां पर किसी का सही से इलाज नहीं होता। इसकी वजह से आज पूरे हरियाणा में हेरोइन, चर्स, सुल्फा, गांजा और अफीम खुलेआम बिक रहा है। जिस पर कोई रोक टोक नहीं है, ऐसा लगता है मानो ये सब पुलिस के संरक्षण में हो रहा है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश का केंद्र पर हमला, बोले- कॉरपोरेट से ज्यादा टैक्स का बोझ उठा रहा मध्यम वर्ग

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हालिया कर (टैक्स) संग्रह के आंकड़ों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोग कंपनियों की तुलना में अधिक कर चुका रहे हैं और मध्यम वर्ग भारी कराधान का बोझ उठा रहा है। जबकि कॉर्पोरेट करों में कटौती कर अरबपतियों की जेब में दो लाख करोड़ रुपये डाल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से 1 जुलाई 2024 तक आयकर संग्रह 3.61 लाख करोड़ रुपये और सकल कोर्पोरेट कर संग्रह 2.65 लाख करोड़ रुपये था। रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, 'जैसा कि हम 23 जुलाई को बजट की ओर बढ़ रहे हैं, अभी आंकड़े जारी किए गए हैं कि 1 अप्रैल से 1 जुलाई के दौरान सकल व्यक्तिगत आयकर संग्रह 3.61 लाख करोड़ रुपये था। जबकि कोर्पोरेट कर संग्रह 2.65 लाख करोड़ रुपये था। यह उस बात की बात की पुष्टि करता है, जो हम काफी समय से कह रहे हैं कि लोग कंपनियों की तुलना में ज्यादा कर का भुगतान कर रहे हैं।' कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान व्यक्तिगत आयकर कुल कर संग्रह का 21 फीसदी था। जबकि आज यह बढ़कर 28 फीसदी हो गया है। जबकि कंपनियों पर कॉर्पोरेट कर 35 फीसदी से गिरकर 26 फीसदी हो गया है। उन्होंने कॉर्पोरेट कर की दरों को कम करने के केंद्र के 2019 के कदम की आलोचना की और कहा इससे निजी निवेश को गति नहीं मिली, जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा था। इसके बजाय निजी निवेश यूपीए शासन के तहत 35 फीसदी से गिरकर आज 29 फीसदी से नीचे आ गया है।

निर्यात ने लगाई छलांग, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल बोले- वैश्विक चुनौतियों के बीच पांच फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। भारत ने अप्रैल-मई में निर्यात क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। भारत के निर्यात में इस अवधि में पांच फीसदी का इजाफा हुआ है। इसे लेकर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-मई के बाद जून में भी निर्यात के आंकड़े सकारात्मक रहे हैं। सबसे ज्यादा सर्विस सेक्टर में इजाफा हुआ है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि रूस-यूक्रेन, इजराइल-हमास युद्ध, लाल सागर संकट और कंटेनर की कमी के बीच भारत का निर्यात सकारात्मक रहा। इसमें सर्विस सेक्टर एक्सपोर्ट में अधिक वृद्धि हुई है। गोयल ने कहा कि मई के बाद भी जून का आंकड़ा बेहद अच्छा है। कुल मिलाकर पहली तिमाही में एक्सपोर्ट बेहतर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय 15 जुलाई को जून महीने के निर्यात का आधिकारिक डाटा जारी करेगा। उन्होंने बताया कि मई में भारत का बिजनेस एक्सपोर्ट 9.1 फीसदी बढ़ा और 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-मई में आउट बाउंड शिपमेंट 5.1 फीसदी बढ़कर 73.12 अरब डालर रहा। उन्होंने बताया कि डिजिटल इंडिया मिशन और 4जी और 5जी के चलते सर्विस सेक्टर में निर्यात को बढ़ावा मिला है। इससे साफ है कि वैश्विक चुनौती के बाद इस वर्ष भारत माल और सेवा क्षेत्र में निर्यात के 800 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को पार कर लेगा। 2023-24 में भारत का निर्यात 778.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

सरकार एमटीएनएल के बॉन्ड ब्याज का भुगतान करेगी, कोई चूक नहीं होगी: सूत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के बॉन्ड बकाया का भुगतान करेगी। दूरसंचार विभाग के एक सूत्र ने भरोसा दिया कि कोई चूक नहीं होगी, और यह राशि 20 जुलाई की तय तारीख से पहले चुका दी जाएगी। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे एमटीएनएल के सामने खड़ा संकट टल जाएगा। कंपनी ने बढ़ते वित्तीय संकट के बीच इस सप्ताह शेयर बाजार को बताया था कि वह अपर्याप्त कोष के कारण कुछ बॉन्डधारकों को ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ है। यह ब्याज 20 जुलाई, 2024 को देय है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सूत्रों ने कहा कि सरकार कदम उठाएगी और उक्त बकाया का भुगतान करेगी, और जोर देकर कहा कि इसपर कोई चूक नहीं होगी। सूत्रों ने कहा, ''बकाया राशि का भुगतान तय तारीख से पहले किया जाएगा।'' एमटीएनएल, दूरसंचार विभाग और बीकन ट्रस्टीशिप लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) के अनुसार, एमटीएनएल को देय तिथि से 10 दिन पहले एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि के साथ अर्धवार्षिक ब्याज का भुगतान करना होगा। एमटीएनएल ने कहा कि टीपीए के प्रावधानों के मद्देनजर, यह सूचित किया जाता है कि अपर्याप्त कोष के कारण, एमटीएनएल एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि जमा नहीं कर सकी है।

कार्यालय से काम करने के मामले में कोविड महामारी से पहले के स्तर पर पहुंचे: टीसीएस

मुंबई । देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के कार्यालयों से काम करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत कोविड महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच गया है। टाटा समूह की कंपनी के मानव संसाधन प्रमुख मिलिंद लक्कड़ ने स्वीकार किया कि इसमें अपेक्षा से अधिक समय लगा। उन्होंने कहा कि 18 महीने के कठिन प्रयासों के बाद यह स्तर हासिल किया गया है। लक्कड़ ने पीटीआई-से कहा, हम वास्तव में उस बिंदु पर आ गए हैं, जहां हमें विश्वास है कि हम लगभग कोविड महामारी से पूर्व के स्तर पर वापस आ रहे हैं।

उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार ने विधिक माप विज्ञान (पैक की हुई वस्तुएं) नियम, 2011 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है

संशोधन में खुदरा बिक्री के लिए पहले से पैक की गई वस्तुओं पर सभी जानकारी अनिवार्य रूप से घोषित करने का प्रस्ताव है, संशोधन से किसी भी मात्रा में पैक की गई वस्तुओं के निर्माताओं/पैकर्स/आयातकर्ताओं में खुदरा बिक्री के लिए पैक की गई वस्तुओं की घोषणा करने में स्पष्टता आएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मंच सहित बाजार के बढ़ते क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए, उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार पैकेज्ड वस्तुओं के लिए एकरूपता स्थापित करने के उद्देश्य से विधिक माप विज्ञान (पैक की हुई वस्तुएं) नियम, 2011 में संशोधन करने पर विचार कर रही है। संशोधित प्रावधान द्वारा ये नियम औद्योगिक उपभोक्ताओं या संस्थागत उपभोक्ताओं के लिए पैक की गई वस्तुओं को छोड़कर खुदरा में बेची जाने वाली सभी पैक की गई वस्तुओं पर लागू होंगे।

यह संशोधित प्रावधान पैक की गई वस्तुओं के लिए एक समान मानक/आवश्यकताएं स्थापित करने, विभिन्न ब्रांड और उत्पादों में एकरूपता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने और उपभोक्ताओं को सम्पूर्ण जानकारी के आधार पर सूचित विकल्प बनाने में सहायता करेगा। विभाग 29 जुलाई, 2024 तक इन

उपभोक्ता मामले विभाग
DEPARTMENT OF
CONSUMER AFFAIRS
सत्यमेव जयते

15 दिनों के अवधि में हितधारकों से टिप्पणियां आमंत्रित करता है। कानूनी माप विज्ञान (पैक की गई वस्तुएं) नियम, 2011 में उपभोक्ताओं के हित में सभी पूर्व-पैक की गई वस्तुओं पर निर्माता/पैकर/आयातकर्ता का नाम और पता, उत्पत्ति का देश, वस्तु का सामान्य या व्यापक रूप से नाम, शुद्ध मात्रा, निर्माण का माह और वर्ष, एमआरपी, इकाई बिक्री मूल्य, वस्तु के मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त होने की स्थिति में सर्वोत्तम उपयोग की तिथि, उपभोक्ता देखभाल विवरण आदि जैसी अनिवार्य जानकारी की घोषणा की आवश्यकता होती है।

ये नियम निम्नलिखित को छोड़कर सभी पूर्व-पैकेज्ड वस्तुओं पर लागू हैं:

25 किलोग्राम या 25 लीटर से अधिक मात्रा वाली वस्तुओं के पैकेज;

50 किलोग्राम से अधिक पैकेज में बेचे जाने वाले सीमेंट, उर्वरक और कृषि फार्म उत्पाद; और

औद्योगिक उपभोक्ताओं या संस्थागत उपभोक्ताओं के लिए पैक किए गए उत्पाद।

ये नियम 50 किलोग्राम से अधिक पैकेज में बेचे जाने वाले सीमेंट, उर्वरक और कृषि फार्म उत्पादों को छोड़कर 25 किलोग्राम या 25 लीटर से अधिक मात्रा वाली पैक की गई वस्तुओं पर लागू नहीं हैं, क्योंकि यह माना जाता है कि खुदरा बिक्री के लिए पैक की गई वस्तुएं 25 किलोग्राम से अधिक नहीं हैं। यद्यपि, यह देखा गया है कि 25 किलोग्राम से अधिक की पैक की गई वस्तुएं भी खुदरा बिक्री के लिए बाजार में उपलब्ध हैं, जो खुदरा बिक्री के लिए पूर्व-पैक की गई वस्तुओं पर सभी घोषणाएं करने के अनुरूप नहीं है।

अप्रैल-जून तिमाही में धीमी पड़ी चीन की आर्थिक विकास दर, उपभोक्ता मांग में कमी का दिखा असर

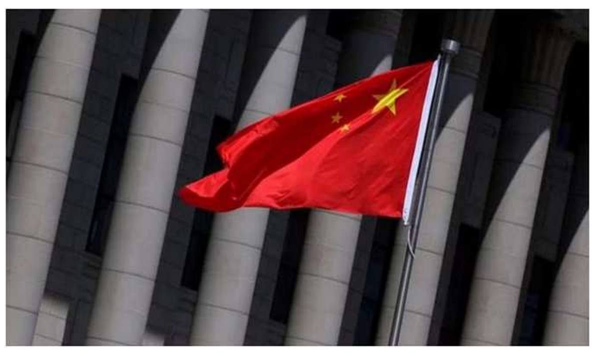

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन की आर्थिक विकास दर में गिरावट आने का दौर लगातार जारी है। चीन सरकार ने ही सोमवार को इसकी पुष्टि की। रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में देश की आर्थिक विकास दर 4.7 फीसदी विकास दर के अनुमान से भी धीमी रही।

गौरतलब है कि चीन में इसी साल की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में आर्थिक विकास दर 5.3 फीसदी थी। इस लिहाज से बीती तिमाही में यह गिरावट काफी ज्यादा रही। अर्थशास्त्रियों की मानें तो उपभोक्ता मांगों में कमी और सरकार की तरफ से कम खर्च का असर अब चीन क विकास दर पर भी दिखने लगा है। अगर इस साल की पहली छमाही में ही आर्थिक विकास दर की बात करें तो यह 5 फीसदी के दायरे में रही है। चीन की सरकार ने लगभग इसी विकास दर का अनुमान लगाया था।

कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 86 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.11 डॉलर यानी 0.13 फीसदी उछलकर 85.14 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.16 डॉलर यानी 0.19 फीसदी बढ़कर 82.37 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

ईपीएफओ द्वारा अनुपालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के कारण प्रतिष्ठानों द्वारा छूट की वापसी में बढ़ोतरी हुई

पिछले 2 वर्षों में, 27 प्रतिष्ठानों ने छूट छोड़ी, जिससे 30,000 कर्मचारी जुड़े और ईपीएफओ कोष में 1688.82 करोड़ रुपये जमा हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले दो वर्षों में, 27 प्रतिष्ठानों ने अपनी छूट वापस ले ली है, जिससे लगभग 30,000 कर्मचारी जुड़े हैं और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत कोष में 1688.82 करोड़ रुपये की राशि जमा हुई है।

सुधरी हुई सेवाओं के कारण, ज्यादातर प्रतिष्ठान ईपीएफओ द्वारा दी गई अपनी छूट वापस ले रहे हैं। ये प्रतिष्ठान ईपीएफओ को अपने कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) का सीधे प्रबंधन करने देना पसंद करते हैं। इससे उन्हें अपनी मुख्य व्यावसायिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने में ज्यादा आसानी होती है।

दावों के तेजी से निपटान, उच्च रिटर्न दर, मजबूत निगरानी और जुड़ाव में आसानी के साथ, ईपीएफओ द्वारा प्रतिष्ठानों और सदस्यों, दोनों को, दी जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। श्रम और रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत ईपीएफओ ने गत वर्ष ईपीएफ अधिनियम के तहत छूट प्राप्त

प्रतिष्ठानों के लिए अनुपालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने हेतु कई कदम उठाए हैं।

प्रक्रियाओं को मानकीकृत करने के एक प्रयास में, ईपीएफओ ने पहली बार छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के लिए सभी प्रक्रियाएं जो प्रासंगिक हैं, को शामिल करते हुए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और मैन्यूअल प्रकाशित किए हैं। इसके अतिरिक्त, डिजिटलीकरण की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, छूट को वापस करने की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु जल्द ही एक नया सॉफ्टवेयर और पोर्टल शुरू किया जाएगा। जो प्रतिष्ठान अपने कर्मचारियों के पीएफ कोष का प्रबंधन करना चाहते हैं, उन्हें ईपीएफ अधिनियम की धारा 17 के तहत छूट प्राप्त करने की जरूरत है। इससे ईपीएफओ उन प्रतिष्ठानों को वैधानिक योगदान दिए बिना अपने स्वयं के पीएफ ट्रस्ट के प्रबंधन करने की अनुमति देता है। ऐसे छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों को वैधानिक रूप से ऐसे लाभ मुहैया कराने के लिए बाध्य किया जाता है, जो कम से कम ईपीएफओ द्वारा ग्राहकों को प्रदान किए जाने वाले लाभों के बराबर हों और अधिनियम में उल्लिखित छूट की अधिसूचित शर्तों का अनुपालन करें। 31 मार्च 2023 तक, 1002 छूट प्राप्त प्रतिष्ठान हैं, जो 31,20,323 सदस्यों के 3,52,000 करोड़ रुपये के कोष का प्रबंधन कर रहे हैं। अपने हितधारकों पर ईपीएफओ के बढ़ते फोकस के साथ-साथ सदस्यों के लिए स्थिर रिटर्न देने वाले पेशेवर रूप से प्रबंधित फंडों ने छूट को वापस करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है।

बासमती चावल का निर्यात 13 फीसदी बढ़ा, दो महीने में विदेश से आए 103.7 करोड़ डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बासमती चावल की मांग विदेश में लगातार बढ़ रही है। हालांकि, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में मामूली गिरावट देखने को मिली है। एग्रीकल्चरल एंड प्रॉसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीडा) के आंकड़े के मुताबिक, भारत ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-मई अवधि में 103.7 करोड़ डॉलर के बासमती चावल का निर्यात किया। यह 2023-24 की समान अवधि के 91.7 करोड डॉलर की तुलना में 13.11 फीसदी अधिक है।

दरअसल, घरेलू बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार की ओर से चावल के निर्यात पर लगाए प्रतिबंधों का असर अन्य किस्मों पर पड़ा है। यही वजह है कि अप्रैल-मई में गैर-बासमती चावल का निर्यात सालाना आधार पर 13.35 फीसदी घटकर 91.9 करोड़ डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई अवधि में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात सालाना आधार पर मामूली 0.49 फीसदी घटकर 433.7 करोड़ डॉलर रह गया। 2023-24 की समान अवधि में निर्यात का यह आंकड़ा 435.8 करोड़ डॉलर रहा था।

सब्जियों और फलों के निर्यात में भी गिरावट देखने को मिली है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई अवधि में भारत से 12.2 करोड़ डॉलर की ताजी सब्जियों का निर्यात किया गया। यह आंकड़ा 2023-24 की समान अवधि में निर्यात किए गए 12.3 करोड़ डॉलर की सब्जियों की तुलना में 1.08 फीसदी है। इस दौरान ताजे फलों का निर्यात भी सालाना आधार पर 7.86 फीसदी घटकर 20.5 करोड़ डॉलर रह गया।फल और सब्जियों के बीजों का निर्यात एक साल पहले के 3.4 करोड़ डॉलर से 10.85 फीसदी बढ़कर अप्रैल-मई के दौरान 3.8 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। डेयरी उत्पादों का मांग एक साल पहले के मुकाबले 30.23 फीसदी बढ़कर 9.8 करोड़ डॉलर पहुंच गया। 2023-24 की अप्रैल-मई अवधि में देश से 7.5 करोड़ डॉलर के डेयरी उत्पादों का निर्यात किया गया था। इसी प्रकार, भैंस, बकरे, भेड़ और अन्य तरह जानवरों के मांस का निर्यात भी 7.99 फीसदी बढ़कर 70 करोड़ डॉलर पहुंच गया। पोल्ट्री उत्पादों का निर्यात भी 15.32 फीसदी घटकर 2.5 करोड़ डॉलर रह गया। 2023-24 की अप्रैल-मई में 2.9 करोड़ डॉलर का निर्यात किया गया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मई में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुई है।?जून और पहली तिमाही में भी यह सकारात्मक रहा है। गोयल ने कहा, मई में वस्तु निर्यात 9.1 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई भी निर्यात 5.1 फीसदी बढ़कर 73.12 अरब डॉलर रहा है। मंत्री ने कहा, रूस-यूक्रेन व इस्राइल-हमास युद्ध, लाल सागर संकट और कंटेनर की कमी के मुद्दों के बावजूद हमारा निर्यात सकारात्मक दायरे में है। हमारे साथ एक और लाभ की स्थिति सेवा निर्यात की तेज वृद्धि है।

भारतीय एसी उद्योग का आकार अगले चार साल में दोगुना होने का अनुमानः ब्लू स्टार

नई दिल्ली। भारत में एयर कंडीशनर (एसी) उद्योग लगभग 27,500 करोड़ रुपये (3.3 अरब डॉलर) का है और इसके अगले चार साल में दोगुना होने की संभावना है। एसी कंपनी ब्लू स्टार ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही है। ब्लू स्टार के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) वीर एस आडवाणी ने कहा कि भारतीय एचवीएसीएंडआर (हीटिंग, वेंटिलेटिंग, एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेटिंग) उद्योग तेजी से वृद्धि के लिए तैयार है।

मुरादाबाद-देहरादून के बीच पहली फ्लाइट के लिए शुरू होगी टिकटों की बुकिंग

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद हवाई अड्डे से देहरादून तक 17 जुलाई को होने वाली पहली उड़ान के लिए टिकट बुकिंग शुरू होगी। 19 सीटर बी-1900डी विमान शाम 4 बजकर 20 मिनट पर मुरादाबाद से उड़ान भरेगा और 1 घंटा 10 मिनट का सफर तय कर शाम 5 बजकर 30 मिनट पर देहरादून पहुंचेगा। बुधवार को देहरादून के लिए हवाई यात्रा शुरू होने के बाद यह विमान देहरादून से प्रतिदिन दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरेगा और दोपहर 3 बजकर 55 मिनट पर मुरादाबाद पहुंचेगा। डीजीसीए, एएआई और कंपनी की बैठक के बाद उड़ान का शेड्यूल जारी किया गया है।

एक दशक के लंबे इंतजार के बाद 17 जुलाई को मुरादाबाद से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। विगत 10 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुरादाबाद हवाई अड्डे के साथ प्रदेश के पांच एयरपोर्ट का वर्चुअल शुभारंभ किया था। इसमें मुरादाबाद के अलावा आज़मगढ़, अलीगढ़, चित्रकूट और श्रावस्ती हवाई अड्डे थे। मुरादाबाद को छोड़कर अन्य जगहों से उड़ान शुरू हो चुकी है लेकिन मुरादाबाद में फ्यूल स्टेशन के कारण पेंच अटक गया था। बुधवार को मुरादाबाद एयरपोर्ट से पहली उड़ान देहरादून के लिए होगी। एचपीसीएल कंपनी को पेट्रोलियम एक्सप्लोसिव एंड सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन से अनुमति मिलने के बाद फ्यूल का टैंकर हवाई अड्डे पर खड़ा कर दिया गया है। देहरादून से विमान में फ्यूल भरकर भेजा जाएगा। जरूरत पड़ने पर यहां

खड़े टैंकर से आपूर्ति की जाएगी। इस बीच फ्यूल स्टेशन का निर्माण भी चलता रहेगा। फ्लाई बिग कंपनी ने अपनी वेबसाइट को अपडेट कर लिया है। सोमवार से टिकट की बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। आनलाइन के अलावा यात्री हवाई अड्डे पर जाकर भी बुकिंग कर सकेंगे। सोमवार को किराया सूची भी जारी हो जाएगी। 17 जुलाई को हवाई अड्डे पर फ्लाइट के उद्घाटन के समय एक कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी है। इसके लिए सोमवार को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) और जिला प्रशासन के बीच बैठक होगी। मुरादाबाद एयरपोर्ट के प्रबंधक श्याम सुंदर के मुताबिक 17 जुलाई को मुरादाबाद से देहरादून के लिए हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। अगले महीने से लखनऊ की फ्लाइट भी चलने लगेगी। हमने व एयरलाइन कंपनी ने सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं।मुरादाबाद एयरपोर्ट उद्घाटन के दौरान जानकारी दी गई थी कि मुरादाबाद से पहली उड़ान लखनऊ के लिए प्रारंभ होगी लेकिन फ्यूल स्टेशन का निर्माण न होने के कारण इसमें देरी हो रही है। ऐसे में डीजीसीए, एएआई, एयरलाइन कंपनी व जिला प्रशासन की सहमति से पहले देहरादून की फ्लाइट शुरू होने जा रही है। मुरादाबाद से लखनऊ तक का हवाई सफर करने के लिए अभी यात्रियों को एक माह का इंतजार करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि लखनऊ के लिए मुरादाबाद से अगस्त के मध्य में विमान उड़ान भरेगा।

राजनीतिक विचारों से ऊपर उठकर, सभी को राष्ट्रीय स्तर की विकास परियोजनाओं को पूरा करने में योगदान देना चाहिएः डॉ. जितेंद्र सिंह

स्टार्ट-अप स्वरोजगार और सतत आजीविका के नए अवसर के रूप में उभरे हैं : डॉ.सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा, राजनीतिक विचारों से ऊपर उठकर, सभी को राष्ट्रीय स्तर की विकास परियोजनाओं को पूरा करने में योगदान देना चाहिए।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गयी विकास परियोजनाएं किसी खास नेता या पार्टी की नहीं हैं, बल्कि वे सभी समुदायों के लोगों के लाभ के लिए हैं। उधमपुर-कठुआ-डोडा संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार जीतने पर सम्मानित किये जाने के अवसर पर उन्होंने कहा, ÷प्रधानमंत्री मोदी ने वोट बैंक से ऊपर उठकर, जहां जरूरत है, वहां उपलब्ध कराने की नीति अपनाई

है। उन्होंने कहा कि इसलिए सभी को अपने सुझाव देने चाहिए और इस बारे में इनपुट देना चाहिए कि इन परियोजनाओं को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है और कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई वजह है, तो प्रशासन को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए जाएंगे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों से अपील की कि देविका नदी पुनरुद्धार परियोजना सहित विकास परियोजनाएं समाज के प्रत्येक समुदाय के लिए हैं और इनका लाभ सभी को और आने वाली पीढ़ी को मिलेगा।

उधमपुर जिले के प्रसिद्ध कलाड़ी उत्पाद के बारे में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत दूध से बने इस उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए पहले ही पहचान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इसकी स्वीकार्यता और मूल्य बढ़ाने के लिए कलाड़ी की ब्रांडिंग आवश्यक है। उन्होंने स्थानीय चैंबर ऑफ कॉमर्स से इस प्रयास में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया।

इसी क्रम में डॉ. जितेन्द्र सिंह ने लैवेंडर के उपयोग पर जोर दिया और उपस्थित लोगों को बताया कि जिले के डुडू-बसंतगढ़ क्षेत्र में इसकी खेती शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा, डोडा जिले की भदेरवाह तहसील में शुरू हुआ अरोमा मिशन उधमपुर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि बैंगनी और श्वेत क्रांति से शुरू हुए स्टार्ट-अप स्वरोजगार के नए अवसर और स्थायी आजीविका के स्रोत बनकर उभरे हैं। मंत्री ने सुझाव दिया, उधमपुर में कई तरह के दूध उत्पाद हैं, जिन्हें यहां निर्मित होने वाले नए औद्योगिक एस्टेट में ब्रांड में बदला जा सकता है। उन्होंने मीडिया और समाज दोनों से क्षेत्र में लैवेंडर की खेती और दूध उत्पादों के बारे में जागरूकता पैदा करने की अपील की। इस बात को रेखांकित करते हुए कि उधमपुर के प्राकृतिक संसाधनों का पूरी तरह से उपयोग नहीं किया गया है, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये संसाधन भारत की अर्थव्यवस्था में मूल्यवर्धन करेंगे।

पहली तिमाही में वाहन निर्यात 15.5फीसदी बढ़ा; IOC में भी रेसिंग कार ईंधन उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश से वाहनों का निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर 15.5 फीसदी बढ़कर 11,92,577 इकाई पहुंच गया। एक साल पहले की समान तिमाही में 10,32,449 वाहनों का निर्यात किया गया था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में यात्री वाहनों का निर्यात 19 फीसदी बढ़कर 1,80,483 इकाई पहुंच गया।?मारुति सुजुकी 69,962 वाहनों के निर्यात के साथ सबसे आगे रही। दूसरे स्थान पर काबिज ह्यूंडई ने 42,600 गाड़ियों का निर्यात किया। देश से दोपहिया वाहनों का निर्यात 17 फीसदी बढ़कर 9,23,148 इकाई पहुंच गया। वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात भी सालाना आधार पर आठ फीसदी बढ़कर 15,741 इकाई पहुंच गया। तिपहिया वाहनों के निर्यात में तीन फीसदी गिरावट रही। आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 45,00,492 वाहनों का निर्यात किया।?2022-23 में यह आंकड़ा 47,61,299 इकाई रहा था। इंडियन ऑयल ने रेसिंग कार में इस्तेमाल होने वाले ईंधन स्टॉर्म-एक्स का उत्पादन शुरू किया है और इसकी पहली खेप भेज दी है। इसके साथ ही, वह एफ1 रेसिंग में इस्तेमाल होने वाले ईंधन का उत्पादन करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। इंडियन ऑयल के निदेशक (विपणन) वी सतीश कुमार ने कहा, ओडिशा के पारादीप में उसकी रिफाइनरी ने स्टॉर्म-एक्स का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह हाई ऑक्टेन पेट्रोल विशेष रूप से रेसिंग कारों के लिए तैयार किया गया है।

घरेलू कीटनाशकों की श्रेणी में अग्रणी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (जीसीपीएल) ने अपने नए गुडनाइट फ्लैश लिक्विड वेपोराइजर में रेनोफ्लुथ्रिन फॉर्मूलेशन पेश कर रहा है, जो भारत का सबसे प्रभावशाली लिक्विड वेपोराइजर है। यह देश का पहला स्वदेशी रूप से विकसित और पेटेंट किया गया मॉलिक्यूल है जो मच्छर नियंत्रण के लिए सबसे प्रभावी लिक्विड वेपोराइजर फॉर्मूलेशन बनाता है।

बच्चों को आसानी से शिकार बना सकता है Dengue, इन टिप्स की मदद से रखें इनका खास ख्याल

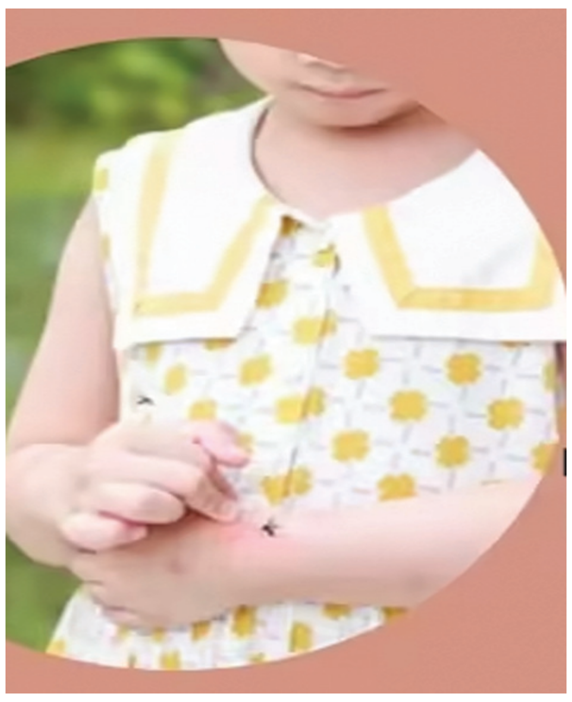

बरसात मठे´ Dengue का खतरा काफी बढ़ जाता है। इससे अपना बचाव करना बेहद जरूरी है। खासकर बच्चों की खास देखभाल जरूरी है क्योंकि कमजोर इम्युनिटी होने की वजह से वह आसानी से इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि मानसून में उन्हें डेंगू ने बचाने के लिए सही उपाय अपनाए जाए। आप इन टिप्स से अपने बच्चों को सुरक्षित रख सकते हैं।

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। बरसात का सीजन शुरू हो चुका है और इसी के साथ लोगों को गर्मी से राहत मिल चुकी है। यह मौसम कई लोगों का पसंदीदा मौसम होता है, लेकिन इस दौरान कई तरह की बीमारियों और संक्रमणों का खतरा भी बढ़ जाता है। मानसून में अक्सर मच्छरों और पानी से होने वाली बीमारियों और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू इन्हीं में से एक है, जो मच्छरों से होने वाली एक खतरनाक बीमारी है। इससे बचने के लिए सही समय पर इसका निदान और इलाज दोनों ही जरूरी है।

यह बीमारी किसी को भी अपना शिकार बना सकती है, लेकिन बच्चे आसानी से इसकी चपेट में आ जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है और उनके लिए मच्छरों से बचना कई बार मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे टिप्स, जिनकी मदद से आप अपने बच्चों को डेंगू से बचा सकते हैं।

फुल स्लीव्स कपड़े पहनाएं

बच्चों को डेंगू से बचाने के लिए सबसे जरूरी है उन्हें मच्छर काटने से बचाए। इसके लिए उन्हें जितना संभव हो फुल आस्तीन वाले कपड़े और फुल पैंट पहनाएं। खासकर अगर आपका बच्चा बाहर कहीं जा रहा है, तो उन्हें लंबी आस्तीन, लंबी पतलून, मोज़े और बंद पैर के जूते जरूर पहनाएं।

घर में मच्छरों को घुसने से रोकें

मच्छरों को अपने बच्चे से दूर रखने के लिए जरूरी है कि मच्छरों को घरों में घुसने से रोकें। इसके लिए शाम होते ही खिड़कियां और दरवाजे बंद कर दें और जितना हो सके अपने घर को ठंडा रखें, क्योंकि ठंडे तापमान मच्छरों की गतिविधि कम हो जाती है। साथ ही सोते समय मच्छरों के काटने से बचाने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

मच्छरों को पनपने से रोकें

डेंगू फैलाने वाला मच्छर एडीज मुख्य रूप से रुके हुए पानी में पनपता है। ऐसे में मच्छरों को घर या इसके आसपास पनपने से रोकने के संभावित मच्छर प्रजनन स्थलों को ढूंढना और हटाना जरूरी है। इसलिए अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें और फूल के बर्तन, बाल्टियां और छोड़े गए टायर में रुके हुए पानी को तुरंत साफ करें।

बाहरी गतिविधियों कम करें

अपने बच्चों को मच्छरों से बचाने के लिए कोशिश करें कि उनकी बाहरी गतिविधियों जितना हो सके कम करें। खासकर जब मच्छरों के प्रजनन की समय हो और बरसात का मौसम हो। मानसून में कई जगह पानी जमा हो जाता है, जो डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के पनपने की जगह बन सकता है।

ईरानी महिलाओं का भारतीय मुस्लिम महिलाओं को संदेश

ईरान में इन दिनों चाँद चौदहवीं की ओर बढ़ रहा है और साफ़ साफ़ भी दिख रहा है। अन्य दिनों-महीनों की अपेक्षा ईरान में कुछ अधिक ही खुशगवार मौसम छाया हुआ है। ईरान के निर्वाचन में सुधारवादियों की विजय एक बड़ी ऐतिहासिक घटना सिद्ध हो सकती है। विशेषतः मुस्लिम महिला जगत के लिए ईरान के चुनावों में मसूद पेज़ेश्कियान की विजय कुछ नये मार्ग खोलते हुए दिखाई पड़ती है। पेज़ेश्कियान सुधारवादी नेता हैं व हिजाब के ऊपर लगे हुए सख्त क़ानून के भी बड़े विरोधी हैं। इन मायनों में ईरानी महिलाओं को पेज़ेश्कियान से बहुत बड़ी आशाएँ हैं। माना जाता है कि मुस्लिम स्त्री वर्ग ने हिजाब विरोधी दृष्टिकोण व कट्टरता विरोधी छवि व ऐसे ही चुनावी वादों के कारण पेज़ेश्कियान को बड़ी एकतरफ़ा मतदान किया है। भारत में हिजाब को लेकर एक बड़ा झंझावात चल रहा है। भारतीय मुस्लिम पुरुष समुदाय जहां हिजाब के पक्ष में खड़ा है वहीं मुस्लिम महिलाएं हिजाब, बुर्के व नक़ाब आदि को अपनी स्वतंत्रता व शिक्षा में बाधा मानती हैं। अनेक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि वस्तुतः भारतीय मुस्लिम स्त्री समुदाय की अशिक्षा का एक बड़ा कारण बुर्का, हिजाब व नक़ाब ही है।

ईरान में राष्ट्रपति रईसी की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु के पश्चात चुनाव कठिन लगने लगे थे। किंतु, अब जब चुनाव हो गये हैं तो ईरान एक नये स्वरूप में व नये मार्ग पर दिखाई दे रहा है। जेल में बंद नरगिस मोहम्मदी जैसी संघर्षशील महिला भी इन चुनावों के प्रति उदासीन व निराश थीं व उन्हें लगता था कि इन चुनावों का बहिष्कार ही एक मात्र उपाय है। न जाने क्या हुआ कि इस चुनाव में ईरान के सुधारवादियों, विशेषतः पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी को नई आशा की किरण दिखाई दी। खातमी ने निष्क्रियता छोड़ी व मसूद पेज़ेश्कियान के समर्थन में कूद पड़े। चुनाव के प्रथम चरण में चुनाव चाहने वालों व बहिष्कार करने वालों के मध्य संघर्ष हुआ फलस्वरूप मतदान का प्रतिशत चालीस से भी नीचे चला गया था। दूसरे चरण में कट्टरपंथी जलीली व पेज़ेश्कियान के मध्य सीधे चुनाव में एकेडेमिक छवि वाले ज़रीफ ने पेज़ेश्कियान के लिए सघन अभियान चलाया। ज़रीफ़ व पेज़ेश्कियान ने घोषणा की कि, उनकी विदेश नीति न तो पश्चिम विरोधी है और न ही पूरब विरोधी। इन दोनों ने रईसी की रूस और चीन से लगाव की नीति की आलोचना की। ईरान के आर्थिक संकट को हाल करने हेतु भी उन्होंने अपना रोडमैप प्रस्तुत किया। परमाणु विषय पर व्यवस्थित बात करने व ईरान पर लगे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने हेतु भी वे संकल्पित दिखाई पड़े।यद्यपि ईरान की आंतरिक व्यवस्थाओं के कारण निर्णय प्रक्रिया पर पूर्ण अधिकार अब भी सर्वोच्च धार्मिक नेता ख़ामनेई का ही रहेगा। ख़ामनेई के कट्टरपंथी दृष्टिकोण को चुनाव के बाद की कुद्स फ़ोर्स से संबंधित से बातों से समझा जा सकता है जो उन्होंने कही है। ईरान की नीतियों पर कुद्स का प्रभाव सदैव रहता है। कुद्स फोर्स आईआरजीसी की बाहरी इकाई है व राष्ट्पति के पास इस पर सीधे नियंत्रण का अधिकार नहीं होता है। केवल ईरान के सर्वोच्च नेता ही यह निर्णय करते हैं कि कुद्स को क्या करना चाहिए और क्या नहीं। ख़ामनेई ने समूची चुनावी प्रक्रिया के मध्य इस बात को दोहराते रहें हैं कि कुद्स फोर्स जो कर रही है वो देश की सुरक्षा नीतियों की दृष्टि से अनिवार्य है।

इज़राइल-फ़िलिस्तीन संघर्ष में मध्य-पूर्व में ईरान ही हमास का प्रमुख समर्थक रहा है। पश्चिम विरोधी नीतियों के कारण भी इनकी स्थिति असहज होती रही है। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने तो सीधे इसराइल पर आक्रमण करके अभूतपूर्व स्थिति निर्मित कर दी थी। इससे दोनों देश आमने-सामने आ गए थे।

ईरान में महिलाओं पर मॉरल पोलिसिंग के पक्ष में सुदृढ़ कट्टरपंथी क़ानून बने हुए हैं। पेज़ेश्कियान जो महिलाओं की नैतिक पोलिसिंग का विरोध करते हैं और पश्चिम के साथ टकराव की बजाय जुड़ाव का आग्रह रखते हैं। अब आर्थिक संकटों और सामाजिक उलझनों से त्रस्त ईरान स्वयं पेज़ेश्कियान की इस विजय से आश्चर्यचकित है। अब तक ईरान की कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तथाकथित %प्रिंसिपलिस्टों% (रूढ़िवादियों) के नियंत्रण में थी। ये ईरान में किसी भी प्रकार के सुधारों के विरोधी थे। ईरान में चुनावों के मध्य ईरान सरकार में कभी मंत्री रहे सुधारवादी पेज़ेश्कियान को जब गार्डियन काउंसिल ने चुनाव में प्रत्याशी मान लिया तब ईरान के सुधारवादी गठबंधन ने अपना समर्थन उनके पक्ष में दे दिया। खातमी, उदारवादी मौलवी और 2013-21 तक राष्ट्पति रहे हसन रूहानी ने उनका समर्थन किया। 5 जुलाई, 2024 के दूसरे चरण के चुनाव में पेज़ेश्कियान ने रूढ़िवादी प्रतिद्वंद्वी सईद जलीली को पराजित करके 53.6व्व वोट प्राप्त करके विजयश्री वरण किया। अब यह माना जा रहा है कि पचास वर्षों के पश्चात् प्रथम बार ईरान की बागडोर एक सुधारवादी राष्ट्पति के हाथ में आ गई है। यद्यपि ईरान में सुधारवादी वर्ग ने ईरान के लिए जिन स्वप्नों को देखा है व जिस प्रकार का शासन वे चाहते हैं; उस मापदंड में पेज़ेश्कियान भी कोई आदर्श प्रत्याशी नहीं थे, तथापि अंधों में काना मामा के दृष्टिकोण से यह एक उत्तम चयन है। चुनाव अभियान में इन्होंने संकल्पित होकर पेज़ेश्कियान के लिए एकतरफ़ा अभियान चलाया। ईरान में निरन्तर कट्टरपंथियों के दुष्प्रभाव के कारण नागरिकों को चुनाव में उतनी रुचि नहीं थी किंतु पेज़ेश्कियान के पक्ष में सुधारवादियों के प्रबल अभियान ने स्थिति बदल दे थी। ईरानी जनता विशेषतः महिलाओं के मानस में यह भी बैठ चुका था कि पेज़ेश्कियान ने हिजाब के विरोध में सुदृढ़ता से अपनी बातें रखीं हैं व उन्हें प्रबल समर्थन भी मिल ही रहा है। इस स्थिति में जनता ने दूसरे चरण में पेज़ेश्कियान के पक्ष में भारी मतदान किया। जलीली की रूढ़िवादिता भी उन्हें चुनाव हराने में एक बड़ा तत्त्व सिद्ध हुई। ईरान में राष्ट्पति, सर्वोच्च निर्वाचित अधिकारी, मज़हब के संदर्भ में सीमित शक्तियाँ रखते हैं। कमान सर्वोच्च नेता के पास ही होती है। अब संभव है कि स्वयं को प्राप्त भारी जनादेश के साथ पेज़ेश्कियान देश में बदलाव के लिए सुदृढ़ता से अपने शासन में निर्णय लेंगे। ईरान के सर्वोच्च नेता, मज़हबी वर्ग को भी अब इस जनादेश के भीतर छिपे हुए संकेत को समझ लेना चाहिये और सुधारवाद को स्वीकार करना चाहिये। यदि ऐसा होता है तो पश्चिमी जगत द्वारा ईरान की ओर एक नई दृष्टि से देखा जा सकता है।रान में कट्टरपंथ से सुधारवाद का मार्ग अब जब प्रशस्त हो रहा है तब वहाँ इसे 'होमोजेनाइजेशन' अर्थात् 'दो धाराओं का मिलन' कहा जा रहा है। वर्ष 2021 में ईरान की राजनैतिक स्थितियों में आये परिवर्तनों के बाद ईरान महिलाओं के प्रति अधिक सख्त व निर्दयी हो गया था। वर्ष 2022 में ईरान में हिरासत में एक युवा महिला महसा अमीनी की मौत ने भी ईरानी सुधारवादियों व महिलाओं को भयग्रस्त व स्तंभित कर दिया था। इसके बाद ही ईरानी जनता ने अपने क्रोध का ऐसा प्रदर्शन किया था जिसे अब तक का सबसे बड़ा विरोध माना जा रहा था। किंतु, इसका हाल भी पूर्व के आंदोलनों जैसा ही हुआ और सत्ताधारी धार्मिक नेताओं ने वर्ष 2009 के विरोध की तुलना में इस विद्रोह को अधिक निर्ममता से कुचला।

ब जबकि ईरान में एक सुधारवादी सरकार का सत्ता सम्भालना तय हो गया है तब ईरानी महिलाएं नये स्वप्न देख सकती हैं व नई उड़ान भर सकती हैं। ईरान में हिजाब के विरोध में हुए भारी प्रदर्शनों की सफलता और उनके निर्मम दमन की कहानियाँ बहुत पुरानी नहीं है। अब भी ईरान की हवाओं में ईरानी महिलाओं के दमन से निकली चीख़ों के दुखी स्वर वातावरण सुने जा सकते हैं। अब लोग उन दिनों को याद करके कट्टरतावाद से स्थायी मुक्ति का स्वप्न देखने लगे हैं।

संपादकीय

बारिश से हलकान जिंदगी

जिस्म झुलसाती गर्मी के बाद जिस मानसून के स्वागत में लोग पलक-पांवड़े बिछाए बैठे थे, उसके आने के बाद देश के विभिन्न भागों में बाढ़, भूस्खलन व जलभराव से सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। विभिन्न राज्यों में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। भारत ही नहीं, पड़ोसी देश नेपाल में भूस्खलन के बाद दो बसें उफनती नदी में गिर गई, जिससे साठ लोगों के लापता होने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को आठ सौ गांव बाढ़ से प्रभावित बताए गए, जिसमें करीब चालीस लाख लोगों पर इसका असर पड़ा है। कई गांवों में घर से काम पर निकलने के लिये लोगों ने नावों का इस्तेमाल किया।

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर तीन फीट से अधिक पानी खड़ा था। जिसके कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। पीलीभीत के एक डैम का पानी छोड़े जाने से दर्जनों गांव जलमग्न हो गए। गांवों में चार से पांच फीट तक पानी भर जाने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी बाढ़ डेढ़ दशक बाद देखी गई है। कई स्थानों पर राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर बह रही है, जिससे कई गांवों पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। लाखों हेक्टेयर में खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। कई जगह कटाव के कारण जल भराव देखा गया है। नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के सात जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव में लगी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण से बाढ़ का जायजा लिया है। देश की वाणिज्य राजधानी मुंबई में भी मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन बुरी तरह बाधित रहा। जहां एक ओर सड़कें जलमग्न रही, रेल की पटरियों में पानी भर गया तो हवाई यात्रा भी बाधित हुई। कई एअरलाइन्स को एडवाइजरी जारी करनी पड़ी कि हवाई जहाजों को उड़ान भरने में देरी हो सकती है।

वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में बारिश कहर बनकर बरस रही है। पिछले पांच दिन से लगातार जारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से करीब दो सौ से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सबसे चिंताजनक हालात चारधाम मार्ग पर हैं। करीब दो दर्जन स्थानों पर हुए भारी भूस्खलन से चारधाम यात्रा मार्ग पिछले तीन दिन से बंद है। जिसके चलते करीब चार हजार श्रद्धालु बीच में ही फंसे हुए हैं। बद्रीनाथ रूट पर भूस्खलन के कारण दोनों तरफ लंबा जाम लगा है। सड़कों के किनारे गाड़ियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई गहरे निचले इलाकों में जलभराव के कारण यातायात ठप हो गया है। हालांकि बद्रीनाथ मार्ग पर प्रशासन सड़कों से मलबा हटाने में जुटा है लेकिन बारिश के कारण राहत कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। यही वजह है कि अधिकांश श्रद्धालु जोशीमठ के आसपास फंसे हुए हैं। उधर भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई के लिये यलो अलर्ट जारी किया है। यानी दिन भर बारिश होने की बात कही जा रही है। तो ठाणे व नवी मुंबई के लिये ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं निचले इलाकों में जलभराव से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो रहा है। दूसरी ओर मौसम विभाग ने देश के सत्रह राज्यों में भारी बारिश का अंदेशा जताया है। इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर भी शामिल हैं। समुद्र तट से लगने वाले कुछ राज्यों में बिजली गिरने व तूफान की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। कुछ इलाकों में मछुआरों को समुद्र तटीय इलाकों में न जाने की सलाह दी गई है। वहीं बारिश के सकारात्मक पक्ष की बात यह कि करीब डेढ़ सौ जलाशयों की निगरानी करने वाले सेंटर वॉटर कमीशन ने घोषणा की है कि जलाशयों का जलस्तर पिछले दस महीनों में पहली बार बढ़ा है। लेकिन एक बात तो साफ है कि शासन-प्रशासन समय रहते न तो अतिवृष्टि के प्रभावों को कम करने के ठोस कदम उठाता है और न ही इस चुनौती से मुकाबले के लिये लोगों को जागरूक करता है।

आखिर हमारे डॉक्टरों को क्या बीमारी है?

मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने में बहुत कठोरता थी। शिक्षक अपने छात्रों पर पूरा ध्यान देते थे और हर एक को व्यक्तिगत रूप से जानते थे। कक्षाएं तय समय के अनुसार आयोजित की जाती थीं। यह सख्ती कमज़ोर होती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने कहा कि कॉलेज में उनकी उपस्थिति मायने नहीं रखती, वे %घर में ही रहते हैं% और वह भी कई हफ्तों तक रहते हैं।

स्वास्थ्य सेवा के %व्यवसायीकरण% पर आवाज़ें उठ रही हैं। अनेक कहानियां सामने आ रही हैं। हाल ही में किडनी प्रत्यारोपण के बारे में आई रिपोर्ट इसका एक उदाहरण है। लगता है कि इस स्थिति के जवाब में भारतीय न्याय संहिता इस %डॉक्टर्स डे% पर लागू हुई, जिसमें लापरवाही का दोषी पाए जाने पर डॉक्टरों को जेल की सज़ा का प्रावधान है। नीट परीक्षा में कई त्रुटियों और पीजी प्रवेश परीक्षाओं के स्थगन ने भारत में चिकित्सा शिक्षा की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। जैसे-जैसे हम परीक्षा प्रक्रियाओं का पुनर्निर्माण करना शुरू करते हैं, यह देखना उचित होगा कि और क्या करने की आवश्यकता है ताकि हमारे डॉक्टर अपने काम में शीर्ष पर रहें।ग्रामीण आदिवासी राजस्थान में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के हमारे दशक भर के काम में हमने बड़ी संख्या में युवा डॉक्टरों के साथ काम किया है और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में काम करने वाले कई लोगों से बातचीत की है। हमने डॉक्टरों को ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कई कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। इनके आधार पर हम कुछ प्रथमिकताएं साझा करते हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।एक लोकप्रिय शिकायत यह है कि पुराने ज़माने के एमबीबीएस डॉक्टर आज के समय के डॉक्टरों से ज़्यादा चिकित्सा के बारे में जानते थे और वे स्वतंत्र रूप से मरीजों को देख सकते थे। हममें से बहुतों को याद होगा कि डॉक्टर ब्रीफ़केस लेकर हमारे घर आते थे, बीमारों को देखते थे और वहीं पर इलाज करते थे। वे लगभग गायब हो चुके हैं। मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने में बहुत कठोरता थी। शिक्षक अपने छात्रों पर पूरा ध्यान देते थे और हर एक को व्यक्तिगत रूप से जानते थे। कक्षाएं तय समय के अनुसार आयोजित की जाती थीं।

यह सख्ती कमज़ोर होती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने कहा कि कॉलेज में उनकी उपस्थिति मायने नहीं रखती, वे %घर में ही रहते हैं% और वह भी कई हफ्तों तक रहते हैं। उन्होंने दुख जताया कि उनके शिक्षकों के पास उनके लिए बहुत कम समय है। %लोग सिर्फ़ 'मुंह हैं, कान नहीं', यह बात हम अक्सर सुनते हैं। %आपका काम मरीज़ों का इलाज करना है, सहानुभूति दिखाना नहीं%- एक वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ ने एक बार उनमें से एक को यह कहकर डांटा था।हम निजी मेडिकल कॉलेजों से भी कहानी का दूसरा पहलू सुनते हैं। डॉक्टर बनने वाले लोग बहुत अमीर परिवारों से आते हैं, आलीशान कारों में घूमते हैं, अपनी कक्षाओं में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। उनमें से कई के अभिभावकों ने नर्सिंग होम या अस्पताल बना लिए हैं, जहां उनके बच्चे पढ़ाई पूरी कर आने के बाद प्रैक्टिस कर सकें। कई बार प्रबंधन शिक्षकों पर दबाव डालता है कि वे उन्हें पास कर दें और न रोकें।तीसरा समूह जो तेजी से बढ़ रहा है, वह चीन, रूस, अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों में अपनी चिकित्सा शिक्षा पूरी करने वाले छात्र हैं। भारतीय मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण की खराब गुणवत्ता के बावजूद विदेशी शिक्षित डॉक्टरों और स्थानीय डॉक्टरों के बीच व्यापक अंतर है। मरीजों से बात करते समय जानकारी का कोई स्पष्ट प्रवाह नहीं होता है, साथ ही चिकित्सा की कई बुनियादी बातों के बारे में भी जानकारी का अभाव है।

ऐसा नहीं चल सकता। हमें यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि डॉक्टर बनने वाले सभी लोगों के पास ज्ञान और कौशल दोनों हों; और उनके पास सहानुभूति हो जो एक डॉक्टर के लिए ज़रूरी है।

कुछ महीने पहले हमारे एक डॉक्टर को एक मित्र का फ़ोन आया, जो एक पीएचसी में काम करने वाला डॉक्टर था। उसने हाल ही में मलेरिया से पीड़ित एक मरीज़ का निदान किया था और यह पूछने के लिए फ़ोन कर रहा था कि उसे क्या उपचार दिया जाए। स्वतंत्र रूप से काम करने वाले डॉक्टरों के लिए मार्गदर्शन की यह ज़रूरत अपेक्षित है क्योंकि एक दिन में वे कई संक्रमणों (टीबी, मलेरिया आदि), गैर-संचारी रोगों, जटिलताओं वाली गर्भवती महिलाओं को देख सकते हैं। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घयल लोगों को टांके ला सकते हैं और प्रसव भी करवा सकते हैं।इस ज़रूरत ने भारत के अलग-अलग हिस्सों में काम करने वाले हम डॉक्टरों को एक समूह के रूप में एक साथ आने के लिए मजबूर कर दिया। हम अपने सवाल समूह में पोस्ट करते हैं या मार्गदर्शन के लिए किसी विशेषज्ञ को बुलाते हैं व पूछते हैं- आप मधुमेह से पीड़ित एक युवा महिला में रक्त शर्करा के उतार-चढ़ाव को कैसे प्रबंधित करते हैं? आप गर्भवती महिला में मलेरिया का इलाज कैसे करते हैं? हम हफ्ते में एक बार ऑनलाइन मिलते हैं नए ज्ञान, केस स्टडीज़ को साझा करने और सवाल पूछने के लिए। ग्रामीण इलाकों में पीएचसी और शहरों के अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों के साथ बातचीत करते हुए हम देखते हैं कि जब उन्हें संदेह होता है, तो उनके पास बहुत कम साथी या वरिष्ठजन होते हैं।हमें डॉक्टरों के लिए ऐसी व्यवस्था करने की आवश्यकता है जिससे उन्हें अपने प्रश्नों के उत्तर मिल सकें तथा यह सुनिश्चित हो सके कि वे नई जानकारी से अपडेट रहें, जो जरूरी नहीं कि दवा कंपनियों से ही आ रही हो। पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए परीक्षाएं शुरू करने की बात चल रही है। इससे मदद मिलेगी, लेकिन हमें और भी कुछ करने की जरूरत है।हमारे न्यूज़ चैनल और सोशल मीडिया पर किस तरह की खबरें आती रहती हैं? आजकल भारत के विश्व कप जीतने और किसी सेलिब्रिटी की शादी के बारे में बहुत कुछ बताया जाता है। किडनी ट्रांसप्लांट जैसी संभावित गलत हरकतों की कहानियों पर ध्यान दिया जाता है लेकिन उन खबरों के बारे में क्या कहा जाता है जिनमें जान बचाई जाती है?

एक हफ्ते पहले एक महिला को एक्लेम्पसिया के साथ हमारे क्लिनिक से उदयपुर रेफर किया गया था, जो 120 किलोमीटर दूर है। जब वह अस्पताल पहुंची तो उसे 3 घंटे से ज़्यादा समय से दौरे पड़ रहे थे और वह मुश्किल से होश में थी। उसे बचाया जाना स्त्री रोग विशेषज्ञों और नर्सों द्वारा उसे दिए गए त्वरित उपचार का ही नतीजा था।

विभिन्न समाचार माध्यमों में ऐसी कहानियों को प्रमुखता से दिखाए जाने की आवश्यकता है। इनका डॉक्टरों और उनके पेशे के प्रति दृष्टिकोण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, साथ ही समाज का उन्हें देखने का दृष्टिकोण भी है।इस समय दो कहानियां चल रही हैं, भारतीय न्याय संहिता और किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट के इर्द-गिर्द। चलिए पीछे चलते हैं! पिछली बार कब हमने उन भयावह परिस्थितियों के बारे में बात की थी जिसमें हमारे युवा डॉक्टर या डॉक्टर बनने वाले लोग पढ़ते हैं? वे किस तरह के हॉस्टलों में रहते हैं, कैसा खाना खाते हैं, उनका असामान्य रूप से लंबी ड्यूटी रोस्टर? हमने कब उन कहानियों का जश्न मनाया जिनमें वे दिन-ब-दिन मरीजों को बचाते हैं? हमें अच्छी तरह याद है कि हमारे डॉक्टरों ने कोविड महामारी के दौरान कितनी शानदार भूमिका निभाई।

हमें ऐसी कहानियां सुनाते रहना चाहिए। ऐसी कहानियों का अभाव और लगातार ऐसी कहानियां जो इतनी सकारात्मक नहीं होती हैं, बेचैनी पैदा करती हैं, जो खतरनाक हो सकती हैं। कुछ साल पहले मध्य राजस्थान के एक अस्पताल में एक जटिल प्रसव के दौरान महिला की मौत हो गई थी। मीडिया की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया और परिवार की ओर से दबाव अप्रत्याशित और अनपेक्षित नहीं था। लेकिन उसके बाद जो त्रासदी हुई वह अपेक्षित नहीं थी। और दिल दहला देने वाली थी। सुर्खियों में रहने वाली डॉक्टर तनाव को बर्दाश्त नहीं कर सकी और उसने अपनी जान दे दी।आज हमारे देश की स्थिति एक चेतावनी है। जब हम अपनी स्वास्थ्य सेवा का पुनर्निर्माण शुरू कर रहे हैं तो यह उचित होगा कि हम इसके टुकड़ों को न उठाकर समग्र रूप से देखें।

क्या आप हैं आइडियल वेट

छरहरी काया किसे पसंद नहीं होती। जहां भी जाएं, सभी आपकी फिटनेस की तारीफ करें। युवक हो या युवती सभी परफेक्ट बॉडी शेप के लिए चिंतित रहते हैं। फिटनेस को लेकर चिंता तो रहती है, लेकिन उस ओर कदम कुछ ही लोग उठाते हैं।

क्या हो आपका बीएमआई

- हेल्दी वजन- 18 से 22.9
- ओवरवेट - 23 से 23.9 या इससे ज्यादा है।
- (बॉडी बिल्डर्स और बुजुर्गों के लिए बीएमआई का यह मानक मान्य नहीं है।)

अपने वजन को लेकर हम अक्सर चिंतित तो रहते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग होंगे, जिन्हें अपने 'आइडियल बॉडी वेट' या यूं कहें कि आदर्श शारीरिक वजन की जानकारी होगी! बहुत ही कम लोगों को, है न! क्या आप जानते हैं कि इसकी एक सबसे बड़ी वजह यह है कि न तो हम जिम जाते हैं और न ही किसी डाइटीशियन के पास। इसलिए 'आइडियल बॉडी वेट' कितना होना चाहिए, कभी जान ही नहीं पाते। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई और वेस्ट साइज यानी कमर की माप के जरिए आप आसानी से यह पता लगा सकेंगे कि आप 'आइडियल वेट' हैं या नहीं या आप किसी भी तरह के स्वास्थ्य संबंधी खतरे से तो नहीं जूझ रहे हैं!

क्यों है जरूरी

ओवरऑल बॉडी मास की तुलना में आपके बॉडी फैट की मात्रा का सही होना, जो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी कई खतरों को कम करने में मदद करता है। इससे समय से पहले उम्र की रेखाओं को आने से रोका भी जा सकता है और लाइफ स्टाइल क्वालिटी को बढ़ाने में मदद भी मिलती है। दूसरी ओर, ओवरवेट यानी मोटा-ताजा होना कई बीमारियों और बीमारियों की संभावना को बढ़ाता है। भारतीय शहरों के लगभग 65 प्रतिशत युवा आज या तो ओवरवेट हैं, स्थूलकाय हैं या फिर मोटापे से परेशान हैं। वे या तो हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, टाइप टू डायबिटीज, ऑस्टियोऑर्थराइटिस यानी अत्यधिक वजन की वजह से जोड़ों की समस्या, कुछ खास तरह के कैंसर, सांस लेने से जुड़ी परेशानियों से पीड़ित हैं या फिर इन बीमारियों से पीड़ित होने के कगार पर हैं।

बॉडी पर ध्यान दें

बॉडी फैट का विश्लेषण बॉडी फैट मापने का बेहतर माध्यम कहा जा सकता है। बहुत से प्रशिक्षक इसे मापने के लिए केवल कमर की माप लेने के बजाय कमर और हिप का अनुपात देखना प्रेफर करते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट के अनुसार, भारतीय महिलाओं की कमर पतली और हिप चौड़ी होती है, इसलिए केवल कमर की माप देखने के बजाय वेस्ट और हिप का अनुपात देखना बेहतर होता है। वेस्ट और हिप का अनुपात शारीरिक बनावट को ध्यान में रखते हुए उसका आदर्श वजन बताने में मदद करता है। अत्यधिक वजन की वजह से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, हाई एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन) जैसी स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है। इनसे बचने के लिए काफी हद तक आप खुद भी बीएमआई और वेस्ट साइज देखकर अपने बढ़ते वजन के बारे में पता कर सकते हैं।

ट्रांसफर हो सकता है मोटापा

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार, मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो एक से दूसरे में ट्रांसफर भी हो सकती है। यदि आपका दोस्त मोटा है तो आपके भी मोटे होने की आशंका 57 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। ऐसा विवाहित जोड़ियों या सगे भाई-बहनों के साथ भी हो सकता है, क्योंकि काफी हद तक वे एक-दूसरे से जुड़े होते हैं।

आप हेल्दी वेट हैं या नहीं

किसी भी वयस्क की लंबाई और वजन को ध्यान में रखकर उसके सही बॉडी वेट या फैट को तय करना ही बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई कहलाता है। अपना बीएमआई जानने के लिए आप अपने वजन को किलोग्राम में और लंबाई को मीटर में माप लें। अब लंबाई की माप को वर्ग कर लें यानी उस लंबाई में उतने से ही गुणा कर दें। अब वजन में अंतिम रूप से प्राप्त लंबाई से भाग दे दें। मान लें कि आपका वजन 70 किलोग्राम है और आपकी लंबाई 1.6 मीटर है। तो बीएमआई निकालने के लिए सबसे पहले लम्बाई का वर्ग कर लें यानी 1.6 में 1.6 से गुणा कर लें जो 2.56 होगा। अब वजन यानी 70 में 2.56 से भाग दे दें। प्राप्त परिणाम होगा 27.35, जो आपका बीएमआई कहलाएगा। अगर आपका वजन 60 किलोग्राम है और वजन 1.6 मीटर तो आपका बीएमआई 60 में 2.56 से भाग देने से निकलेगा। यह 23.43 होगा। बीएमआई पर नजर रखकर आप अपने वजन पर खुद भी नियंत्रण रख सकते हैं। यदि आप ओवरवेट हैं या फिर मोटापे के शिकार हैं तो पहले खुद को और मोटे होने से रोकें। तभी बाद में आप अपना वजन कम करने पर ध्यान दे पाएंगे। यदि आपकी बीएमआई रेंज हेल्दी है तो अच्छी डाइट और एक्सरसाइज प्लान के जरिए बाद में आप अपना वजन बढ़ा भी सकते हैं।

वेस्ट साइज

यदि आपका बीएमआई आपको हेल्दी वेट वाला बताता है तो आपके कमर की माप लेना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह खासतौर से भारतीयों पर लागू होता है, क्योंकि भारतीयों की कमर चौड़ी होती है। यदि आप महिला हैं और आपका वेस्ट साइज 80 से.मी. से ज्यादा है या आप पुरुष हैं और आपका वेस्ट साइज 90 से.मी. से ज्यादा है तो आपके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त होने की आशंका प्रबल है और आपके हार्ट डिजीज, टाइप टू डायबिटीज, ब्रेस्ट कैंसर से ग्रस्त होने और प्री-मैच्योर डेथ की अधिक आशंका है। ध्यान रखें कि पुरुषों के कमर के आसपास और महिलाओं के लोअर बॉडी में फैट बढ़ने की संभावना अधिक रहती है।

वेस्ट साइज मापने का सही तरीका

सीधे खड़े होकर टेप से आप हिप बोन्स के ठीक ऊपर का हिस्सा मापें। ऐसा सांस छोड़ने के तुरंत बाद करें। यदि आपका बीएमआई या कमर की गोलाई हेल्दी लिमिट्स को पार कर रही हो तो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाली बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप वजन कम करने की योजना बनाएं।

सीने के दर्द को न करें दरकिनार

सीने का दर्द एंजाइना के शुरुआती लक्षणों में से एक है, जो आगे चलकर दिल का मरीज बना सकता है। इसे महिलाओं के लिए साइलेंट किलर कहा जाता है।

आशा 54 वर्ष की उम्र में भी बेहद नियमित और सक्रिय रहने वाली महिला रही है। थोड़ी बहुत शारीरिक परेशानी के नाम पर उन्हें कभी-कभार चेस्ट पेन की शिकायत होती थी। लेकिन इसे वह ज्यादा तवज्जो नहीं देती थीं। एक रोज अचानक जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा तो किसी को यकीन नहीं हुआ कि बेहद नियमित दिनचर्या वाली आशा को भी ऐसी परेशानी हो सकती है। दिल का दौरा पड़ने के बाद समय पर उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने से उनकी जान तो बच गई, लेकिन तमाम जांच-पड़ताल के बाद डॉक्टरों ने जो बताया, वह चौंकाने वाला था। डॉक्टरों का कहना था कि आशा को दिल का दौरा यूं ही अचानक नहीं पड़ा। समय-समय पर उनके सीने में होने वाला हल्का दर्द ही इस बात का संकेत दे रहा था कि उनका दिल बीमार है और उसे दवा और देखरेख की जरूरत है। लेकिन राधा ने उस दर्द पर ध्यान न देकर खुद को हृदय रोगी बना लिया। आमतौर पर महिलाएं सीने में उठने वाले हल्के दर्द पर ध्यान नहीं देती हैं, जो आगे जाकर बड़ी समस्या का रूप ले लेता है। आमतौर पर सीने में होने वाले इस दर्द को 'एंजाइना' कहा जाता है, जिसे मेडिकल लैंग्वेज में एंजाइना पेक्टोरिस के नाम से जाना जाता है।

खून की कमी

'एंजाइना की समस्या तब होती है, जब कोरोनरी डिजीज के चलते हार्ट तक पहुंचने वाले रक्त की मात्रा कम होती जाती है। हार्ट को ऑक्सीजन की कमी महसूस होने लगती है, जो दर्द के रूप में सामने आती है। एंजाइना कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह हार्ट से जुड़ी समस्या बन आप पर हावी होने का संकेत देती है। कभी एंजाइना का दर्द सीने के अलावा एक तरफ की बांह, कंधे, जबड़ों, गर्दन और कमर में भी होता है।' ऐसे में एंजाइना को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि एंजाइना से आमतौर पर पुरुष ही प्रभावित होते हैं, लेकिन अध्ययन बताते हैं कि अधिकतर महिलाओं को अगर हार्टअटैक की समस्या होती है तो इसकी एक बड़ी वजह एंजाइना ही होता है। एंजाइना के चलते मरीज को सीने में होने वाला दर्द, अजीब-सा भारीपन, सांस लेने में ज्यादा दबाव डालना आदि संकेत मिलते हैं। कभी-कभी एंजाइना से पीड़ित महिला को भूख न लगना, लगातार पसीना निकलना और कंपकंपी की शिकायत भी होती है।

स्टेबल एंजाइना की परेशानी

'महिलाओं में आमतौर पर स्टेबल एंजाइना की परेशानी ही ज्यादा देखने को मिलती है, जो थोड़ी देर आराम करने के बाद नियंत्रित हो जाती है। इसी कारण महिलाएं इस समस्या को ज्यादा तवज्जो नहीं देती हैं। अगर एंजाइना को शुरुआती लक्षणों के दौरान भांप लिया जाए तो दवाओं से इसे नियंत्रित किया जा सकता है और हार्ट से जुड़े खतरे को टाला जा सकता है।'

गुस्से को कहिए बाय-बाय

गुस्सा आएगा तो स्वाभाविक है कि वह किसी न किसी तरह बाहर भी निकलेगा। कई बार हम गुस्से को गलत तरीके से भी बाहर निकालते हैं और हम अपना ही नुकसान कर बैठते हैं, लेकिन कुछ समझ-बूझ और संयम से भी गुस्से को बढ़ने से रोका जा सकता है।

जब गुस्सा आता है तो दिल करता है आसपास तोड़-फोड़ कर दूं। जोर से चीखूं, चिल्लाऊं। गुस्सा आने पर हमारी स्थिति कुछ ऐसी ही होती है। बिना सोचे-समझे कोई भी कदम उठा लेते हैं। गुस्से को कैसे कम किया जाए और गुस्सा आने पर खुद को कैसे संभालें। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार कई महत्वपूर्ण बातें हैं, जिनसे गुस्से को काबू किया जा सकता है।

गलती का एहसास

गुस्से पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है सबसे पहले एहसास होना कि हम कुछ गलत कर रहे हैं और गुस्सा खत्म करने की इच्छा हो। अगर गलत करने का पछतावा ही नहीं होगा तो उसे सुधारने की इच्छा कैसे जागेगी। तो इस गुस्से की समस्या पर पहले ही जीत क्यों न हासिल करें।

वजह को समझो: जॉब छूटने पर, कैरियर में असफल होने पर या किसी निजी परेशानी या अन्य कारणों से तनाव बढ़ने से स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। तो ऐसे में गुस्से की वजह को जानने की कोशिश करें। जानें कि क्यों आपके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ रहा है। कारणों को समझकर उसे हल करने का प्रयास करें।

बात करें: कई बार दोस्तों, पति-पत्नी या परिवार के बीच कुछ गलतफहमियां या टकराव हो जाता है, जो गुस्से का कारण बनता है। ऐसे में बात करके गिले-शिकवे दूर करें। बात करने से आपसी गलतफहमी भी दूर होगी और सब सामान्य हो जाएगा।

परिस्थितियों को स्वीकारें: कई बार ऐसी स्थितियां होती हैं, जिनसे न हम आगे बढ़ पाते हैं और न उन्हें बदल सकते हैं। ऐसे में धीरे-धीरे मन में खीझ उत्पन्न होने लगती है। इसलिए आवश्यक है कि उन परिस्थितियों को स्वीकार किया जाए। उनसे भागने और परेशान होने की बजाए कारणों को स्वीकारें और जिंदगी में आगे बढ़ें।

भागादौड़ी से बचें: रोडवेज की कितनी ही घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। गुस्से के भयानक परिणाम ऐसी घटनाओं में नजर आते हैं। अक्सर होता ये है कि हम जल्दी में घर से निकलते हैं। रास्ते में जाम लगने या किसी गाड़ी या पैदल यात्री के कारण जरा सा भी लेट हो जाएं तो चिंता बढ़ जाती है, जो गुस्से के रूप में बाहर निकलती है। इसलिए जहां भी जाएं, थोड़ा जल्दी घर से निकलें।

बेहतर है कहीं जाना: गुस्सा रोकने के लिए आवश्यक है कि ध्यान कहीं और लगाएं। जब गुस्सा आ रहा हो तो उस जगह से चले जाएं। वहां रहेंगे तो गुस्सा और बढ़ेगा। वहां से चले जाने पर ध्यान झगड़े से हट जाएगा।

गहरी सांस लें

गुस्से के वक्त कहीं दूर जाकर लंबी गहरी सांसें लें। शरीर में सांस के अंदर-बाहर जाने की प्रक्रिया को महसूस करें। इससे आपका ध्यान गुस्से से हटकर सांस लेने पर चला जाएगा, जिससे गुस्सा कम हो जाएगा। इसके अलावा 1 से लेकर 10 तक गिनती भी गिन सकते हैं।

ऊर्जा का उचित उपयोग: गुस्सा आने पर शरीर में हार्मोन्स में कई बदलाव होते हैं, जिनसे शरीर लड़ने के लिए एकदम तैयार हो जाता है। उस समय शरीर में उत्पन्न ऊर्जा को लड़ाई में न लगाकर किसी अन्य काम में लगाएं। जैसे घूमने निकलें, व्यायाम करें, डांस करें, बास्केट बॉल या घर पर बॉक्सिंग करें, या कुछ अन्य काम। इससे ऊर्जा इन कामों के जरिए बाहर निकल आएगी और गुस्सा अपने आप कम हो जाएगा।

बात न करें: गुस्सा आने पर कोशिश करें कि किसी से भी बात न हो। भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएं। इससे आपका गुस्सा कुछ समय बाद अपने आप समाप्त हो जाएगा।

परिणामों पर सोचें: गुस्से में कोई कदम उठाने के बाद उसके परिणाम भी भुगतने पड़ जाते हैं। इसलिए गुस्से में कुछ करने से पहले बाद में होने वाले परिणामों के बारे में सोचने की कोशिश करें।

हेल्थ प्लस

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डियोडरेंट्स

गर्मियां हो या सर्दियां डियोडरेंट का प्रयोग आम हो चला है। लड़कियां व महिलाएं इसका प्रयोग ज्यादातर करती हैं लेकिन वह नहीं जानती कि डियोडरेंट उनकी कोमल त्वचा को हानि पहुंचा सकता है क्योंकि इसमें एल्युमीनियम निर्मित लवणों का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को हानि पहुंचा सकते हैं....

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिये बाजार में विभिन्न प्रकार के खुशबुओं के डियोडरेंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरेंट्स का मजा पांच-सितारा होटल और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरेंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

- महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरेंटस सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरेंट्स में अल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाये जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को नुक्सान पहुंचाते हैं। आइये, डियोडरेंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें।
- डियोडरेंटस त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरेंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाये तो आंखे लाल हो जाती हैं और अगर तुरंत शुद्ध पानी से न धोया जाये तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले अल्यूमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुलकर लंबे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है और अचानक इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नींबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।
- बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि यह सेहत के लिये हानिकारक हैं। डियोडरेंट अगर अल्यूमीनियम क्लोरोहाईड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित हैं। प्रोपेन, ब्युटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

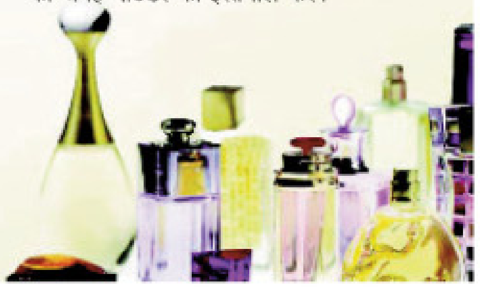

ताकि त्वचा रहे स्वस्थ

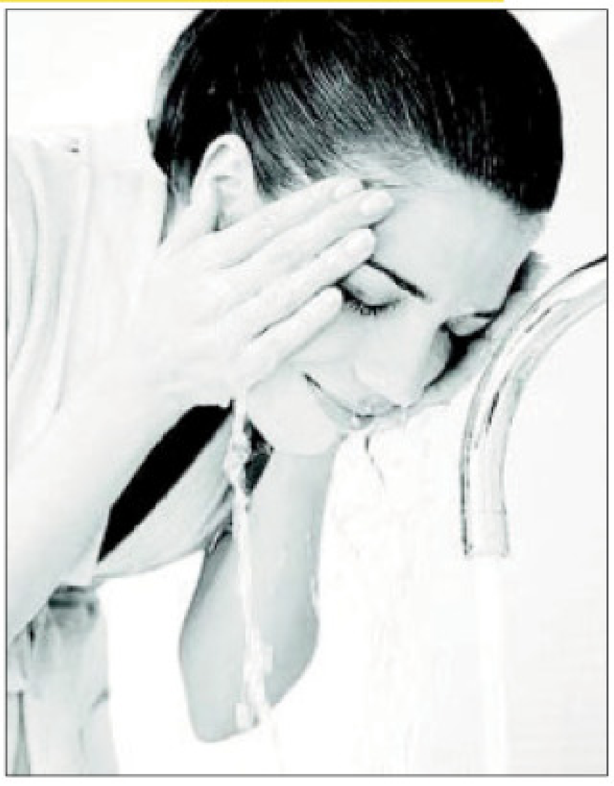

सुंदर और बेदाग त्वचा व्यक्तित्व निखार का कारण बनती है, वहीं उन्हें दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्रदान करती है। त्वचा किसी को भी संरक्षण प्रदान कर उसका कायाकल्प करती रहती है, अतः हर किसी को त्वचा की देखभाल अच्छी तरह करनी आनी ही चाहिए। इसके लिए सर्वप्रथम हमें शरीर को पांच भागों में विभक्त करना होगा।

- चेहरे की स्वच्छता एवं साफ सफाई।
- शरीर के विभिन्न हिस्सों की सफाई।
- शरीर स्थित पैर, एड़ी, पंजे एवं अंगुलियों की सफाई।
- सिर स्थित बालों की सफाई।
- त्वचा की सफाई हेतु अक्सर और अधिकांशतः सभी लोग साबुन का प्रयोग करते हैं अथवा तरल साबुन का जिसे शैंपू भी कहा जता है। साबुन लगाने के बाद सारा शरीर अच्छी तरह मल कर झांवे से रगड़कर पहले शरीर स्थित मैल उतरने देना चाहिए। तत्पश्चात पानी से खूब अच्छी तरह धो लेना चाहिए जिससे सारा साबुन भी मैल के साथ धुल जाए।
- अक्सर चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। जब मुंहासे हों तो अपना तकिया और उसका गिलाफ हमेशा स्वच्छ रखें। मानसिक प्रफुल्लता एवं संतोष हेतु समय समय पर बदलते रहना चाहिए।
- मुंहासों के लिए जरूरी नहीं कि महंगा उपचार किया जाए। सस्ते देसी हर्बल टिप्स से भी अक्सर लाभकारी अनुभव होता हैं। कील-मुंहासे भी दूर हो जाते हैं। नीम और पुदीना का प्रयोग सबसे सस्ती विधि है।
- शरीर को धूप से बचाना भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए निहायत जरूरी होता है वरना त्वचा के झुलस जाने और काले पड़ जाने की असीम संभावनाएं रहती हैं इससे बचने के लिए घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम या माइश्चराइजर अवश्य ही लगाना चाहिए।
- नहाते समय एड़ी, पंजों और पोरों तथा उंगलियों के बीच की त्वचा बहुत अच्छी तरह से साफ करनी चाहिए। नहाने के बाद शरीर पोंछ कर कोल्ड क्रीम, वैसलीन अवश्य लगानी चाहिए।
- विशेष ख्याल रखना चाहिए कि एड़ियां कटी-फटी न हों, वरना धूल मिट्टी के संसर्ग में आने पर कई संक्रामक रोग हो जाते हैं। एड़ियां कटी फटी हों तो फौरन उरचार करें।

बचिए... कमर दर्द के खतरे से

कमर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं। कमर दर्द को साधारण मानकर टाल देना खतरनाक हो सकता है। इसलिए हमें कमर को स्वस्थ रखना होगा। कमर दर्द के संबंध में जागरुक कैसे रहें, आइए जानते हैं।

कमर दर्द कई कारणों से हो सकता है। ऑस्टियो ऑर्थिराइटिस (जब जोड़ों में कार्टिलेज की कमी हो जाती है), स्लिप्ड डिस्क किसी भारी चीज को उठाते समय शरीर का मुड़ जाना, रियुमटोइड ऑर्थिराइटिस (एक दर्दभरी स्थिति जिससे कमर दर्द होता है) और रिफरड पेन जिसका आपकी कमर से सीधा संबंध हो, लेकिन उसे प्रभावित करे। इसके अलावा भी कई अन्य कारण कमर दर्द के हो सकते हैं, जैसे सही पोश्चर में न बैठना, खराब जूते पहनना आदि।

क्या खाएँ- 30 की उम्र तक आपका शरीर प्रोटो गलिकन्स का उत्पादन करता है, जो हड्डियों को सुरक्षा प्रदान करता है। जब आप 30 को पार कर जाएँ तो इस उत्पादन को जारी रखने के लिए वे फूड्स खाएँ जिनमें प्रोटीन और कैल्शियम की अधिकता होती है। अपने आहार में शामिल करें- फल, सब्जियाँ, दूध, अनाज।

व्यायाम करें- कमर की हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रैच आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाए रखती है। नतीजतन कमर दर्द नहीं होता। इसके लिए आप कोई भी एक्सरसाइज चुन सकते हैं, लेकिन अगर किसी समस्या से ग्रसित हैं तो पर्याप्त मार्गदर्शन जरूर लें।

मोटापा कम करें- अत्यधिक वजन कमर में चोट का कारण बन सकता है जिससे कमर दर्द हो सकता है। इसलिए अतिरिक्त वजन को फौरन कम करें।

तनावरहित रहें- तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्न होता है। तनावमुक्त रहें। योग करें, ध्यान लगाएँ।

पोश्चर- एक ही स्थिति में अधिक देर तक न बैठे रहें। उठें और वॉक करें। साथ ही जब कोई चीज उठाएँ तो घुटनों को मोड़ पूरी तरह झुकने की बजाय पंजों पर बैठें। इससे कमर पर दबाव काफी हद तक कम हो जाता है।

खास मंत्र- अपने काम को वार्म अप करके कमर को कमान बना लें और स्ट्रेच करें। इस तरह आप कुछ सेकंड में ही ऊर्जा से भर जाएँगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी रूखता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

काकुरो पहेली 5012

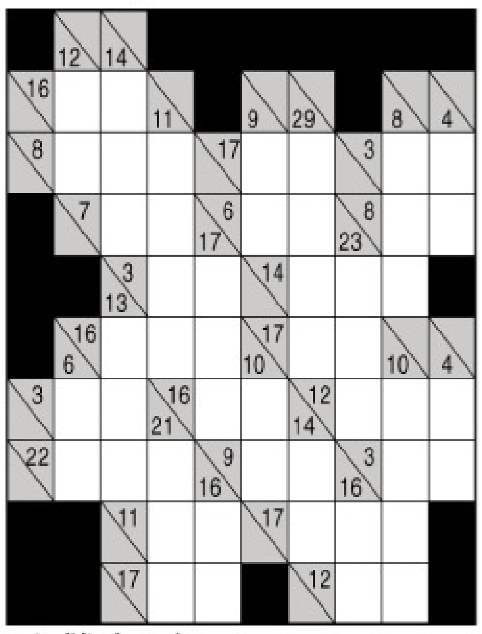

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

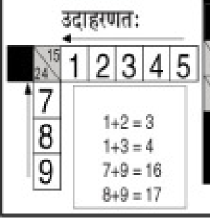

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 5011 का हल

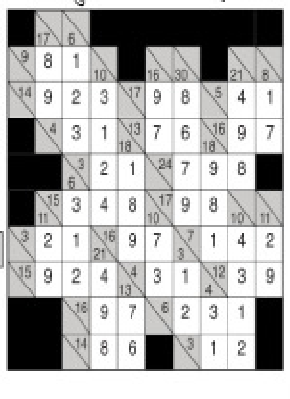

लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

फिल्म वर्ग पहेली-5012

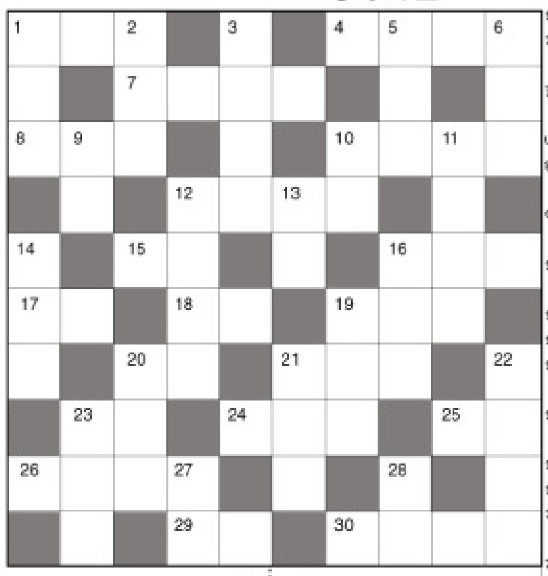

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरुख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-5011

सूडोकु -5012

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5011 हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 5012

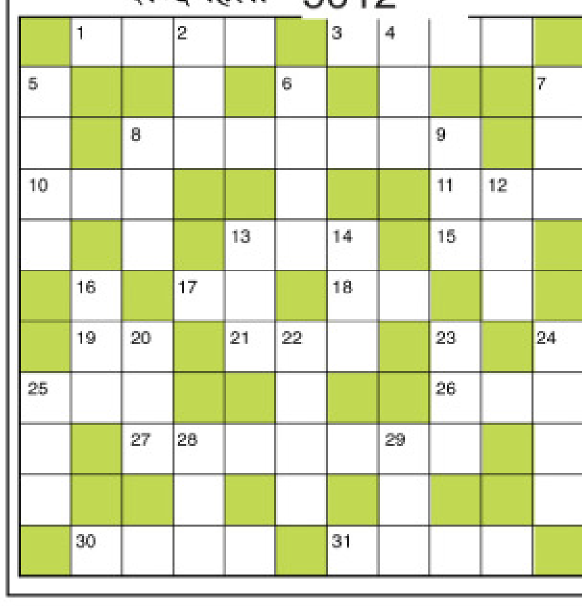

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -5011 हल

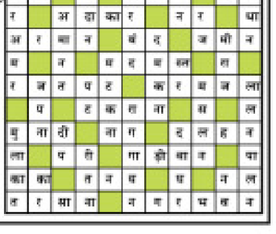

विक्रम मिस्त्री ने संभाला विदेश सचिव का कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राजनयिक विक्रम मिस्त्री ने विदेश सचिव का पदभार ग्रहण कर लिया। वह देश के 35वें विदेश सचिव बने हैं। इससे पहले उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। विदेश मंत्रालय में प्रवक्ता रणदीप जायसवाल ने उनके पदभार ग्रहण करने की जानकारी साझा की। विक्रम मिस्त्री स्पेन, म्यांमार और चीन में भारत के राजदूत रहे हैं। उन्हीं के कार्यकाल में चीन के साथ भारत का गलवान घाटी को लेकर गतिरोध पैदा हुआ था जिसमें स्थिति को संभालने में उनकी बड़ी भूमिका रही थी। उन्होंने विनय मोहन क्वात्रा का स्थान लिया। क्वात्रा सेवानिवृत हो गए हैं।

मुख्यमंत्री से मिला उत्तराखंड निकाय कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल

हरिद्वार। उत्तराखंड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मिलकर ज्ञापन दिया और नगर निकाय कर्मचारियों की लंबित मांगों और समस्याओं को दूर करने की मांग की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने निजी सचिव को शहरी विकास सचिव से वार्ता कर समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। मोर्चा के मुख्य संयोजक सुरेंद्र तेश्वर व संयोजक राजेंद्र श्रमिक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने समस्याओं को गंभीरता से सुना और निस्तारण करने को कहा। प्रतिनिधि मंडल में मोर्चा के मुख्य संयोजक सुरेंद्र तेश्वर, संयोजक राजेंद्र श्रमिक, संतोष गौरव, अजय कुमार सौदा, प्रवीण तेश्वर, सलेकचंद, गगन कुमार कांगड़ा, जितेंद्र तेश्वर, नरेश गोगलिया, सोनू चंचल, जुगनू कांगड़ा, अमित कुमार आदि शामिल रहे।

मुरादाबाद रोडवेज की बस पलटी, 20 घायल

हरिद्वार। हरिद्वार में शाम मुरादाबाद रोडवेज डिपो की एक बस हादसे का शिकार हो गई। बस अनियंत्रित होकर सीसीआर के सामने ऊंचा पुल पर पलट गई और दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग में गेट के पास नीचे जा गिरी। बस के नीचे गिरते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में 20 यात्री घायल हो गए हैं। जिनमें से एक महिला की हालत गंभीर है। दुर्घटना शाम करीब साढ़े पांच बजे की है। मुरादाबाद रोडवेज की बस हरिद्वार आ रही थी। तभी बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई और हाईवे की सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग के एंट्री गेट पर नीचे गिर गई। पुलिस के मुताबिक बस में लगभग 35 से 40 सवारियां बैठी थीं। जिनमें से 20 यात्री घायल हुए हैं। घायलों को 108 एंबुलेंस और स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया गया। रोड़ी बेलवाला चौकी प्रभारी यशवीर सिंह ने बताया कि घायलों का उपचार चल रहा है। इनमें से दिव्या निवासी देहरादून, नरेश निवासी बिजनौर, आरती ध्यानी श्यामपुर, हरिद्वार,अन्नपूर्णा ध्यानी श्यामपुर ऋषिकेश गंभीर घायल हुए हैं जबकि सुमन निवासी हरिद्वार को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान और नवनियुक्त थल सेना प्रमुख ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। दिल्ली भ्रमण के दौरान उत्तराखण्ड सदन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) से सीडीएस जनरल अनिल चौहान और नवनियुक्त थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि हमारे सशस्त्र सेनाओं के बीच जो सामंजस्य और एकीकरण देखने को मिलता है, वह अभूतपूर्व है। सैन्य भूमि उत्तराखंड के सपूत होने पर प्रदेशवासियों को आप पर गर्व है। इस अवसर पर राज्यपाल ने जनरल चौहान से कहा कि उत्तराखंड सैन्य बाहुल्य प्रदेश है और यहां से लगभग प्रत्येक परिवार से कोई न कोई देश की सेवा कर रहा है। वहीं यहां पूर्व सैनिकों की संख्या भी अधिक है। इस बात को मद्देनजर रखते हुए उन्होंने सीडीएस से पूर्व सैनिकों की समस्याओं, सुदूरवर्ती क्षेत्रों में ईसीएचएस की सुविधा बढ़ाने की ओर कार्य करने हेतु अनुरोध किया। इस दौरान राज्यपाल ने जम्मू कश्मीर में सैन्य सेवा के दौरान एक साथ बिताए गए समय को भी याद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने जनरल द्विवेदी को अपनी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जनरल द्विवेदी से अग्निपथ योजना और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान राज्यपाल ने सेना में एक साथ सेवा के समय को भी याद किया।

उद्यान विभाग हरेला पर 9.50 लाख और ग्राम्य विकास विभाग 15 लाख से अधिक पौधों का करेगा वितरण

देहरादून। उद्यान विभाग हरेला पर प्रदेशभर में 9.50 लाख और ग्राम्य विकास विभाग 15 लाख फलदार पौधों का वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। कृषि मंत्री ने प्रदेशवासियों से इस हरेला पर एक पेड़ मां के नाम अभियान में अधिक से अधिक अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वाहन किया है। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून सालावाला कॉम्प्लेक्स में पर्यावरण को समर्पित उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक परम्परा का प्रतीक हरेला लोकपर्व के उपलक्ष्य में उद्यान विभाग की ओर से आयोजित निश्शुल्क फलदार पौधों के वितरण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विभिन्न प्रजाति के फलदार पौधों का वितरण किया गया।

फेडएक्स प्रतियोगिता के विजेता सिंगापुर में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व की प्रमुख एक्सप्रेस परिवहन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन ने 2024 फेडएक्स और जूनियर अचीवमेंट इंटरनेशनल ट्रेड चैलेंज (फेडएक्स/जेए आईटीसी) इंडिया नेशनल प्रतियोगिताओं के छह विजेता विद्यार्थियों की घोषणा की है। यह विजेता अगले माह अगस्त में सिंगापुर में होने वाली फेडएक्?स/जेए आईटीसी एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका क्षेत्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन की विज्ञप्ति के अनुसार, स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाईस्कूल चंडीगढ़ के करण बरार, अथर्व तेग रट्टन, डॉ. बीआर आम्बेडकर स्कूल ऑफ स्पेश्यलाइज्ड एक्सीलेंस कालकाजी के अंश बेनीवाल, रशमि सिन्हा, स्कॉटिश हाई इंटरनेशनल स्कूल गुरुग्राम के गायत्री सरीन और काशवी कुमार प्रतियोगिता में विजयी हुए हैं। यह युवा सिंगापुर में आयोजित रीजनल फाइनल?स में भारत क प्रतिनिधित्व करेंगे। कोरोना महामारी के बाद यह पहली बार है, जब इस वर्ष एशिया पैसिफिक रीजनल फाइनल्स का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में भारतीय विजेता हॉन्गकॉन्ग, जापान, इंडोनेशिया, कोरिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के विद्यार्थियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। फेडएक्स एक वरिष्ठ अधिकारी नितिन नवनीत टाटीवाला ने इन विद्यार्थियों को बधाई दी है।

संसदीय मर्यादा सीखें राहुल गांधी : केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। जनसत्ता के संस्थापक संपादक प्रभाष जोशी की स्मृति में राजघाट के निकट गांधी स्मृति में एक भव्य आयोजन हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को लोकतंत्र में संसदीय मर्यादा विषय पर स्मारक व्याख्यान देना था। अस्वस्थ होने के कारण उन्होंने यह लिखित रूप में भेजा, जिसमें उन्होंने संसद के कुछ दिन पूर्व हुए सत्र में विपक्षी दलों के व्यवहार की कठोर शब्दों में आलोचना की। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है जब विपक्ष के नेता कठिन तथ्यहीन और अशोभनीय बातें कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता का यह दायित्व है कि वह उन श्रेष्ठ परंपराओं का निर्वाह करें जो संसदीय राजनीति को मजबूत बनाती है। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान नारेबाजी और वाकआउट को भी विपक्ष की कमजोरी और नाकामी बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रतिपक्ष के नेता का अमर्यादित भाषण भी बड़ी शांति से सुना था। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र यहां की जनता के द्वारा पालित और पोषित किया जाता है जो लोग भी संसद की मर्यादाओं को जितनी जल्दी सीख लेंगे उतना अच्छा है अन्यथा जनता उन्हें सुधार देगी। इस अवसर पर जनता दल यूनाइटेड के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि इस बार का विपक्ष बहुत हताश है और इस कारण वह संसदीय परंपराओं को ताक पर रखकर केवल हंगामा खड़ा करना चाहता है। उन्होंने आपातकाल की यादें ताजा करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी के उदय के साथ ही आंतरिक लोकतंत्र समाप्त होने लगा था। उन्होंने कांग्रेस के भीतर भी लोकतंत्र खत्म किया और उसके बाद देश से भी लोकतंत्र खत्म करने का प्रयास किया। उसी कड़ी में उन्होंने आपातकाल लगाया जो भारतीय संविधान की हत्या ही है। इस अवसर पर पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने प्रभाष जोशी की पत्रकारिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव लोकमत को प्रमुखता दी।

बीएमएस का 70वां स्थापना दिवस समारोह 23 जुलाई को, संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले होंगे शामिल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल से कभी शुरू हुआ एक छोटा सा प्रयास भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इतना बड़ा हो जाएगा कि न सिर्फ भारत में बलकि वह दुनिया का सबसे बड़ा मजदूर संगठन बन जाएगा, इसकी कल्पना तो शायद संगठन का प्रारंभ कर रहे लोगों को भी नहीं रही होगी, लेकिन यह वर्तमान की हकीकत है। बीएमएस की छतरी में आज साढ़े छह हजार से अधिक मजदूर यूनियनें एवं अन्य संगठन हैं। ऐसे में यह संगठन जिस स्थान से शुरू हुआ, वहीं अपना 70 वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है।

इस संबंध में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि संगठन अपना 23 जुलाई को 70वां स्थापना दिवस मना रहा है। मुख्य कार्यक्रम मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में होगा। इसमें कि कई अन्य आयोजन भी होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर बैठकों का दौर भी जारी है। मुख्य आयोजन दोपहर साढ़े तीन बजे से रवींद्र भवन में होना है । भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हिरनम्य पंड्या की अध्यक्षता में होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले करेंगे। संजय सिंह ने बताया कि भारत के इस सबसे बड़े मजदूर संगठन की शुरूआत भोपाल में 23 जुलाई 1955 में सिरोजिया अग्रवाल पंचायती भवन से की गई थी, जिसे लोग आज अग्रवाल धर्मशाला के नाम से जानते हैं। महान विचारक दत्तोपन्त ठेंगडी द्वारा प्रख्यात स्वतन्त्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के जन्मदिवस को इसकी स्थापना के लिए चुना गया था, इसलिए जब 23 जुलाई को इस संगठन की स्थापना की गई, उस वक्त मुख्य तौर पर दत्तोपंथ ठेंगड़ी समेत अटल बिहारी वाजपेयी, कुशाभाऊ ठाकरे, मानकचंद्र चौबे एवं अन्य कुछ लोगों की मुख्य भूमिका रही थी।

उन्होंने बताया कि भारत के अन्य श्रम संगठनों की तरह यह किसी संगठन के विभाजन के कारण से नहीं बना वरन एक भारत केंद्रित विचारधारा के लोगों का सम्मिलित प्रयास का परिणाम था। इनके साथ ही संगठन की व्यवस्था में लगे बाबूलाल गौर, रामप्रसाद पहलवान जैसे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने इसे फिर आगे ले जाने का कार्य किया।

झारखंड पहला राज्य जहां किलो के भाव बिकता है बालू : शिवराज

एजेंसी

रांची। केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान अब लगातार झारखंड सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। उन्होंने हेमंत सरकार पर जनता से वादा खिलाफी और छल करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि इस सरकार के पांच साल अब पूरे होने जा रहे हैं। इन पांच सालों में उनकी उपलब्धियां क्या हैं? एक निश्चय पत्र है जेएमएम का और एक जन घोषणा पत्र है कांग्रेस का। उन्होंने अखबार में छपी खबर को दिखाते हुए कहा कि झारखंड में लूट ऐसी की बालू गरीबों की पहुंच से बाहर है। यह पहला राज्य है जहां किलो में बालू की बिक्री हो रही है। शिवराज प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जेएमएम के निश्चय पत्र में 144 वादे हैं। कांग्रेस के भी जन घोषणा पत्र में 317 वादे हैं। इनमें से पूरा क्या किया? यदि जेएमएम के निश्चय पत्र को देखें इस पर उन्होंने लिखा था बदलो सरकार पाओ अधिकार, हेमंत की बताएं कितने अधिकार उन्होंने जनता को दिए? अधिकार देने के नाम पर सभी वर्गों को ठगने और छलने का काम किया है। मैं आज उनसे उनके निश्चय पत्र पर ही सवाल करना चाहता हूं। इसका पूरा पोस्टमार्टम भाजपा करेगी और एक-एक चीज जनता के सामने रखेगी। शिवराज ने कहा कि युवाओं के लिए निश्चय पत्र में लिखा है कि युवाओं को सरकार के गठन के दो साल के अंदर उनका निश्चय पत्र विभिन्न खाली पड़े सरकारी पदों पर लाखों झारखंडी युवक-युवतियों की नियुक्ति की जाएगी और नौकरी नहीं मिलने पर सभी बेरोजगार स्नातक को पांच हजार रुपये और स्नातकोत्तर को सात हजार रुपये का भत्ता दिया जाएगा। हेमंत ये बताएं कि कितनी नौकरी दी और जिन्हें नौकरी नहीं दी उनमें से कितने नौजवानों को पांच हजार और सात हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता दिए।

विश्वभारती में बांग्लादेशी संग्रहालय को और विकसित करने पर जोर

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक विश्व भारती विश्वविद्यालय में बांग्लादेश को समर्पित संग्रहालय को और विकसित किया जाएगा। यह निर्णय बांग्लादेश सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल के विश्व भारती विश्वविद्यालय के दौरे के बाद लिया गया है। सोमवार को विश्वविद्यालय के सूत्रों ने बताया है की प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश भवन में संग्रहालय के नवीनीकरण और

प्रधानमंत्री मोदी ने किया था उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना ने 25 मई 2018 को बांग्लादेश भवन का उद्घाटन किया था। इस भवन का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करना है। विश्वभारती ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बांग्लादेश सरकार के संस्कृति मंत्रालय की टीम ने 13 जुलाई को कार्यकारी कुलपति अरविंद मंडल और बांग्लादेश भवन के मुख्य समन्वयक मानवेंद्र मुखोपाध्याय के साथ बातचीत की। इस बैठक में 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति और कुछ अन्य कलाकृतियों को विश्व-भारती के अधिकारियों को सौंपा गया।

संग्रहालय की देखभाल पर जताया संतोष

प्रतिनिधिमंडल ने विश्व भारती के रजिस्ट्रार अशोक महतो से भी मुलाकात की और संग्रहालय की प्रदर्शनी को संरक्षित और बनाए रखने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधिमंडल में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के उप सचिव, मोहम्मद सैफुल इस्लाम, और बांग्लादेश राष्ट्रीय संग्रहालय के तीन प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने बांग्लादेश भवन संग्रहालय की देखभाल, रखरखाव और नवीनीकरण के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

2027 में विजय के संकल्प के साथ भाजपा प्रदेश कार्यसमिति संपन्न

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डा. आम्बेडकर सभागार में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 2027 में विजय के संकल्प के साथ संपन्न हुई। प्रदेश कार्यसमिति में आगामी 10 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के साथ-साथ 2027 के विधानसभा चुनाव की चिंता साफ-साफ भाजपा नेताओं के भाषणों में झलक रही थी। यह चिंता होना लाजमी भी है क्योंकि 2014 के बाद यह पहला चुनाव है जब भाजपा को उत्तर प्रदेश में मात खानी पड़ी है। यही कारण रहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने अपने भाषण में कार्यकर्ताओं से अभी से तैयारी में जुटने का आहवान किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सांसद से लेकर पार्षद तक सभी को अभी से 2027 के लिए जुटना होगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा सांसद के साथ ही विधायकगण, एमएलसी, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, ब्लॉक प्रमुख, चेयरमैन और पार्षद सभी लोग आज से ही 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। 2027 में फिर से प्रदेश में भाजपा का परचम फहरेगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि मैं कार्यकर्ता पहले हूँ, उप मुख्यमंत्री बाद में। कार्यकर्ताओं के लिए हमारा दरवाजा हमेशा खुला है। केशव प्रसाद ने कार्यकर्ताओं से कहा कि निराश के गर्त से बाहर निकलो। हम 2024 की हार का बदला 2027 के विधानसभा चुनाव में लेंगे। उन्होंने कहा कि अब तक जो लक्ष्य लेते थे वह हम पार करते थे। वर्ष 2024 में परिणाम हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहे। इसके लिए हमें चिंतन मंथन करना होगा। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष की बोलेने की हैसियत नहीं थी। आज लगता है जैसे उन्होंने देश जीत लिया हो। उन्होंने कहा कि कार्यसमिति की बैठक में यह तय करके जाना है कि 2027 में सपा बसपा और कांग्रेस एकजुट हो जायें तो भी हमें अपने सामर्थ्य के बल पर 300 पार के लक्ष्य को पार पाना है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा फरेबी विपक्ष के कारनामों के बारे में हमें घर- घर जाकर जानकारी देनी होगी। उन्होंने कहा कि 2027 में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाने के लिए जीतोड़ मेहनत करनी पड़ेगी।

सड़क सुविधा से जुड़ेंगी शाहपुर के धारकंडी क्षेत्र की पंचायतें : पठानिया

एजेंसी

धर्मशाला। कांगड़ा जिला के शाहपुर के धारकंडी क्षेत्र की सभी पंचायतों को सड़क सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि धारकंडी क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो सके। यह उद्गार विस के उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने रविवार को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के भलेड से दुल्ली सड़क भूस्खलन आपदा शमन कार्य के भूमि पूजन करने के उपरांत व्यक्त किए। इसके साथ ही भलेड़ में पौधा रोप कर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ भी किया।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निरंतर विकासात्मक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कहल चंगर और पिछड़े क्षेत्र का विकास हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा भलेड से दुल्ली सड़क आपदा के कारण कई वर्षों से दयनीय स्थिति में थी भूस्खलन आपदा शमन कार्य के होने से यहां के हजारों लोगों को इससे सुविधा मिलेगी।उन्होंने कहा इस कार्य के लिए लगभग 8.40 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं जिसमें से 2.40 करोड़ रुपये का कार्य शुरू हो गया है।उन्होंने कहा इस क्षेत्र में बिजली की समस्या को दुरुस्त करने के लिए नए पावर प्रोजेक्ट और नए ट्रांसफॉर्मर लगाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी से निरंतर पेड़ लगाने की अपील की।उन्होंने कहा भविष्य की पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करना है तो पेड़ों को बचाना होगा। उन्होंने कहा सरकार पेड़ लगाने की अनेकों योजनाएं चला रही है परंतु यह कार्य जनसहयोग के बिना सम्भव नहीं है अतः सभी इस कार्य में सहयोगी बने।

उन्होंने जायका के सहयोग से ट्रेनिंग कर चुके रोशनी स्वयं सहायता समूह को 7 सिलाई मशीनें वितरित कीं। इन मशीनों की सहायता से गांव की महिलाओं को आजीविका कमाने में मदद मिलेगी। उन्होंने जायका और फॉरेस्ट विभाग के कार्य की प्रशंसा की जो मिलकर 20 पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों के लिए कार्य कर रहे हैं।उन्होंने मौके पर उपस्थित लोगों की शिकायतों को भी सुना और अधिकतर शिकायतों का मौके पर निदान किया। उन्होंने खोली स्थित पावर प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया।

पठानिया ने कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत पर दी बधाई

उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कांगड़ा जिला के देहरा में जनबल की जीत हुई जबकि धनबल हार गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के तीन उप चुनावों में से दो कांग्रेस प्रत्याशियों के जीतने पर कांग्रेस के नव निर्वाचित विधायक कमलेश ठाकुर एवं नालागढ़ के नव निर्वाचित बाबा हरदीप सिंह सहित देहरा ओर नालागढ़ की जनता को दी बधाई।

संत की पर्यायवाची ही सेवा होता है : चम्पत राय

एजेंसी

अयोध्या। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की पाक्षिक पत्रिका हिन्दू चेतना का सन्त सेवा संयुक्तांक का विमोचन रामनगरी के प्रमुख संन्तों के सानिध्य में कारसेवकपुरम में किया गया। समारोह का शुभारंभ श्रीराम दरबार के समक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अध्यक्ष एवं श्रीमणिराम दास क्षावनी महन्त नृत्य गोपाल दास जी महाराज के उत्तराधिकारी महन्त कमलनयन दास, विहिप के उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महामंत्री चम्पत राय सहित प्रमुख संन्तों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह की अध्यक्षता महन्त कमलनयन दास ने किया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर से संत और सेवा को पर्यायवाची बताया और इस बात पर जोर दिया कि संत और हिंदू समाज की ओर से किए जाने वाले सेवा कार्यों को व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना चम्पत राय ने व्यक्त करते हुए हिन्दू चेतना के प्रारम्भिक काल से आज तक की स्थिति को सभी संतो के समक्ष स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सन्त की पर्यायवाची सेवा है। यह पत्रिका सन्त समाज के लिए समर्पित रही। उन्होंने कहा कि यह विशेषांक पूरे देश मे सन्त सेवा को लेकर किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे विशेषांकों के माध्यम से ही सेवा कार्यों का प्रकटीकरण होता है। चम्पत राय ने पूज्य संतों-महंतों के लिए हिंदू चेतना जैसी पत्रिका प्रकाशित किए जाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना के तत्काल बाद ऐसी पत्रिका की आवश्यकता प्रतीत हुई, जिसमें संतों द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्यों का वर्णन हो। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि संतों ने सेवा कार्य को कभी बाजार के हिसाब से नहीं देखा। इसलिए ऐसे कार्यों की जानकारी सभी तक नहीं पहुंच पाई। उन्होंने यह सुझाव रखा कि विविध क्षेत्रों में संतों की अगुवाई में किए गए कार्यों की जानकारी देने के लिए ऐसे विशेषांक प्रकाशित होने चाहिए7 उन्होंने संतों या संस्थानों की ओर से चलाए जा रहे बड़े सेवा कार्यों के नाम भी गिनाए। संतों पर वृहत्तर ज्ञान कोष (एन्साइक्लोपीडिया) बनाने की बात भी कही।

आईएएस दिव्या मित्तल ने देवरिया के 68वें डीएम के रूप में संभाला कार्यभार

देवरिया। 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने देवरिया के 68वें डीएम के रूप में कार्यभार संभाला। कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार में देर सायं पदभार ग्रहण करते समय नवागत डीएम ने कहा कि जनहित में शासन की मंशानुरूप कल्याणकारी योजनाओं को लागू कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। आमजन के साथ सीधा संवाद कायम कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। देवरिया जनपद में बतौर जिलाधिकारी तैनाती से पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण सड़क प्राधिकरण के पद पर तैनात थी। इससे पूर्व मिर्जापुर एवं संत कबीरनगर में जिलाधिकारी के तौर पर कार्य कर चुकी हैं। इसके अतिरिक्त बरेली विकास प्राधिकरण की वीसी, संयुक्त एमडी यूपीएसआईडीए, सीडीओ गोंडा और मेरठ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के अतिरिक्त नीति आयोग में सहायक सचिव के रूप में भी उन्होंने कार्य किया है।

संविधान हत्या दिवस का विरोध कर पार्टी के विचारों से विमुख हो गए हैं अखिलेश : स्वाती सिंह

एजेंसी

लखनऊ। 'संविधान हत्या दिवस' की अधिसूचना जारी होने पर सपा सहित कुछ विपक्षी दल काफी हो-हल्ला मचाने की कोशिश कर रहे हैं। सपा तो यह भी भूल गई है कि उस पार्टी की बुनियाद ही आपात काल के विरोध में पड़ा था। अखिलेश यादव को सबसे पहले आगे आकर संविधान हत्या दिवस का समर्थन करना चाहिए। इससे उनकी पिता की आत्मा खुश होती। ये बातें प्रदेश सरकार की पूर्व मंत्री और भाजपा नेत्री स्वाती सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव आपात काल के समय 19 माह जेल में रहे थे। मुलायम सिंह जब तक जिंदा रहे, आपात काल की निंदा करते रहे। स्वाती सिंह ने कहा कि नौ सितंबर 2006 को पहली बार मुलायम सिंह यादव ने ही पूरे प्रदेश के लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को लखनऊ बुलाया था और परिवहन सुविधा की स्वीकृति दी थी। भाजपा के शासन काल में अब उनके सम्मान को बढ़ाते हुए 15 हजार प्रतिमाह से अधिक भत्ता कर दिया।

उन्होंने कहा कि लालू, मुलायम सहित तमाम नेता कांग्रेस के धुर विरोधी लोहिया का नाम लेकर आज भी राजनीति करते हैं। आज वे ही कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं, जबकि इनका जन्म ही कांग्रेस के विरोध में हुआ था। स्वाती सिंह ने कहा कि कांग्रेस के कुछ लोग कह रहे हैं कि पचास साल बाद इसे याद करने की क्या जरूरत है। यदि स्वतंत्रता के 78 साल बाद भी कांग्रेस कुछ लोगों को नाम लेकर वोट मांग सकती है तो लोकतंत्र की हत्या जब हुई थी, तो उसको क्यों नहीं याद किया जाय। इसको आज विस्तार से घर-घर बताने की जरूरत है। आपात काल में अंग्रेजों के शासन काल से ज्यादा अत्याचार हुए थे। 42वां सेशोधन कर संविधान की मूल भावना के साथ छेड़छाड़ किया गया।

उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस ने संविधान को सबसे ज्यादा ठेस पहुंचाया है। कांग्रेस ने हर समय मनमानी की है। कांग्रेस ने केंद्र में रहते हुए 80 बार विधानसभाओं में चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाया है। भाजपा ने कभी सत्ता का दुरुपयोग नहीं किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन देश के लिए समर्पित है। वे गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए हर वक्त प्रयासरत रहते हैं। वहीं कांग्रेस सहित कुछ परिवारवादी पार्टियों के लिए उनका परिवार ही सबकुछ है। इस कारण वे देश के लिए नहीं, सत्ता पाने के लिए काम करते हैं।

शुभता के लिए कैसे करें जाप

उच्चारण का सही तरीका

यदि सुबह जल्दी उठकर जाप कर पाएं तो बहुत अच्छा। यदि ऐसा संभव न हो, तो रात को सोने से पहले इसका जाप करें।

- यदि खुली जगह जैसे कोई मैदान, छत या बगीचा न हो तो कमरे में ही इसका जाप करें।
- जाप के दौरान टीवी, म्यूजिक सिस्टम आदि बंद कर दें। कोशिश करें कि जाप के दौरान शोर न हो।
- साफ जगह पर जमीन पर आसन बिछाकर जाप करें। पलंग या सोफे पर बैठकर जाप न करें।
- ऊं का जाप करने के लिए किसी भगवान की मूर्ति, चित्र, धूप, अगरबत्ती या दीये की जरूरत नहीं होती है।
- साफ आसन पर पद्मासन बैठें और आंखें बंद कर पेट से आवाज निकालते हुए जोर से ऊं का उच्चारण करें। ऊं को जितना लंबा खींच सकें, खींचें। सांस भर जाने पर रुकें और फिर यही प्रक्रिया दोहराएं।
- उच्चारण तेज आवाज में करें।
- उच्चारण खत्म करने के बाद 2 मिनट के लिए ध्यान लगाएं और फिर उठ जाएं।
- इस मंत्र के नियमित जाप से तनाव से पूरी तरह मुक्ति मिलती है।
- के जाप से दिमाग शांत होता है और बहुत-सी शारीरिक तकलीफें दूर होती हैं। इससे आंतरिक और बाह्य विकारों का निदान होता है और नियमित जाप से व्यक्ति के प्रभामंडल में वृद्धि होती है।

श्रावण में कैसे करें शिव को प्रसन्न

- श्रावण मास यानी चहुं और हरियाली का वातावरण जिससे मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रसन्नता भरे मौसम में भगवान की आराधना मन से होती है।
- श्रावण मास में शिव पूजन का विशेष महत्व माना गया है। भगवान शिव जल्दी ही भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं।
- शिवजी को चढ़ाए जाने वाले लता पुष्प भी चहुं और खिल उठते हैं, ताकि भक्तजनों को पूजन सामग्री में कोई कमी नहीं आए।
- आक के फूल, बेलपत्र, धतूरे के फल नीले पुष्प आदि।
- शिवजी को प्रसन्न करने हेतु कोई भी सफेद आंकड़े के फूलों को चढ़ाकर प्रसन्न किया जा सकता है।
- शिवजी को प्रसन्न करने वाला महामृत्युंजय मंत्र इस प्रकार है-
- ऊं ह्रौं जूं सः। ऊं भूः भुवः स्वः। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ऊं। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्। स्वः भुवः भूः ऊं। सः जूं ह्रौं ऊं ॥
- यूं तो मंत्र कई हैं लेकिन कलियुग में जल्द फलित होने वाला व सबसे प्रिय शिव मंत्र इससे दूसरा कोई नहीं है। इसके जपने से रोग, शोक, दुख, जरा मृत्यु के बन्धनों से मुक्ति देने वाला सर्वश्रेष्ठ मंत्र माना गया है।
- उपरोक्त मंत्र को जपते हुए एक सफेद आंकड़े का फूल चढ़ाते जाएं एवं नित्य प्रति सोमवार को कम से कम 108 बार जप अवश्य करें। इस प्रकार आराधना करने से आपकी मनोकामना भगवान अवश्य पूरी करेंगे। श्रद्धा व विश्वास ही फलदायक होता है यह ध्यान में रखें।

हस्तरेखा और वैवाहिक जीवन

हमारे हाथों की अलग- अलग रेखाएं जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में बताती हैं। ऐसी ही एक रेखा है विवाह रेखा। आइए देखते हैं कि यह रेखा हमारे वैवाहिक जीवन के भविष्य के बारे में क्या बताती है-

- यदि बुध क्षेत्र के आसपास विवाह रेखा के साथ-साथ दो-तीन रेखाएं चल रही हों तो व्यक्ति अपने जीवन में पत्नी के अलावा और भी स्त्रियों से रिलेशनशिप में रहता है।
- शुक्र पर्वत पर टेढ़ी रेखाओं की संख्या यदि ज्यादा हैं तो ऐसे व्यक्ति के जीवन में किसी एक स्त्री या पुरुष का विशेष प्रभाव रहता है।
- यदि प्रारम्भ में विवाह रेखा एक, किन्तु बाद में दो से अधिक रेखाओं में विभक्त हो जाए तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति एक साथ कई रिलेशनशिप में रहता है।
- किसी व्यक्ति के विवाह रेखा मे आकर या विवाह रेखा स्थल पर आकर कोई अन्य रेखा मिल रही हो तो प्रेमिका के कारण उसका गृहस्थ जीवन नष्ट होने की संभावना रहती है।
- यदि प्रणय रेखा आरम्भ में पतली और बाद में गहरी होने का मतलब है कि किसी स्त्री अथवा पुरुष के प्रति आकर्षण एवं लगाव आरम्भ में कम था, किन्तु बाद में धीरे-धीरे प्रगाढ़ होता गया है।
- किसी की हथेली में विवाह रेखा एवं कनिष्ठका अंगुली के मध्य से जितनी छोटी एवं स्पष्ट रेखाएं होंगी, उस स्त्री या पुरुष के विवाहोपरान्त अथवा पहले उतने ही प्रेम सम्बन्ध होते हैं।
- विवाह रेखा आपके सुखी वैवाहिक जीवन के बारे में भी बताती है। यदी आपकी विवाह रेखा स्पष्ट तथा ललिमा लिए हुए है तो आपका वैवाहिक जीवन बहुत ही सुखमय होगा।
- गुरू पर्वत पर यदि क्रॉस का निशान लगा हो तो यह शुभ विवाह का संकेत होता है। यदि यह क्रॉस का निशान जीवन रेखा के नज़दीक हो तो विवाह शीघ्र ही होता है।

सूर्य की शाति के लिए प्रातः स्नान करने के बाद सूर्यदेव को जल अर्पित किया जाता है। इसके बाद सूर्य से संबधित वस्तुओं का दान, जप, होम मंत्र धारण व सूर्य की वस्तुओं से जल स्नान करना भी सूर्य के उपायों में आता है। सूर्य की शाति करने के लिए इन पांच विधियों में से किसी भी एक विधि का प्रयोग किया जाता है। गोचर में सूर्य के अनिष्ट प्रभाव को दूर करने में ये उपाय विशेष रूप से उपयोगी हो सकते हैं।

सूर्य शांति के अचूक उपाय

सूर्य कुंडली में आरोग्य शक्ति व पिता के कारक ग्रह होते हैं। जब जन्म कुंडली में सूर्य के दुष्प्रभाव प्राप्त हो रहे हों या फिर सूर्य राहु-केतु से पीड़ित हों तो सूर्य से संबंधित उपाय करना लाभकारी रहता है, विशेषकर ये उपाय सूर्य गोचर में जब शुभ फल न दे रहा हों तो इनमें से कोई भी उपाय किया जा सकता है।

स्नान द्वारा उपाय

जब गोचर में सूर्य अनिष्टकारक हों तो व्यक्ति को स्नान करते समय जल में खसखस या लाल फूल या केसर डालकर स्नान करना शुभ रहता है। खसखस, लाल फूल या केसर ये सभी वस्तुएं सूर्य की कारक वस्तुएं हैं तथा सूर्य के उपाय करने पर अन्य अनिष्टों से बचाव करने के साथ-साथ व्यक्ति में रोगों से लड़ने की शक्ति का विकास होता है। सूर्य के उपाय करने पर उसके पिता के स्वास्थ्य में सुधार की संभावनाओं को सहयोग प्राप्त होता है। सूर्य की वस्तुओं से स्नान करने पर सूर्य की वस्तुओं के गुण व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करते हैं तथा उसके शरीर में सूर्य के गुणों में वृद्धि करते हैं।

सूर्य की वस्तुओं का दान

सूर्य की वस्तुओं से स्नान करने के अतिरिक्त सूर्य की वस्तुओं का दान करने से भी सूर्य के अनिष्ट से बचा जा सकता है। सूर्य की दान देने वाली वस्तुओं में तांबा, गुड़, गेहूं, मसूर दाल दान की जा सकती है। यह दान प्रत्येक रविवार या सूर्य संक्राति के दिन किया जा सकता है। सूर्य ग्रहण के दिन भी सूर्य की वस्तुओं का दान करना लाभकारी रहता है। इस उपाय के अंतर्गत सभी वस्तुओं का एकसाथ भी दान किया जा सकता है। दान करते समय वस्तुओं का वजन अपने सामर्थ्य के अनुसार लिया जा सकता है। दान की जाने वाली वस्तुओं को व्यक्ति अपने संचित धन से दान करे तो अच्छा रहता है। जिसके लिए दान किया जा रहा है उसकी आयु कम होने या अन्य किसी कारण से अगर वह स्वयं वस्तु नहीं ले सकता है, तो उसके परिवार को कोई निकट व्यक्ति भी उसकी ओर से यह दान कर सकता है। दान करते समय व्यक्ति में सूर्य भगवान पर पूरी श्रद्धा व विश्वास होना चाहिए। आस्था में कमी होने पर किसी भी उपाय के पूर्ण शुभ फल प्राप्त नहीं होते हैं।

मंत्र जाप

सूर्य के उपायों में मंत्र जाप भी किया जा सकता है। सूर्य के मंत्रों में ऊं सूर्य आदित्यः मंत्र का जाप किया जा सकता है। इस मंत्र का जाप प्रतिदिन भी किया जा सकता है तथा प्रत्येक रविवार के दिन यह जाप करना विशेष रूप से शुभ फल देता है। प्रतिदिन जाप करने पर मंत्रों की संख्या 10, 20 या 108 हो सकती है। मंत्रों की संख्या को बढ़ाया भी जा सकता है तथा सूर्य से संबंधित अन्य कार्य जैसे हवन इत्यादि में भी इसी मंत्र का जाप करना अनुकूल रहता है। मंत्र का जाप करते समय व्यक्ति को शुद्धता का पूरा ध्यान रखना चाहिए। मंत्र जाप की अवधि में व्यक्ति को जाप करते समय सूर्य देव का ध्यान करना चाहिए। मंत्र जाप करते समय एकाग्रता बनाए रखना चाहिए तथा इसके मध्य में उठना हितकारी नहीं रहता है।

सूर्य यंत्र की स्थापना

सूर्य यंत्र की स्थापना करने के लिए सबसे पहले तांबे के पत्र या भोजपत्र पर विशेष परिस्थितियों में कागज पर ही सूर्य यंत्र का निर्माण कराया जाता है। सूर्य यंत्र में समान आकार के 9 खाने बनाए जाते हैं। इनमें निर्धारित संख्याएं लिखी जाती हैं। ऊपर के 3 खानों में 6, 1, 8 संख्याएं क्रमश- अलग-अलग खानों में होना चाहिए। मध्य के खानों में 7, 5, 3 संख्याएं लिखी जाती हैं तथा अंतिम लाइन के खानों में 2, 9, 4 लिखा जाता है। इस यंत्र की संख्याओं की ?यह विशेषता है कि इनका सम किसी ओर भी किया जाए उसका योगफल 15 ही आता है। संख्याओं को निश्चित खाने में ही लिखना चाहिए। तांबे के पत्र पर ये खाने बनवाकर इनमें संख्याएं लिखवा लेनी चाहिए या फिर भोजपत्र या कागज पर लाल चंदन, केसर, कस्तूरी से इन्हें स्वयं ही बना लेना चाहिए। अनार की कलम से इस यंत्र के खाने बनाना उत्तम होता है। सभी ग्रहों के यंत्र बनाने के लिए इन वस्तुओं व पदार्थों से लेखन किया जा सकता है। सूर्य यंत्र इस प्रकार है।

सूर्य हवन

उपरोक्त जो सूर्य का मंत्र दिया गया है उसी मंत्र को हवन में प्रयोग किया जा सकता है। हवन करने के लिए किसी जानकार पंडित की सहायता ली जा सकती है। सूर्य कुंडली में आरोग्य शक्ति व पिता के कारक ग्रह होते हैं। जब जन्म कुंडली में सूर्य के दुष्प्रभाव प्राप्त हो रहे हों या फिर सूर्य राहु-केतु से पीड़ित हों तो सूर्य से संबंधित उपाय करना लाभकारी रहता है, विशेषकर ये उपाय सूर्य गोचर में जब शुभ फल न दे रहा हों तो इनमें से कोई भी उपाय किया जा सकता है। इसके अलावा जब सूर्य गोचर में छठे घर के स्वामी या सातवें घर के स्वामी पर अपनी दृष्टि डाल उसे पीड़ित कर रहा हों, तब भी इनके उपाय करने से व्यक्ति के कष्टों में कमी होती है।

घर में कहां और कैसे रखें आईना

आईना, जिसके बगैर आपकी खूबसूरती अधूरी है समझिए। वह आईना ही है, जो आपकी खूबसूरती को आपके कॉन्फिडेंस के साथ जोड़े रखता है। लेकिन, वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि आईना यदि सही दिशा और सही स्थिति में हो तो आपका फायदा और न हो तो आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए, जानें घर में कहां और कैसे रखें इसे...

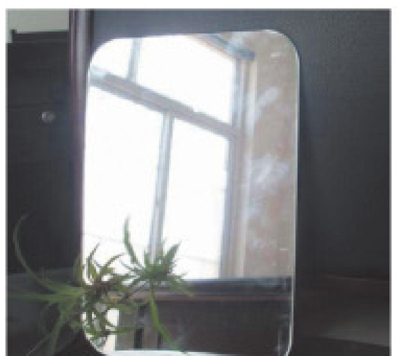

- आप जहां रह रहे हों या जहां आपका ऑफिस हो वहां उत्तर-पूर्व दिशा में दर्पण लगाना चाहिए। आप देखेंगे कि इसके लगाते ही आय में वृद्धि तो शुरू होगी ही साथ ही कमाई के रास्ते आनेवाली बाधाएं भी दूर होंगी।
- आईना लगाते समय यह जरूर ध्यान रखें कि उस आईने में किसी शुभ वस्तु का प्रतिबिंब नज़र आ रहा हो। यह आपके भाग्य में वृद्धि लाता है।
- आईना ऐसी जगह न हो, जिसके ठीक सामने आपके घर या ऑफिस की कोई खिड़की या दरवाजा हो।
- ध्यान रखिए कि किसी भी कमरे में चारों और आईना नहीं लगाना चाहिए। जानते हैं? घर में ऐसी व्यवस्था घर के लोगों में उलझन पैदा कर देती है।
- यदि घर का कोई हिस्सा ऐसा हो, जहां अक्सर अंधेरा ही छाया रहता है तो ऐसे जगह गोल आईना लगाकर रखें। यह निगेटिव एनर्जी को भगाने की क्षमता रखता है।
- यदि आपके बेडरूम में बेड के ठीक सामने कोई आईना हो तो उसे फौरन हटाएं, क्योंकि यह आपके शादीशुदा लाइफ में बाधाएं खड़ी कर सकता है।
- कहते हैं आईना जितना बड़ा और हल्का हो, उसे उतना ही बेहतरीन माना जाता है। घर में आईने की संख्या चाहे कितनी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यह जरूरी है कि आईने ने अलग-अलग टुकड़ों को एकसाथ जोड़कर एक जगह न रखें, क्योंकि इस तरह के आईने में आपका शरीर खंडित नजर आएगा और यह शुभ नहीं माना जाता।
- वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि आईने के ढक कर रखना चाहिए। बेहतर है कि आईने को अपनी अलमारियों के अंदर फिट कराएं या फिर ऐसा ड्रेसिंग टेबल हो जिसका आईना उसे खोलने के बाद नज़र आता हो।

कभी घर न लाएं ये 5 चीजें

भारतीय वास्तु विज्ञान चाइनीज़ फेंगशुई से काफी मिलता जुलता है। यह प्राकृतिक शक्तियों को मनुष्य के लिए उपयोगी बनाने की एक कलात्मक परंपरा है। हम अक्सर सुनते आए हैं कि घर में क्या रखना अच्छा होता है और क्या रखना बुरा। आइए, आज आपको बताते हैं कि घर में कौन-सी 6 चीजें कभी नहीं रखनी चाहिए-

- **महाभारत की तस्वीरें या प्रतीक**: महाभारत को भारत के इतिहास का सबसे भीषण युद्ध माना जाता है। कहते हैं कि इस युद्ध के प्रतीकों, मसलन तस्वीर या रथ इत्यादि को घर में रखने से घर में क्लेश बढ़ता है। यही नहीं, महाभारत ग्रंथ भी घर से दूर ही रखने की सलाह दी जाती है।
- **ताजमहल**: ताजमहल प्रेम का प्रतीक तो है, लेकिन साथ ही वह मुमताज की कब्रगाह भी है। इसलिए ताजमहल की तस्वीर या उसका प्रतीक घर में रखना नकारात्मकता फैलाता है। माना जाता है कि ऐसी चीजें घर पर रखी होने से हमारे जीवन पर बहुत गलत असर पड़ सकता है। यह सीधे-सीधे मौत से जुड़ा है इसलिए इसे घर पर न रखें।
- **नटराज की मूर्ति**: नटराज नृत्य कला के देवता हैं। लगभग हर क्लासिकल डांसर के घर में आपको नटराज की मूर्ति रखी मिल जाती है। लेकिन नटराज की इस मूर्ति में भगवान शिव तांडव नृत्य की मुद्रा में हैं जो कि विनाश का परिचायक है। इसलिए इसे घर में रखना भी अशुभ फलकारक होता है।
- **डूबती हुई नाव या जहाज**: डूबती नाव अगर घर में रखी हो तो अपने साथ आपका सौभाग्य भी डुबा ले जाती है। घर में रखी डूबती नाव की तस्वीर या कोई शोपीस सीधा आपके घर के रिश्तों पर आघात करता है। रिश्तों में डूबते मूल्यों का प्रतीक है यह चिह्न। इसे अपने घरौंदे से दूर रखें।
- **फव्वारा**: फव्वारे या फाउन्टन आपके घर की खूबसूरती तो बढ़ाते हैं लेकिन इसके बहते पानी के साथ आपका पैसा और समृद्धि भी बह जाती है। घर में फाउन्टन रखना शुभ नहीं होता।

स्वीमिंग चैंपियनशिप : गौतमबुद्धनगर का रहा दबदबा, भदोही के भी दो तैराक रहे अव्वल

एजेंसी

लखनऊ। राज्य स्तरीय स्वीमिंग चैंपियनशिप मुकाबले में दूसरे दिन भी गौतमबुद्धनगर के तैराकों का दबदबा कायम रहा। हुए कुल चौदह मुकाबलों में चार में गौतमबुद्धनगर के तैराक अव्वल रहे, जबकि दो में भदोही के तैराकों ने बाजी मारी। वहीं अम्बेडकरनगर, कुशीनगर, देवरिया के तैराक भी एक-एक इवेंट में अव्वल रहे।

1500 मीटर फ्री स्टाइल के पुरुष वर्ग में गौतमबुद्धनगर के क्षितिज गोयल ने 19 मिनट 12.25 सेकेंड में तैराकी कर अव्वल रहे। वहीं भदोही के विश्वनाथ ने 19 मिनट 51.61 सेकेंड में तैराकी की और दूसरे नम्बर पर रहे, जबकि कुशीनगर के शिवम ने 20 मिनट 34.05 सेकेंड में तैराकी कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में अम्बेडकरनगर की धनन्या ने बाजी मार ली। गौतमबुद्धनगर की नव्या दूसरे स्थान पर रहीं। इस स्टाइल के दूसरे मैच में भदोही के अनुज निषाद अव्वल रहे, जबकि लखनऊ स्पोर्ट्स हास्टल के अखिलेश यादव ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। महिलावर्ग में गौतमबुद्धनगर की दोरोथी ने पहला स्थान प्राप्त किया। पचास मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में कुशीनगर के अंकित यादव ने 32.82 सेकेंड में लक्ष्य पर पहुंचकर बाजी मार ली। वहीं गोरखपुर के अभिषेक कन्नौजिया दूसरे स्थान पर रहे। वहीं महिला वर्ग में देवरिया की दीपशिखा अव्वल रहीं।

सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज : करूआना रहे शीर्ष पर

जागरेब , क्रोसिया। सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के तीनों दिन के खेल के बाद यूएसए के विश्व नंबर 3, फबियानों करूआना, ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए कुल 15 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। इससे पहले रोमानिया क्लासिक का खिताब अपने नाम करने वाले करूआना इस समय जोरदार लय में नजर आ रहे हैं। तीसरे दिन करूआना ने अपने तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए किसी को कोई मौका नहीं दिया और रैपिड में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने दिन की शुरुआत भारत के डी गुकेश को मात देकर की और उसके बाद नीदरलैंड के अनीश गिरि और फ्रांस के मकसीम लागरेव को पराजित किया। अब देखना यह होगा कि क्या ब्लिट्ज शतरंज में भी वह अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हुए एक और खिताब अपने नाम करेंगे। भारत के डी गुकेश ने रैपिड में 9 अंक बनाकर सातवां और विदित ने 4 अंक बनाकर नौवां स्थान प्राप्त किया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद, फबियानों करूआना अब ब्लिट्ज शतरंज में भी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह एक और खिताब अपने नाम करेंगे।

इंग्लैंड को एंडरसन की कमी खलेगी, उनके दुर्लभ कौशल की भरपाई करना मुश्किलः इयान चैपल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना ??है कि इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट में जेम्स एंडरसन की कमी खलेगी, क्योंकि गेंद को स्विंग कराने के उनके दुर्लभ कौशल की भरपाई करना मुश्किल है। इंग्लैंड के लिए अपना 21 साल का टेस्ट करियर 188 मैचों में 26.45 की औसत से 704 विकेट लेकर तीसरे सबसे सफल गेंदबाज के रूप में समाप्त हुए, जब मेजबान टीम ने इस सप्ताह की शुरुआत में लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज को एक पारी और 114 रनों से हराया था। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'जिमी एंडरसन खेल के सबसे महान स्विंग गेंदबाज के रूप में संन्यास लिया। कई अन्य बेहतरीन स्विंग गेंदबाज हुए हैं, लेकिन किसी ने भी उच्चतम स्तर पर इतने लंबे समय तक अपने कौशल का प्रदर्शन नहीं किया है। एंडरसन के पास अपनी गेंदबाजी क्रिया में बहुत कम बदलाव करके गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की दुर्लभ क्षमता थी। जहां अन्य अच्छे गेंदबाज अपने हाथ के स्लॉट में बदलाव करके बल्लेबाज को संकेत दे देते थे, वहीं एंडरसन बिना किसी पूर्व चेतावनी के दोनों तरफ स्विंग कराने में सक्षम थे।' उन्होंने लिखा, 'यह एक उल्लेखनीय कौशल है और इसने एंडरसन को एक बेहद कठिन प्रतिद्वंद्वी बना दिया है। इंग्लैंड को एंडरसन की कमी खलेगी क्योंकि उनके दुर्लभ कौशल की भरपाई करना मुश्किल है। हालांकि, महत्वपूर्ण बात यह है कि एंडरसन का करियर अब एक प्रतिष्ठित करियर बन गया है, जहां उन्हें खेल के सर्वश्रेष्ठ स्विंग गेंदबाज के रूप में पहचाना जाता है।'

अगर प्लेयर सुरक्षित महसूस नहीं करते तो न जाएं पाकिस्तान : हरभजन सिंह

नई दिल्ली। पाकिस्तान में फरवरी माह में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की भागीदारी पर पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह ने बयान दिया है। 103 टेस्ट के अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि अगर भारत अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस नहीं करता है तो वह उन्हें पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं, पाकिस्तान आगे बढ़ सकता है और भारत के बिना ही टूर्नामेंट को आगे बढ़ा सकता है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में बोलते हुए हरभजन ने कहा कि यदि हमारे खिलाड़ी पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं हैं, तो हम टीम नहीं भेजेंगे। यदि आप खेलना चाहते हैं, तो खेलें; यदि नहीं, तो न खेलें। भारतीय क्रिकेट पाकिस्तान के बिना भी जीवित रह सकता है। यदि आप लोग भारतीय क्रिकेट के बिना जीवित रह सकते हैं, तो इसे करें। बीते दिनों खबर आई थी कि बीसीसीआई पाकिस्तान टीम भेजने पर विचार कर रहा है। लेकिन इस पर फौरन बाद ही बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बयान सामने आ गया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बोलोग्ना के स्ट्राइकर जिर्कजी के साथ किया पांच साल का करार

एजेंसी

लंदन। इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड ने 36.54 मिलियन पाउंड (45 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के सौदे में बोलोग्ना से डच अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर जोशुआ जिर्कजी के साथ पांच साल का करार किया है। 23 वर्षीय खिलाड़ी जिर्कजी, एंथनी मार्शल के जाने की भरपाई करेंगे, जिन्होंने जून के अंत में ओल्ड ट्रैफर्ड छोड़ दिया था, जब उनका अनुबंध समाप्त हो गया था।

यूनाइटेड ने कथित तौर पर जिर्कजी के रिलीज क्लॉज से थोड़ा अधिक शुल्क का भुगतान किया है, जिससे उन्हें वित्तीय निष्पक्षता नियमों को पूरा करने में मदद करने के लिए भुगतान को तीन वर्षों में फैलाने की अनुमति मिलती है। फॉरवर्ड ने पिछले सीज़न में इतालवी पक्ष के लिए 37 मैचों में 12 गोल किए, लेकिन यूरो 2024 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 2-1 से हारने वाली नीदरलैंड्स की राष्ट्रीय टीम के लिए केवल दो बार स्थानापन्न के रूप में

दिखाई दिए।

उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड की वेबसाइट के हवाले से कहा,इस तरह के प्रतिष्ठित क्लब में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है,अपने करियर में एक और स्तर पर जाने और अधिक ट्रॉफियां जीतने के लिए तैयार हैं। इस बीच, यूनाइटेड के खेल निदेशक डैन एशवर्थ ने कहा, जिर्कजी एक उत्कृष्ट प्रतिभा है, जिसकी विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने की क्षमता और इच्छा का मतलब है कि वह उस टीम के लिए एक बढ़िया अतिरिक्त होगा, जिसे हम आगे और उससे आगे के रोमांचक सीज़न के लिए बना रहे हैं।

प्रशंसकों द्वारा सुरक्षा गेट तोड़ने के कारण कोपा अमेरिका फाइनल विलंबित

एजेंसी

मियामी। अर्जेंटीना और कोलंबिया के बीच कोपा अमेरिका फाइनल (स्थानीय समयानुसार) को हार्ड रॉक स्टेडियम में निर्धारित समय से पहले सैकड़ों प्रशंसकों द्वारा सुरक्षा गेट तोड़ देने के कारण विलंबित कर दिया गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में मियामी गार्डन्स में आयोजन स्थल के दक्षिण-पश्चिम प्रवेश द्वार के पास प्रशंसकों को बैरियर लांघते और पुलिस तथा सुरक्षा कर्मचारियों को चकमा देते हुए दिखाया गया। चीखें सुनी गईं और कुछ लोगों को फ्लोरिडा की भीषण गर्मी में चिकित्सा उपचार प्राप्त करते हुए भी देखा जा सकता है। सोशल मीडिया परदक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ ने कहा, हम सूचित करते हैं कि जिन लोगों के पास टिकट नहीं हैं, वे स्टेडियम में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। जब फिर से प्रवेश की अनुमति होगी तो केवल वे लोग ही प्रवेश कर पाएंगे जिन्होंने टिकट खरीदे हैं। मियामी-डेड काउंटी के पुलिस विभाग ने एक बयान जारी किया जिसमें उसने घटनाओं की

निंदा की। बयान में कहा गया है, हम सभी से धैर्य रखने और हमारे अधिकारियों और हार्ड रॉक स्टेडियम कर्मियों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने के लिए कह रहे हैं। हम हार्ड रॉक स्टेडियम के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं ताकि उपस्थित सभी लोगों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। अनियंत्रित व्यवहार करने पर आपको बाहर निकाल दिया जाएगा या गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विंबलडन जीतने के बाद अल्काराज ने कहा-यह ट्रॉफी जीतना मेरे लिए एक सपना है

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने कहा कि विंबलडन खिताब जीतना उनके लिए एक सपना है। अल्काराज ने लंदन के सेंटर कोर्ट में नोवाक जोकोविच को रविवार रात 6-2, 6-2, 7-6 (7-4) से हराकर लगातार दूसरा विंबलडन खिताब जीता।

मैच के बाद अल्काराज ने कहा कि वह आगे भी खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सेंटर कोर्ट में खेलना और ट्रॉफी जीतना एक 'शानदार एहसास' था। अल्काराज ने एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा,यह ट्रॉफी जीतना मेरे लिए एक सपना है... मैं आगे भी खेलना चाहता हूँ लेकिन इस खूबसूरत कोर्ट में खेलना और इस अद्भुत ट्रॉफी को उठाना एक शानदार एहसास है। यह सबसे खूबसूरत टूर्नामेंट, सबसे खूबसूरत कोर्ट और सबसे खूबसूरत ट्रॉफी है। स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने 2024 विंबलडन के फाइनल मैच में जोकोविच के

खिलाफ शांत और सकारात्मक रहने की कोशिश की। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह एक कठिन मैच था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह मुश्किल था। मैंने शांत रहने की कोशिश की, मैंने टाईब्रेक में जाने से पहले, उस स्थिति में सकारात्मक रहने की कोशिश की और अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलने पर फोकस किया। मैं बस यही सोच रहा था। मैं वास्तव में खुश हूं कि अंत में मैं समाधान ढूंढ सका और मैं इस स्थिति में होने से खुश हूं।

विंबलडन 2024 के फाइनल में स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की और सर्बियाई दिग्गज जोकोविच के खिलाफ 6-2 से पहला सेट जीत लिया। पहला सेट एकतरफा था और अल्काराज ने इसे 41 मिनट में जीत लिया। अल्काराज ने अपनी गति बनाए रखी और दूसरा सेट 6-2 से जीत लिया। जोकोविच दूसरे सेट में संघर्ष कर रहे थे और वापसी करने में विफल रहे।

सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी ने तीसरे सेट में वापसी करने की कोशिश की लेकिन अल्काराज ने आसानी से हार नहीं मानी। जोकोविच ने तीसरे सेट में अच्छी शुरुआत की और अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी लेकिन स्पैनियार्ड ने कड़ी टक्कर दी और मैच को टाईब्रेक में ले जाने के लिए मजबूर कर दिया। अल्काराज ने अपना संयम बनाए रखा और टाईब्रेक 7-4 से जीतने के साथ ही खिताब भी अपने नाम कर लिया।

मप्र अकादमी के तीन खिलाड़ियों का एशियाई विवि तीरंदाजी चैम्पियनशिप में चयन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश खेल अकादमी के तीन खिलाड़ियों को दूसरी एशियाई विश्वविद्यालय

तीरंदाजी चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। खेल संचालक रवि कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अकादमी की मुस्कान किरार, कृतिका बिचपुरिया और चिराग विद्यार्थी को दूसरी एशियाई विश्वविद्यालय तीरंदाजी चैम्पियनशिप के लिए चुना गया है। यह चैंपियनशिप 30 अगस्त से 2 सितंबर 2024 तक ताइपे शहर, चीनी ताइपे में आयोजित की जाएगी।

प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने वाले सबसे युवा पुरुष फुटबॉलर बने लामिन यामल

एजेंसी

बर्लिन। स्पेनिश अटैकर लामिन यामल किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष फुटबॉलर बन गए हैं। वह यूरो 2024 फाइनल में स्पेन की टीम का हिस्सा थे। यूरो 2024 के फाइनल मैच में स्पेन ने ओलमियास्टेडियन बर्लिन में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

वर्तमान में, यामल 17 वर्ष और 1 दिन के हैं और उन्होंने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी होने का महान फुटबॉलर पेले का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 1958 में, पेले विश्व कप फाइनल में शामिल थे, जब ब्राजील ने स्टॉकहोम में स्वीडन को 5-2 से हराकर प्रतिष्ठित ट्रॉफी हासिल की थी। उन्होंने स्वीडन के खिलाफ उस फाइनल में दो गोल किए थे। बता दें

कि निको विलियम्स और मिकेल ओयारज़ाबल के गोलों की बदौलत स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराकर यूरो 2024 का खिताब जीत लिया है। स्पेन ने रिकॉर्ड चौथी बार यूरोपीय चैंपियन का खिताब जीता। स्पेन टूर्नामेंट के 2024 संस्करण में अपराजित रहा और उसने प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। इस बीच, इंग्लैंड की टीम का दो बार फाइनल हारने के बाद यूरो ट्रॉफी जीतने का इंतजार और बढ़ गया।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप : लखनऊ के खिलाड़ियों का रहा दबदबा, मुरादाबाद ने भी जीते दो स्वर्ण

एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के खिलाड़ियों ने 40वीं सब जूनियर, 8वीं कैडेट, 42वीं जूनियर व 41वीं सीनियर क्योरगी व आठवीं पूमसे उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप में अपना दबदबा बनाए रखते हुए पांच स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमा लिया। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने भी दोस्वर्ण पदक जीते। वहीं गोरखपुर, साई लखनऊ, बागपत, गाजीपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद, जालौन व यूपी पुलिस ने भी एक-एक स्वर्ण पदक अपने नाम किए। तीसरे दिन मेजबान लखनऊ ने 5 स्वर्ण, 5 रजत व 9 कांस्य पदक अपने नाम किए और अब तक कुल 17 स्वर्ण, 13 रजत व 15 कांस्य पदक जीतकर अभी

भी होड़ में सबसे आगे हैं। आज लखनऊ के उज्जवल, नायरा शाह, सौम्या तिवारी, अन्वेषा जैन, रिया वर्मा, मुरादाबाद के आशीष सिंह, नित्या त्यागी, गोरखपुर की अंशिका शुक्ला, साई लखनऊ की जया कुमारी, बागपत की अंशिका खोखर, गाजीपुर के रूद्र यादव, प्रयागराज के श्याम जायसवाल, गाजियाबाद के पार्थ भारद्वाज, यूपी पुलिस की रिशिता राय व जालौन की मेहर नंदिनी ने अपने -अपने भार वर्गों में स्वर्णिम सफलता हासिल की।

स्पेन ने रिकॉर्ड चौथी बार जीता यूरो 2024 का खिताब, फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया

एजेंसी

बर्लिन। निको विलियम्स और मिकेल ओयारज़ाबल के गोलों की बदौलत स्पेन ने देर रात बर्लिन के ओलंपियास्टेडियन में खेले गए खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर यूरो 2024 का खिताब जीत लिया है। स्पेन ने रिकॉर्ड चौथी बार यूरोपीय चैंपियन का खिताब जीता।

स्पेन टूर्नामेंट के 2024 संस्करण में अपराजित रहा और उसने प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। इस बीच, इंग्लैंड की टीम का दो बार फाइनल हारने के बाद यूरो ट्रॉफी जीतने का इंतजार और बढ़ गया। मैच के पहले 15 मिनट में दोनों टीमों ने रणनीतिपूर्ण खेल खेला। हालांकि, स्पेन ने गेंद पर अधिक कब्ज़ा बनाए रखा और दो बड़े मौके बनाने की कोशिश की। इस बीच, इंग्लैंड सिर्फ

एक बार शुरुआती गोल करने के करीब पहुंचा। मैच के शुरुआती मिनटों में थ्री लॉयन्स ने संघर्ष किया; वे अपने ही हाफ से बाहर निकलने में विफल रहे क्योंकि स्पेनियों ने मिडफ़ील्ड पर पूरा नियंत्रण कर लिया, जिससे इंग्लैंड के हमलावर को स्पेनिश गोलकीपर, उनाई साइमन को परेशान करने का कोई मौका नहीं मिला। पहले हाफ की सीटी बजने से कुछ मिनट पहले, स्पेन के कप्तान अल्वारो मोराटा ने इंग्लैंड के बॉक्स के अंदर जगह बनाई, लेकिन शॉट लगाने से पहले, इंग्लिश डिफेंडर लापोर्टे ने स्पेनिश खिलाड़ी को ब्लॉक कर दिया। पहला हाफ गोलरहित समाप्त हुआ, लेकिन स्पेन ने 69 प्रतिशत बॉल पोजेशन रखते हुए थ्री लॉयन्स पर दबदबा बनाए रखा। इस बीच, हैरी केन की टीम के पास केवल 31 प्रतिशत बॉल पोजेशन था।दूसरा हाफ दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि कोई भी मैच को पेनल्टी शूटआउट में नहीं ले जाना चाहता।

दूसरे हाफ की शुरुआत स्पेन ने एक बदलाव के साथ की, लुइस डे ला फुएंते ने रॉड्री को चोट लगने के बाद बाहर कर दिया, और मार्टिन जुबिमेंडी ने उनकी जगह ली। मैच के 47वें मिनट में निको विलियम्स ने गोल कर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। मिकेल ओयारज़ाबल ने 86वें मिनट में गोल करके स्पेन को मैच में 2-1 की बढ़त दिला दी और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। इसी के साथ स्पेन ने रिकॉर्ड चौथी यूरो कप का खिताब जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू मैच खेलेंगी प्रयागराज की शिप्रा गिरी

एजेंसी

प्रयागराज। भारतीय महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली मल्टी फॉरमेट क्रिकेट सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम की घोषणा किया है। 18 सदस्यीय टीम में प्रयागराज के स्पोर्ट्स टैलेंट क्रिकेट अकादमी की प्रशिक्षु शिप्रा गिरी का चयन बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज हुआ है।

इंडिया ए की टीम ऑस्ट्रेलिया में तीन टी 20, तीन 50 ओवर के मैच और एक चार दिवसीय मैच खेलेगी। 7, 9 और 11 अगस्त से एलन बॉर्डर फील्ड और ब्रिस्बेन में टी 20 मैच, 14, 16 और 18 अगस्त को वनडे मैच मकाय में, 22 से 24 अगस्त तक चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेले जाएंगे। शिप्रा इससे पूर्व अभी हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन के लिए भी चयनित हुई थी। गत वर्षो में अंडर 19, अंडर 23 और सीनियर

विमेंस की बोर्ड ट्रॉफी प्रतियोगिताओं में यूपीसीए की ओर से खेलने वाली शिप्रा ने अपने शानदार खेल की बदौलत और विकेट के पीछे दस्तानों से शानदार प्रदर्शन के कारण एनसीए कैंप में भी जगह बनाई।

2016 में स्पोर्ट्स टैलेंट क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट कोच अजय यादव की निगरानी में पदार्पण करने वाली शिप्रा गिरि ने शुरुआती दौर में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना शुरू कर दिया था। आक्रामक बल्लेबाजी और विकेट के पीछे चीते जैसी फुर्ती दिखाने वाली शिप्रा गिरी ने निरंतर शानदार प्रदर्शन करना जारी रखा। अपने करियर के कई मैचों में बड़ी-बड़ी पारियां खेलने वाली शिप्रा गिरी ने प्रयागराज की लीग प्रतियोगिताओं में भी उम्दा शतकीय पारियां खेली है।शिप्रा के चयन पर स्पोर्ट्स टैलेंट क्रिकेट अकादमी के संरक्षक महेंद्र कुमार सिंह, अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव, कोच अजय सिंह यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह, खेल सचिव ब्रजेश श्रीवास्तव, दिव्यांग भारतीय टीम के क्रिकेटर अजय यादव, अजय कुशवाहा, एसीए के डायरेक्टर ताहिर हसन, सुरेश द्विवेदी, आरपी भटनागर, राकेश यादव, अशोक सिंह, रणजीत सिंह, राजेंद्र तिवारी, जितेंद्र गुप्ता आदि ने प्रसन्नता जाहिर की है।शिप्रा गिरी का कहना है कि मेरी खुशी का ठिकाना नहीं। मेरी मेहनत और हमारे परिवार जनों का प्यार, हमारे कोच की मेहनत, मेरे करियर का सबसे महत्वपूर्ण क्षण है। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है। मैं अपने देश की ओर से खेलते हुए बाल और दस्ताने दोनों से अपनी टीम के लिए सर्वोच्च प्रदर्शन करना चाहती हूँ। शिप्रा गिरी के क्रिकेट कोच अजय यादव ने बताया कि पिछले 6 वर्षो की मेहनत और लगन ने शिप्रा को इस मुकाम तक पहुंचाया है। क्रिकेट खेलने की जीत और अपने समय का मैदान पर किया गया सदुपयोग शिप्रा के खेल को निखारने में मददगार साबित हुआ है। खेल के हर पहलू पर शिप्रा सीखने की जिज्ञासा रखती है।

भारतीय टीम ने पांचवे टी20 में जिम्बाब्वे को 42 रन से हराया, 4-1 से श्रृंखला अपने नाम की

एजेंसी

हरारे। भारतीय टीम ने पांचवें एवं अंतिम टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 42 रन से शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला 4-1 अपने नाम कर ली है। खेले गए अंतिम मुकाबले में मेजबानों ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 167 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की पूरी टीम 18.3 ओवर में 125 रन पर सिमट गई। 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही। पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाजी वेस्ले मधेवेरे बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।जिम्बाब्वे को दूसरा झटका ब्रायन बेनेट के रूप में लगा। बेनेट 10 रन बना सके। जिम्बाब्वे का तीसरा विकेट तडिवनाशे मरुमनि के रूप में गिरा। वह 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद 13वें ओवर में डायोन मायर्स 32 गेंदों पर 34 रन बनाकर आउट हुए।

अगले ही ओवर में कप्तान सिकंदर रजा भी 8 रन बनाकर रन आउट हो गए। इसके बाद मेजबान टीम के एक के बाद एक विकेट गिरते रहे। इस तरह जिम्बाब्वे की टीम 18.3 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 विकेट चटकाए। जबकि शिवम दुबे को 2 सफलता मिली। वहीं वाशिंगटन सुंदर, अभिषेक शर्मा और तुषार देशपांडे ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाए। टीम को सलामी बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने तेज शुरुआत दिलाई। यशस्वी 5 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अभिषेक शर्मा 14 रन और कप्तान गिल 13 रन बनाकर आउट हुए। पावरप्ले में भारतीय टीम ने 44 रन पर तीन विकेट खो दिए थे। लेकिन इसके बाद संजू सैमसन और रियान पराग ने पारी को संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी निभाई। 15वें ओवर में पराग 22 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे छोर पर जमे संजू सैमसन ने 39 गेंदों में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक जड़ा। सैमसन 45 गेंदों पर चार छक्के और एक चौके की मदद से 58 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। अंतिम ओवरों में शिवम दुबे और रिंकू सिंह कुछ बड़े शॉट लगाए, जिससे भारतीय टीम का स्कोर 20 ओवर में 6 विकेट पर 167 तक पहुंचा। दुबे ने 12 गेंदों पर 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 26 रन बनाए। वहीं, रिंकू 11 और वाशिंगटन सुंदर एक रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे के लिए ब्लेसिंग मुजरबानी ने दो विकेट लिए, जबकि सिंकदर रजा, रिचर्ड नगारवा और ब्रैंडन मावुटा को एक-एक विकेट मिला।

जल्द मां बनने वाली हैं हीरामंडी एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा

पोस्ट शेयर कर बच्चे के लिए लिखा- आजा यार...

ऋचा चड्ढा बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से लोगों के दिलों में अलग छाप छोड़ी है। फिर चाहें वो फुकरे में भोली पंजाबन का किरदार निभा कर हो या हीरामंडी में लज्जो का किरदार। फैंस को उनका हर अवतार पसंद आया है। ऋचा प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं।इन दिनों वह अपने प्रेग्नेंसी फेज को एन्जॉय कर रही हैं और जल्द ही एक्ट्रेस अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। अब हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर अपनी फोटोज शेयर की हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया है कि वह कली के खिलने का इंतजार कर रही हैं।

प्रेग्नेंसी के आखिरी पड़ाव पर हैं ऋचा

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा इस समय अपनी प्रेग्नेंसी के आखिरी पड़ाव पर हैं। ऐसे में उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी दो खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है कि बेचैनी अकेलेपन की है, लेकिन ऐसा इसलिए है, क्योंकि मैं अकेली नहीं हूं।

इसके आगे लज्जो ने लिखा कि मेरे पास लगातार एक छोटी सी हलचल, एक घुटना, एक अचानक लात, किसी के सुनने का एहसास, एक कली के खिलने का इंतजार करते हुए याद दिलाने वाली चीजें हैं। आजा यार।

सेलेब्स ने दिए अपने रिएक्शन

हीरामंडी एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर ताहिरा कश्यप और सबा पटौदी ने भी अपना रिएक्शन दिया है। जहां ताहिरा ने कमेंट सेक्शन में आजा यार लिखा है। वहीं, सबा ने दिल वाले इमोजी शेयर किए हैं। इनके अलावा एक्ट्रेस डेलनाज ईरानी और उनके फैंस ने भी इस पोस्ट पर प्यार लुटाया।बता दें कि पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस मां बनने के कुछ समय बाद ही काम पर लौट आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपनी फिल्म भी साइन कर ली है। हालांकि, इसकी ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

अनंत-राधिका की शादी अटेंड करने के बाद Khloe संग अमेरिका लौटीं Kim Kardashian, ऐश्वर्या के साथ सेल्फी की शेयर

दुनिया के अमीर बिजनेसमैन की लिस्ट में शुमार मुकेश अंबानी ने अपने छोटे बेटे अनंत अंबानीकी शादी बड़ी धूमधाम से की। 12 जुलाई को हुई अनंत और राधिका मर्चेंट की शादी में दुनियाभर से बड़ी-बड़ी हस्तियों ने शिरकत की थी। अमेरिकन टीवी पर्सनैलिटी किम कार्दशियन और क्लोई कार्दशियन भी अनंत और राधिका की शादी में शामिल हुए थे।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने के लिए कार्दशियन सिस्टर्स 11 जुलाई की रात पहली बार भारत आईं। अंबानी परिवार ने दोनों बहनों का शाही अंदाज में स्वागत किया। किम और क्लोई ने मुंबई में ऑटो रिक्शा की भी सवारी की।

अमेरिका लौटीं किम और क्लोई

अनंत और राधिका की शादी और ब्लेसिंग सेरेमनी अटेंड करने के बाद किम और क्लोई अमेरिका लौट गई हैं। दोनों बहनें न्यूली वेड कपल की वेडिंग रिसेप्शन पार्टी अटेंड नहीं करेंगी। रविवार को किम और क्लोई होटल से जाते हुए देखा गया। इस दौरान क्लोई ने ग्रे कलर का को-ऑर्ड सेट पहना था, वहीं किम ने ब्लैक ब्रालेट टॉप के साथ मैचिंग लैगिंग्स पहनी थी। वह अपने सिक्योरिटी गार्ड के साथ होटल से निकलती हुई देखी जा सकती हैं।

अनंत की शादी में चला कार्दशियन सिस्टर्स का जादू

अनंत और राधिका की शादी व ब्लेसिंग सेरेमनी में किम और क्लोई ने अपने देसी लुक से सारी महफिल में चार-चांद लगा दिया था। पहले दिन किम ने लाल रंग का लहंगा पहना था और दूसरे दिन उन्होंने रोज गोल्ड कलर का लहंगा पहना था, जिसे उन्होंने डायमंड ज्वेलरी से स्टाइल किया था। उन्होंने नथ भी डायमंड की पहनी थी। वहीं, क्लोई ने पहले दिन आइवरी और दूसरे दिन पिंक लहंगा पहन अपना जलवा बिखेरा था।

ऐश्वर्या संग किम की सेल्फी

किम ने सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या राय के साथ सेल्फी भी शेयर की हैं। यह तस्वीर अंनत-राधिका के शुभ आशीर्वाद फंक्शन से है।

फोटो में किम, ऐश्वर्या के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ब्लैक अनारकली सूट में ऐश्वर्या बहुत खूबसूरत लग रही थीं।

कौन हैं किम और क्लोई कार्दशियन ?

किम कार्दशियन फेमस अमेरिकन टीवी पर्सनैलिटी होने के साथ-साथ बिजनेसवुमन भी हैं। वह स्किम्स नाम की शेपवियर कंपनी चलाती हैं। इसके अलावा उनका स्किन केयर में भी बिजनेस है। वह दुनिया की सबसे अमीर बिजनेसवुमन में गिनी जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 362 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

तैयारी शुरू की, 8 KG वजन घटाया, फिर सारा अली खान की फिल्म से इस TV एक्टर को निकाल दिया गया

फिल्म और टीवी अभिनेता बख्तियार ईरानी ने दावा किया है कि सारा अली खान की फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' से उन्हें निकाल दिया गया था और उनकी जगह किसी बड़े नाम को कास्ट कर लिया गया था. ऐ वतन मेरे वतन फिल्म को करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मैटिक एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया था और इस फिल्म का निर्देशन कन्नन अय्यर ने किया था. फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर आई थी.बख्तियार ने एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म में एक रोल के लिए उन्हें अप्रोच किया गया था. फिल्म मिलने के बाद उन्होंने रोल के लिए तैयारी भी शुरू कर दी थी. बख्तियार के मुताबिक उन्होंने अपने किरदार को अच्छे से निभाने के लिए 8 किलो वजन भी घटा लिया था. उन्होंने ऐसा इसलिए किया था क्योंकि मेकर्स ने उनसे वजन घटाने के लिए कहा था. बख्तियार ने वजन घटाने के लिए कड़ी मेहनत की. डाइट फोलो किया और वर्कआउट करने लगे.

कई लोगों को बता दिया था

बख्तियार ने कहा कि करीब डेढ़ महीने में 8 किलो वजन घटाने के बाद वो दोबारा निर्देशक कन्नन से मिले. निर्देशक ने कहा कि अगले हफ्ते कॉन्ट्रैक्ट साइन करते हैं. उन्होंने कहा, सब कुछ हो चुका था. मैंने अपनी पत्नी, परिवार और करीबी दोस्तों को इस बारे में बता दिया था. मैंने करीब 30 लोगों को बता दिया था क्योंकि मैं अगले दिन फिल्म साइन करने वाला था. मैं सोचता हूं कि क्या गलती हुई. उन्होने कहा कि फिल्म में सारा जिस शख्स से मदद मांगने आती है उन्हें वही रोल निभाना था.

बख्तियार ने कहा, "बहुत बड़ा नाम, एक अच्छा एक्टर (नहीं)ज्मैंने ऑडिशन दिया था, प्रोपर ऑडिशन्स, निर्देशक कन्नन को मैं बहुत पसंद आया था. सब कुछ ठीक था. पर मैंने फैसला किया कि इस बारे में बात नहीं करूंगा. पर ये मेरे लिए बहुत बड़ा झटका था क्योंकि ये मेरे लिए बड़ा मौका था.

किसने निभाया रोल ?

बख्तियार ने उस शख्स का नाम नहीं बताया, जिनसे उन्हें रिप्लेस किया गया. पर बख्तियार के पूरे बयान से रिपोर्ट्स में अंदाजा लगाया जा रहा है कि वो आनंद तिवारी की बात कर रहे थे. उन्होंने फिल्म में फिरदौस इंजीनियर का रोल निभाया है. अब आनंद धर्मा की अगली फिल्म बैड न्यूज का निर्देशन भी कर रहे हैं.

हम जहां खड़े होते हैं लाइन...अनंत-राधिका की शादी में धोनी की फैमिली के पीछे क्यों खड़े दिखे अमिताभ बच्चन

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी चर्चा का विषय बनी हुई है. इन दोनों की शादी में देश और दुनिया के कई खास मेहमान शामिल हुए. फिल्म इंडस्ट्री हमेशा से अंबानी परिवार के करीबी रही है. अमिताभ बच्चन से लेकर शाहरुख खान तक इस इवेंट का हिस्सा रहे. एक से बढ़कर एक नाम इस शादी में आए. अब सोशल मीडिया पर शादी के दौरान का एक वीडियो सामने आया है. इसमें अमिताभ बच्चन फोटोशूट के लिए लाइन में लगे नजर आ रहे हैं. ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसपर फैन्स मजेदार कमेंट्स भी कर रहे हैं. वैसे तो अमिताभ बच्चन का एक डायलॉग है कि मैं जहां खड़ा होता हूं, लाइन वहीं से खड़ी होती है. लेकिन अंबानी की शादी में वे फोटोशूट के लिए खुद लाइन में खड़े नजर आ रहे हैं.

वीडियो में क्या है ?

वीडियो की बात करें तो इसमें देखा जा सकता है कि कैसे एम एस धोनी अपनी फैमिली के साथ फोटोशूट लोकेशन पर पहुंचते हैं. धोनी के पीछे ही अमिताभ बच्चन फोटोशूट के लिए लाइन में खड़े नजर आ रहे हैं. जब तक धोनी, जीवा और साक्षी अपना फोटोशूट सेशन्स करा रहे थे तब तक अमिताभ वहीं साइड में पोलाइटली खड़े रहे. उनका ये जेस्चर फैंस को भा रहे है और लोग उनकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं.

क्या कह रहे लोग ?

एक शख्स ने फोटो पर कमेंट करते हुए कहा- अमिताभ बच्चन ये सोच रहे हैं कि आखिर मेरा नंबर कब आएगा. एक दूसरे शख्स ने लिखा- आज अमिताभ बच्चन खुद लाइन में खड़े हैं. वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो एम एस धोनी की बेटी जीवा की क्यूटनेस का गुणगान गा रहे हैं.

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी की बात करें तो 14 जुलाई को मंगल उत्सव मनाया जाएगा. इसके बाद 15 जुलाई को ये कार्यक्रम खत्म होगा. 14 जुलाई के कार्यक्रम के लिए भी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. बॉलीवुड से ए आर रहमान और प्रीतम इस प्रोग्राम में परफॉर्म करते नजर आएंगे.